जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 19 संख्याः 357 प्रभात जालोर, शनिवार 5 अप्रैल, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

ट्रम्प की टैरिफ घोषणाओं से सभी देशों में भारी आर्थिक उथल-पुथल

सबसे ज्यादा उथल-पुथल अमेरिका में, जहाँ स्टॉक मार्केट में बीस खरब डॉलर की गिरावट आयी

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- उथल-पुथल का एक सूचक माना जाता है, पैट्रोलियम के दामों में परिवर्तन। एक दिन में पैट्रोलियम के दामों में 8 प्रतिशत की गिरावट आई है और संभावना है, गिरावट का यह दौर जारी रहेगा।
- परन्तु, इस उथल-पुथल व तूफान के दौर में भारत का स्टॉक मार्केट एक शांत टापू की तरह स्थिरता का प्रतीक बना हुआ है। सैंसेक्स व एन.एस.ई. में गिरावट तो आई है, पर, ऐसा तूफान नहीं मचा है। अतः अंतर्राष्ट्रीय इन्स्टीट्यूशनल पूँजी निवेशक भारत के स्टॉक मार्केट में पूँजी लगाने के लिये आकर्षित होंगे।
- इसी संदर्भ में रिज़र्व बैंक के पूर्व गर्वनर रघुराम राजन ने कहा है कि भारत के लिये ऐसा सुअवसर शायद पीढ़ियों में नहीं आयेगा।
- चीन ने अमेरिका से आयातित होने वाली वस्तुओं पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगाया है तथा अमेरिका को ''रेअर अर्थ'' जैसे इलैक्ट्रिक कारों के निर्माण में काम आने वाले खनिज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है।
- यूरोपीय देशों ने भी अमेरिका से आयातित होने वाली वस्तुओं पर भारी टैरिफ लगाने की घोषणा तो की है, पर, अभी तक टैरिफ लगाया नहीं है।
- इस आर्थिक उथल-पुथल के माहौल में अमेरिका के फैडरल बैंक द्वारा ब्याज दर घटाने की भारी चर्चा है, बाज़ार में, स्टॉक मार्केट में निवेश को बढ़ावा देने के लिये। संभवतया भारत का रिज़र्व बैंक भी इस लाइन पर सोच रहा है और वह भी ब्याज़ दर घटाये।

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। ट्रंप के टैरिफ के अगले ही दिन दुनिया हिल गई है। सबसे बड़ा तूफान अमेरिका में देखा गया।

अमेरिका के स्टॉक मार्केट्स में भारी गिरावट आई है और यह गिरावट जारी रहने की संभावना है। बॉन्ड मार्केट, जो स्टॉक्स में विश्वास और निवेश का उल्टा संकेतक होता है, बढ़ रहा है। इसका मतलब है कि निवेशक भविष्य को लेकर चिंतित हैं और एहतियात के तौर पर इक्विटी से बाहर निकलकर सरकारी बॉण्ड में निवेश कर रहे हैं।

स्टॉक मार्केट्स को डर है कि बाजार सर्किट ब्रेकर (एक साथ 7 प्रतिशत से अधिक गिरावट) को छू सकते हैं। जब बाजार इस गिरावट के स्तर तक पहुंचता है, तो सर्किट ब्रेकर स्वतः ही ट्रेडिंग को निलंबित कर देता है। ऐसी घटना एक प्रमख संकट को जन्म दे सकती है।

पिछले दो दिनों में बाजार लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर गिर चुका है। यह निवेशकों के लिए एक बड़ा मानसिक झटका है, क्योंकि अब वे इतनी राशि के नुकसान में हैं।

तेल की कीमतों में एक दिन में ही 8 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिरता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उम्मीद है कि मांग में गिरावट के कारण कीमतें और भी कम हो सकती हैं।

तेल की बेंचमार्क कीमत लगभग 60 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई है। यह भारत जैसे देशों के लिए अच्छी खबर है, जो तेल की सभी आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर करता है।

इस बीच, भारत में अर्थव्यवस्था में स्थिरता कायम है लेकिन पूरी तरह से नहीं। भारतीय बाजारों में मामूली

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विख्यात अभिनेता मनोज कुमार नहीं रहे

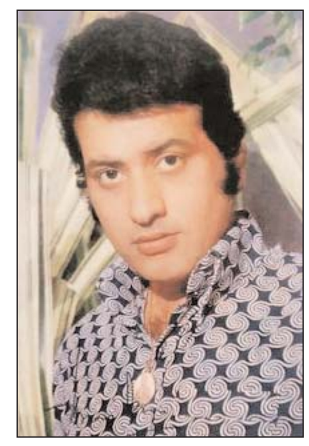

मुंबई, 04 अप्रैल। भारतीय अभिनेता और फिल्म निर्देशक मनोज कुमार का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। वे 87 साल के थे। उन्हें अपनी देशभक्ति फिल्मों के लिए जाना जाता था। उनकी देश प्रेम वाली फिल्मों के लिए उन्हें भारत कुमार के नाम से भी जाना जाता था। उन्होंने कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में अंतिम सांस ली। इस खबर के बाद पूरे देशमें शोक की लहर है। दोपहर बाद विशाल टावर, जुहू में उनके अंतिम दर्शन किए जा सकेंगे। कल सुबह पवन हंस श्मशान घाट, जुहू में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

- देशभक्ति फिल्मों के कारण भारत कुमार नाम से प्रसिद्ध 87 वर्षीय मनोज कुमार का हार्ट अटैक से निधन हो गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लोकसभा व राज्यसभा में पारित वक्फ संशोधन विधेयक को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

गृह मंत्री अमित शाह व संसदीय मामलों के मंत्री किरण रिजीजू ने पार्टी की सोच को पुरजोर ढंग से पेश किया कि विधेयक वक्फ बोर्ड के संचालन में व्याप्त भ्रष्टाचार पर नियंत्रण करने के लिये लाया गया है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- विपक्ष की ओर से कपिल सिब्बल व अभिषेक मनु सिंघवी ने विधेयक की कमियाँ व त्रुटियाँ उजागर करने में प्रभावशाली भूमिका निभाई।
- अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, भारी संभावना है कि न्यायपालिका इस विधेयक को असंवैधानिक (अनकॉन्स्टिट्यूश्नल) घोषित करेगी।
- सिब्बल ने कहा कि इस बात पर भारी चर्चा हुई कि वक्फ बोर्ड के पास बहुत जमीनें हैं, पर, यह भी उल्लेखनीय है कि दक्षिण भारत के चार राज्यों में ही हिन्दू मंदिरों के पास दस लाख एकड़ भूमि है।
- उन्होंने (सिब्बल ने) यह आपत्ति भी उठाई कि हिन्दू मन्दिरों के ट्रस्ट के मैनेजमैंट के निर्णय को तो आप फाइनल मानते हैं, पर, आपको यह मान्य नहीं है कि वक्फ ट्रिब्युनल का दिया गया निर्णय भी फाइनल है।

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। विवादास्पद वक्फ संशोधन बिल 2025, जिसे संसद ने मंजूरी दे दी है, को शुक्रवार को कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद और ऑल इंडिया मजलिस-ए- इत्तेहादुल मुसलमीन के असदुद्दीन ओवैसी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी।

बिल जो राष्ट्रपति मुर्मू के हस्ताक्षर के बाद कानून बन जाएगा, को देश की सबसे बड़ी अदालत में साथ ही जनता की अदालत में भी चुनौती दी जाएगी, जिसकी पहली परीक्षा बिहार के चुनावों में होगी जो इसी वर्ष अक्टूबर -नवम्बर में होने जा रहे हैं। देखना यह है कि दोनों अदालतों में इस कानून के बारे में क्या फैसला आता है।

वक्फ बिल गुरुवार को राज्यसभा में पारित हो गया, जहां इसके पक्ष में 128 और विपक्ष में 95 वोट पड़े। इससे पहले लोकसभा में यह बिल 232 के मुकाबले 288 मतों से पारित हो गया।

दोनों सदनों में काफी रोचक बहस हुई जिसमें विपक्षी सदस्य विजेता बनकर उभरे सत्ता पक्ष के सदस्य पर पार्टी लाइन दोहराते रहे और बिल के बचाव में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते रहे। इनमें केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह और संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू प्रमुख थे।

विपक्षी खेमे से दो बड़े वकीलो, कपिल सिब्बल और अभिषेक मनुसिंघवी, ने राज्यसभा की बहुत भारी आलोचना की। कांग्रेस के सिंघवी ने कहा कि अगर इस बिल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई तो पूरी संभावना है कि न्याय पालिका इसे असंवैधानिक घोषित कर दे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्टालिन ने एक और भावात्मक मुद्दा ढूंढ निकाला आगामी विधानसभा चुनाव के लिये

स्टालिन के नेतृत्व में तमिलनाडु ने दावा किया, मेडिकल शिक्षा में तमिलनाडु बहुत आगे है, और अपने इस शिक्षा के क्षेत्र की सफलता जारी रखने के लिये, स्टालिन मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिये ''नीट'' से मुक्ति चाहते हैं

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- स्टालिन ने विधानसभा में कहा, तमिलनाडु ''नीट'' से मुक्ति के लिये दो बार सर्वसम्मति से ''नीट'' परीक्षा के खिलाफ प्रस्ताव पारित कर चुका है। पर, केन्द्रीय सरकार उनके प्रस्ताव को स्वीकार नहीं कर रही है। यह तमिलनाडु के विद्यार्थियों के प्रजातंत्रीय अधिकारों व महत्वाकांक्षा के खिलाफ है।

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। जिस दिन भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने पार्टी के नेता पद से हटने की घोषणा की, उसी दिन केन्द्र की भाजपा सरकार ने, अगले वर्ष होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों से पहले, द्रमुक प्रमुख तथा राज्य के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को एक और भावनात्मक मुद्दा थमा दिया, जिसका दोहन वे चुनावों में कर सकें।

अन्नामलाई, जो अन्नाद्रमुक के एनडीए से बाहर होने के प्रमुख कारण थे, ने शुक्रवार को पत्रकारों को बताया कि वे पार्टी के हितचिन्तक हैं, तथा इसके बाद उन्होंने भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष पद की दौड़ से स्वयं को अलग रखने की घोषणा कर दी। जैसा कि पिछले सप्ताह की रिपोर्टिंग में, राष्ट्रदूत में बताया गया था, अन्नामलाई का हटना अन्नाद्रमुक नेतृत्व की गठबंधन को पुनर्जीवित करने की पूर्व-शर्त थी।

जहां गठबंधन के मुद्दे पर कुछ आगे बढ़ने की स्थिति की संभावना हो सकती है, वहीं भाजपा द्रमुक नेता को मुद्दे पर मुद्दे देती जा रही है, एनईईटी (नीट) ऐसा ही एक मुद्दा है। तमिलनाडु

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

युद्ध विधवा को 11 साल बाद भी भूमि आवंटन क्यों नहीं हुआ?

जयपुर, 4 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने 1965 की युद्ध विधवा को 11 साल में भूमि आवंटित नहीं करने को लेकर प्रमुख राजस्व सचिव से शपथ पत्र पेश करने को कहा है। अदालत ने प्रमुख राजस्व सचिव से पूछा है कि उसे पूर्व में आवंटित की गई जमीन का आवंटन रद्द करने के बाद, अब तक दूसरी भूमि आवंटित क्यों नहीं की गई। जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने

- हाई कोर्ट ने चार सप्ताह में आवंटन की सभी कार्यवाही पूरी करने के निर्देश दिये।

ये आदेश धरियाव कंवर की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि चार सप्ताह में मामले को लेकर आवश्यक कार्रवाई कर ली जाती है तो प्रमुख राजस्व सचिव को शपथ पत्र पेश करने की आवश्यकता नहीं है।

याचिका में अधिवक्ता ओपी मिश्रा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता के पति भारतीय सेना में थे और साल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीतीश कुमार द्वारा वक्फ बोर्ड विधेयक को समर्थन देने से, जद (यू) के कई मुस्लिम नेताओं का पार्टी से पलायन!

पांच वरिष्ठ पार्टी नेताओं ने जद (यू) की सदस्यता त्यागी, तथा दो अन्य बड़े नेताओं ने समर्थन पर विरोध दर्ज कराया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- इन मुस्लिम नेताओं ने नीतीश कुमार को चिट्ठी लिखकर कहा, ''लाखों मुस्लिम मतदाताओं ने आपको बार-बार मु.मंत्री की कुर्सी पर बैठाया, आज आपने उनका विश्वास खो दिया है।''
- जद (यू) के एक अन्य मुस्लिम नेता ने कहा, ''मुसलमानों को ठोस कदम उठाने का समय आ गया है। उन्हें अपने अधिकारों के लिये लड़ना पड़ेगा, और केवल सोशल मीडिया में नहीं।''

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। जेडी (यू) द्वारा वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन किये जाने के कारण पार्टी के मुस्लिम नेताओं में असंतोष बढ़ रहा है और अब तक 5 वरिष्ठ नेताओं ने इस्तीफे दे दिये हैं तथा दो वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी के इस निर्णय के खिलाफ अपना विरोध दर्ज करा दिया है।

वरिष्ठ नेता मुहम्मद कासिम अंसारी, बिहार के जेडी (यू) अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के सचिव मुहम्मद शाहनवाज मलिक, जेडी (यू) अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के स्टेट जनरल सेक्रेटरी मुहम्मद तबरेज सिद्दीकी अलीग, जेडीयू यूथ विंग के पूर्व स्टेट सैक्रेटरी एम. राजू नय्यर तथा नदीम अख्तर ने अपने त्याग पत्र भेज दिये हैं।

पार्टी में सबसे पहले इस्तीफा देने वाले वरिष्ठ नेता मुहम्मद कासिम अंसारी थे। उन्होंने आरोप लगाया कि इस विधेयक का समर्थन करके नीतीश कुमार ने मुस्लिम समुदाय को बहुत बड़ा आघात पहुँचाया है।

अपने त्याग पत्र में अंसारी ने कहा कि वे इस विधेयक को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं कर सकते। इस विधेयक के जरिये मुस्लिमों का अपमान किया गया है। उन्होंने इतने सालों तक जेडी (यू) में बने रहने के लिये अफसोस व्यक्त किया।

जेडी (यू) बिहार अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के सेक्रेटरी मुहम्मद शाहनवाज मलिक ने अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुये, शुक्रवार को पार्टी अध्यक्ष नीतीश कुमार को पत्र लिखकर कहा कि वे (नीतीश कुमार) मुस्लिमों का पूरा विश्वास खो चुके हैं, जो ये मानते थे कि पार्टी धर्मनिरपेक्ष है।

पत्र में मलिक ने लिखा है, ''हमारी तरह, भारत के करोड़ों लोगों को यह दृढ़ विश्वास था कि आप पूरी तरह धर्मनिरपेक्ष विचारधारा के झंडाबरदार हैं। लेकिन अब यह विश्वास टूट गया है।'' जेडी (यू) अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के स्टेट जनरल सेक्रेटरी मुहम्मद तबरेज सिद्दीकी अलीग पार्टी से इस्तीफा देने वाले तीसरे शीर्ष नेता हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पीएचईडी चीफ इंजीनियर जमानती वारंट से तलब

जयपुर, 4 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश की पालना में पीएचईडी के चीफ इंजीनियर, राकेश लुहाड़िया के अदालत में पेश नहीं होने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही, अदालत ने आगामी सुनवाई पर उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए उन्हें पांच हजार रुपए के जमानती वारंट से तलब किया है। जस्टिस नरेन्द्र सिंह की

- हाई कोर्ट ने यह आदेश अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिये।

एकलपीठ ने यह आदेश परमेश्वर कुमार शर्मा व अन्य की ओर से दायर अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सीपी शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ताओं ने राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण में अपील दायर कर साल 2014 की वरिष्ठता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अंतरराष्ट्रीय व्यापार में, उथल-पुथल व अराजकता प्रथम अध्याय होता है सुअवसर (ऑपरच्युनिटी) का'

अमेरिका से बातचीत व सौदेबाजी करने के मकसद से वॉशिंगटन गई टीम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने ट्रम्प द्वारा भारत से आयातित वस्तुओं पर लगाये गये 26 प्रतिशत टैरिफ के बारे में सटीक टिप्पणी की

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- अरनैस्ट एण्ड यंग के टैक्स पार्टनर विपिन सपरा ने इस बारे में कहा कि भारत की कई अन्य देशों से स्थिति बेहतर है तथा अमेरिका से आपसी व्यापार समझौता (बाईलेटरल ट्रेड एग्रीमैंट) करके भारत इन टैरिफ के झटकों को अपनी व्यापारिक रणनीति से सुअवसर में परिवर्तित कर सकता है।
- उदाहरण के लिये भारत को कड़ा संघर्ष करना पड़ेगा, स्वर्ण आभूषण के निर्यात में, क्योंकि मिडिल ईस्ट को, 17 प्रतिशत टैरिफ कम लगने का ''एडवांटेज'' है। पर, भारत को थाईलैण्ड के मुकाबले 10 प्रतिशत टैरिफ का लाभ है, चाँदी व हीरे के आभूषणों के निर्यात में।
- इसी प्रकार से भारत के गलीचे निर्यात करने वाले व्यापारियों को टर्की के गलीचे निर्माताओं के मुकाबले 16 प्रतिशत ज्यादा टैरिफ लगने का खामियाज़ा भुगतना पड़ेगा।
- अचानक भारत के परिधान निर्यात करने वाले टैक्सटाइल ट्रेडर्स की आँखों में चमक आ गई है, क्योंकि चीन व वियतनाम से निर्यात होने वाला माल, अधिक टैरिफ लगने से अमेरिका के बाज़ार में और महँगा हो गया है।

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। ''ग्लोबल व्यापार में उथल-पुथल व अराजकता, अक्सर सुअवसर का पहला अध्याय होता है।'' भारत के एक वरिष्ठ ट्रेड अधिकारी ने, अमेरिका द्वारा भारत के विभिन्न वस्तुओं के आयात पर लगाए गए 26 प्रतिशत टैरिफ को उक्त शब्दों में समझाया। गुरुवार को वॉशिंगटन द्वारा की गई यह घोषणा ग्लोबल सप्लाई चेन्स (आपूर्ति श्रृंखलाओं) को हिलाकर रख सकती है। भारत, हालांकि, इससे अछूता नहीं है तथा यदि वह अपने पत्ते सही तरीके से खेलता है तो और अधिक मजबूत हो सकता है।

पाँच से नौ अप्रेल के बीच लगाए जाने वाले नए यू.एस. शुल्क मौजूदा कस्टम शुल्क के ऊपर लगाए गए हैं और फार्मास्युटिकल्स तथा ऑटोमोबाइल जैसी उन वस्तुओं को छूट दी गई है, जिन पर पहले रज़ामंदी हो चुकी है। इसका प्रभाव संपूर्ण उद्योग पर पड़ेगा, लेकिन एक समान नहीं। जहाँ, भारत के श्रिंप (झींगा) तथा गोल्ड जूलरी निर्यात पर सीधा असर पड़ेगा, वहीं इलैक्ट्रॉनिक्स, टैक्सटाइल, प्लास्टिक और कैमिकल जैसे सैक्टरों को भारी लाभ हो सकता है, क्योंकि इस क्षेत्र में भारत को प्रतिस्पर्धा देने वाले देशों की हालत और ज्यादा खराब है।

ई.वाय. इण्डिया में टैक्स पार्टनर विपिन सापरा ने कहा, ''गलतफहमी में मत रहिए, टैरिफ परिदृश्य में ये भारी परिवर्तन हैं। लेकिन भारत अधिकांश देशों की तुलना में बेहतर स्थिति में है। अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता इन टैरिफ झटकों को एक रणनीतिक अवसर में बदल सकता है।''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भजनलाल ने प्रधानमंत्री, गृह मंत्री का आभार जताया

जयपुर, 4 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'वक्फ (संशोधन) विधेयक-2025' के संसद के दोनों सदनों में बहुमत से पारित होने पर समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह विधेयक देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के संकल्प का प्रमाण होने के साथ ही, देश में समानता, पारदर्शिता और सुशासन को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। मुख्यमंत्री ने इस अभूतपूर्व विधेयक के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया।

- मुख्यमंत्री ने कहा, वक्फ संशोधन विधेयक गरीब व जरूरतमंदों को सशक्त बनायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वक्फ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मेरे दोस्त किसी चीज़ को कुरूप ना कहो, सिवाय उस भय के जिसकी मारी कोई आत्मा स्वयं अपनी स्मृतियों से डरने लगे। –खलील जिब्रान

वन भी असुरक्षित : हरियाली की जगह अवैध कब्जों का हो रहा विस्तार

दुनिया में जनसंख्या वृद्धि, औद्योगिक विकास और आधुनिक जीवन शैली की वजह से प्राकृतिक वनों पर मानव समाज का दबाव बढ़ता जा रहा है। इसे ध्यान में रखकर मानव जीवन की आवश्यकताओं के हिसाब से वनों के संतुलित दोहन तथा नये जंगल लगाने के लिए भी विशेष रूप से काम करने की जरूरत है। मनुष्य के जीवन में वन महत्वपूर्ण रहे हैं। परन्तु जैसे–जैसे सभ्यता का विकास हुआ वैसे–वैसे मनुष्य ने अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वृक्षों को काटने के साथ अतिक्रमण आरम्भ कर दिया। जंगल की भूमि पर सरेआम अवैध कब्जों की भरमार हो गई साथ ही वनों की लगातार कटाई होती गई, जिससे वातावरण पर भी इसका प्रभाव पड़ा। आज हमारी स्थिति यह हो गई है की वृक्षों की छाव मिलनी भी दुर्लभ हो गई है। पर्यावरण सुधार के लिए वनों का विस्तार जरूरी है, लेकिन अब सरेआम जंगल क्षेत्र में हरियाली की जगह अवैध कब्जों का विस्तार हो रहा है। जंगल की भूमि का रखवाला वन विभाग है। बताया यह जाता है वन विभाग के पास समुचित साधन नहीं है, जिससे वो अतिक्रमण को हटा सके। इसी कमजोरी का फायदा अतिक्रमणकारी उठा रहे हैं। अतिक्रमण में वन कर्मियों की भूमिका भी संदिग्ध बताई जाती है। वन भूमि से पेड़ काट लिए जाते है मगर वन विभाग सोये रहता है, यह हज़म नहीं होता है।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की एक ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक देश के 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 13,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक वन क्षेत्र पर अतिक्रमण किया गया है। यह क्षेत्र दिल्ली, सिक्किम और गोवा के कुछ भौगोलिक क्षेत्र से भी बड़ा है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को सौंपी गई रिपोर्ट के अनुसार, मध्य प्रदेश और असम अतिक्रमण से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। रिपोर्ट में मंत्रालय ने कहा कि मार्च 2024 तक 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 13,05,668.1 हेक्टेयर (या 13056 वर्ग किमी) वन क्षेत्र अतिक्रमण के अधीन था। अभी तक 10 राज्यों ने वन अतिक्रमण पर आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं। पिछले वर्ष राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने एक खबर पर स्वतः संज्ञान लिया था, जिसमें सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया गया था कि भारत में 7,50,648 हेक्टेयर (या 7506.48 वर्ग किमी) वन क्षेत्र अतिक्रमण के अधीन है। जो देश की राजधानी दिल्ली के आकार से पांच गुना अधिक है। जिन राज्यों ने अपना डेटा नहीं दिया उनमें बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान, तेलंगाना, प. बंगाल, नागालैंड, दिल्ली, जम्मू–कश्मीर और लद्दाख शामिल है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, असम में वन भूमि पर सबसे अधिक अतिक्रमण किया गया है, जहां 2.13 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि पर अवैध कब्जा है।

रिपोर्ट में जिन राज्यों के आंकड़ों के बारे में जानकारी दी गई है, उनमें अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, असम, अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव, केरल, लक्षद्वीप, महाराष्ट्र, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, झारखंड, सिक्किम, मध्यप्रदेश, मिजोरम और मणिपुर शामिल हैं। मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2024 तक मध्यप्रदेश में सबसे अधिक 5,460.9 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र पर अतिक्रमण था। इसमें कहा गया है कि असम में 3,620.9 वर्ग किलोमीटर, कर्नाटक में 863.08 वर्ग किलोमीटर, महाराष्ट्र में 575.54 वर्ग किलोमीटर, अरुणाचल प्रदेश में 534.9 वर्ग किलोमीटर, ओडिशा में 405.07 वर्ग किलोमीटर, उत्तर प्रदेश में 264.97 वर्ग किलोमीटर, मिजोरम में 247.72 वर्ग किलोमीटर, झारखंड में 200.40 वर्ग किलोमीटर और छत्तीसगढ़ में 168.91 वर्ग किलोमीटर वन भूमि पर अतिक्रमण है।

> **जंगल हमारे जीवन की बुनियाद हैं जो हमारे पर्यावरण के साथ-साथ आर्थिक और सामाजिक स्थिति को बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वन पर्यावरण, लोगों और जंतुओं को कई प्रकार के लाभ पहुंचाते हैं। वन कई प्रकार के उत्पाद प्रदान करते हैं जैसे फर्नीचर, घरों, रेलवे स्लीपर, प्लाईवुड, ईंधन या फिर चारकोल एवं कागज के लिए लकड़ी, सेलोफेन, प्लास्टिक, रेयान और नायलॉन आदि के लिए प्रस्संकृत उत्पाद, रबर के पेड़ से रबर आदि।**

हालांकि अनेक आदिवासी संगठनों ने अतिक्रमण के इस दावे को सही नहीं बताया है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण को सौंपे गए वन क्षेत्र अतिक्रमण पर केंद्र सरकार के आंकड़े प्रामाणिक नहीं हैं, क्योंकि सरकार ने अभी तक वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) को पूरी तरह से लागू नहीं किया है। देश में 150 से अधिक आदिवासी और वनवासी संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक प्रमुख समूह ने बृहस्पतिवार को यह दावा किया। संगठनों का कहना है वन अधिकार अधिनियम, 2006 आदिवासियों और वन–आश्रित समुदायों के उस भूमि पर अधिकारों को मान्यता देता है जिस पर वे पीढ़ियों से रहते आए हैं और जिसकी रक्षा करते आए हैं। हालांकि बड़ी संख्या में दावों को गलत तरीके से खारिज करके इसके क्रियान्वयन का उल्लंघन किया जा रहा है।

वनों से हमें एक नहीं अपितु अनेकों लाभ है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में मनुष्य के स्वास्थ्य के लिये वन को बहुत ही उपयोगी, लाभकारी और जीवनदायी बताया गया हैं। वन और जीवन दोनों एक–दूसरे पर आश्रित हैं। वनों से हमें शुद्ध ऑक्सीजन और भोजन मिलता है। मनुष्य और अन्य किसी भी प्राणी का जीवन ऑक्सीजन और भोजन के बिना नहीं चल सकता। वृक्ष और वन भू–जल को भी संरक्षित करते हैं। जैव–विविधता की रक्षा भी वनों की रक्षा से ही संभव है। विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए बहुमूल्य वनौषधियां हमें जंगलों से ही मिलती हैं।

वन और वनस्पतियां आक्सीजन देकर हमें जीवन प्रदान करती हैं। बिना आक्सीजन के हम जीवित रह ही नहीं सकते और पेड़–पौधे यही जीवनदायिनी आक्सीजन छोड़ते हैं। एक स्वस्थ पेड़ हर दिन लगभग 230 लीटर ऑक्सीजन छोड़ता है, जिससे सात लोगों को प्राण वायु मिल पाती है। वे हमारे द्वारा छोड़ी गई विषैली गैस कार्बन–डाइ–आक्साइड को ग्रहण करते हैं। कुछ वन्य पौधे ऐसे भी होते हैं जो रात में भी आक्सीजन छोड़ते हैं। पीपल, नीम, तुलसी, एलोवेरा, एक्समसकैक्टस, सर्पेन्टाइल (स्नेक प्लांट), आर्चिड्स, आरेंजठोवेरा आदि ऐसे पेड़–पौधें हैं जो रात में भी आक्सीजन छोड़ते हैं। पेड़–पौधे न रहें तो जिन्दा रहने के लिए साँस और जीवन की धड़कन ही बन्द हो जायेगी। अब भी समय है हम समझे और समझाए की पेड़ पौधे हमारे जीवन के लिए कितने अहम् और प्राणदायक है।

स्वस्थ पर्यावरण एवं पारिस्थितिक संतुलन के लिए समस्त भू–भाग का एक तिहाई वनों से ढका रहना चाहिए। एक क्षेत्र जहाँ पेड़ों का घनत्व अत्यधिक रहता है उसे वन कहते है। हमारे लिए खुशी की बात यह है कि भारत में वन क्षेत्र में लगातार इजाफा हुआ है।

जंगल हमारे जीवन की बुनियाद हैं जो हमारे पर्यावरण के साथ–साथ आर्थिक और सामाजिक स्थिति को बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वन पर्यावरण, लोगों और जंतुओं को कई प्रकार के लाभ पहुंचाते हैं। वन कई प्रकार के उत्पाद प्रदान करते हैं जैसे फर्नीचर, घरों, रेलवे स्लीपर, प्लाईवुड, ईंधन या फिर चारकोलएव कागज के लिए लकड़ी, सेलोफेन, प्लास्टिक, रेयान और नायलॉन आदि के लिए प्रस्संकृत उत्पाद, रबर के पेड़ से रबर आदि। फल, सुपारी और मसाले भी वनों से एकत्र किए जाते हैं। कर्पूर, सिनचोना जैसे कई औषधीय पौधे भी वनों में ही पाये जाते हैं। पेड़ों की जड़ें मिट्टी को जकड़े रखती है और इस प्रकार वह भारी बारिश के दिनों में मृदा का अपरदन और बाढ भी रोकती हैं। पेड़, कार्बन डाइआक्साइड अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं जिसकी मानवजाति को सांस लेने के लिए जरूरत पड़ती है। वनस्पति स्थानीय और वैश्विक जलवायु को प्रभावित करती है। पेड़ पृथ्वी के लिए सुरक्षा कवच का काम करते हैं और जंगली जंतुओं को आश्रय प्रदान करते हैं। वे सभी जीवों को सूर्य की गर्मी से बचाते हैं और पृथ्वी के तापमान को नियंत्रित करते हैं।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

कोचिंग संस्थानों का विनियमन: सरकार की भूमिका

अशोक कुमार

भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं का महत्व बहुत अधिक है। कोचिंग सेंटर छात्रों को उनकी परीक्षाओं में सफल होने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करते हैं। लेकिन कोचिंग संस्थानों की अनियंत्रित गतिविधियाँ एक गंभीर चिंता का विषय बन गई हैं। कई कोचिंग संस्थान अत्यधिक फीस वसूलते हैं, जिससे शिक्षा केवल धनी परिवारों के लिए सुलभ हो जाती है। कुछ संस्थान भ्रामक विज्ञापन और झूठे वादे करते हैं, जिससे छात्रों और अभिभावकों को गुमराह किया जाता है।

कोचिंग संस्थानों में छात्रों पर अत्यधिक दबाव डाला जाता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। सभी कोचिंग संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान नहीं करते हैं, और कुछ में अप्रशिक्षित शिक्षक होते हैं। कुछ कोचिंग संस्थान बिना किसी नियमन के चलते हैं, जिससे अनियमितताएँ और शोषण होता है। कुछ कोचिंग संस्थाओं में सुरक्षा के उचित इंतज़ाम नहीं होते, जिससे छात्र सुरक्षित महसूस नहीं करते। कई संस्थान छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं देते, जिससे आत्महत्या जैसी घटनाएँ बढ़ती हैं। अतः कोचिंग संस्थानों का विनियमन एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, क्योंकि ये संस्थान छात्रों के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन संस्थानों में कई तरह की समस्याएं भी हैं। छात्रों की समस्याओं को दूर करने के लिए सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है। सरकार को सख्त नियम बनाने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने, छात्रों के अधिकारों की रक्षा करने, जागरूकता फैलाने के लिए सख्त नियम और दिशानिर्देश बनाने चाहिए।

इन नियमों में संस्थानों के पंजीकरण, शिक्षकों की योग्यता, पाठ्यक्रम, फीस, और छात्रों के अधिकारों से संबंधित प्रावधान होने चाहिए। सरकार को इन नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से संस्थानों की निगरानी भी करनी चाहिए। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोचिंग संस्थान छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें। इसके लिए, सरकार को संस्थानों के शिक्षकों की योग्यता और प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम की गुणवत्ता, और शिक्षण विधियों का मूल्यांकन करना चाहिए। सरकार को छात्रों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। इसमें छात्रों को शोषण से बचाना, उन्हें उचित फीस और सुविधाएं प्रदान करना, और उनकी शिकायतों का निवारण करना शामिल है। सरकार को छात्रों और अभिभावकों को कोचिंग संस्थानों के बारे में जागरूक करना चाहिए। उन्हें संस्थानों की गुणवत्ता, फीस, और छात्रों के अधिकारों के बारे में जानकारी प्रदान करनी चाहिए। नियमों का पालन न करने वाले कोचिंग संस्थानों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए।

भारत में कोचिंग संस्थानों की संख्या बहुत अधिक है, जिससे उनका प्रभावी ढंग से विनियमन करना मुश्किल हो जाता है। राजस्थान सरकार ने हाल ही में कोचिंग संस्थानों को विनियमित करने के लिए एक विधेयक को मंजूरी दी है। इस विधेयक का उद्देश्य छात्रों को सुरक्षित और सहायक शिक्षण वातावरण प्रदान करना है। केंद्र सरकार ने भी कोचिंग संस्थानों के लिए दिशा–निर्देश जारी किए हैं। इन दिशा–निर्देशों में संस्थानों के पंजीकरण, शिक्षकों की योग्यता, और छात्रों के अधिकारों से संबंधित प्रावधान शामिल हैं। कई कोचिंग संस्थान राजनीतिक रूप से प्रभावशाली होते हैं, जिससे उनके खिलाफ कार्रवाई करना मुश्किल हो जाता है। छात्रों और अभिभावकों में कोचिंग संस्थानों के बारे में जागरूकता की कमी है, जिससे वे शोषण का शिकार हो जाते हैं। कोचिंग संस्थानों में छात्रों द्वारा आत्महत्या करना एक गंभीर चिंता का विषय है। यह समस्या न केवल छात्रों के परिवारों को प्रभावित करती है, बल्कि पूरे समाज पर भी नकारात्मक प्रभाव डालती है।

केंद्र सरकार ने कोचिंग संस्थानों के लिए कुछ महत्वपूर्ण दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिनका उद्देश्य इन संस्थानों की अनियंत्रित गतिविधियों को रोकना और छात्रों के हितों की रक्षा करना है। इन दिशानिर्देशों का मुख्य उद्देश्य कोचिंग संस्थानों में छात्रों पर बढ़ते मानसिक दबाव को कम करना और उन्हें एक सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण प्रदान करना है। लेकिन उनका कार्यान्वयन राज्यों पर निर्भर करता है।

दिशानिर्देशों के अनुसार सभी कोचिंग संस्थानों को संबंधित राज्य सरकार के साथ पंजीकरण कराना अनिवार्य है। कोचिंग संस्थान किसी भी प्रकार के भ्रामक विज्ञापन नहीं दे सकते हैं, जिसमें छात्रों को गुमराह करने वाले दावे शामिल हों। कोचिंग संस्थानों को छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा और उन्हें नियमित परामर्श सेवाएं प्रदान करनी होंगी। कोचिंग संस्थानों को अपनी फीस संरचना और रिफंड नीति को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना होगा। कोचिंग संस्थानों को उचित आधारभूत संरचना प्रदान करनी होगी, जिसमें सुरक्षित और स्वच्छ कक्षाएं, पीने का पानी और शौचालय शामिल हैं। कोचिंग संस्थानों में पढ़ाने वाले शिक्षकों के पास उचित कौशल और योग्यता होनी चाहिए। कोचिंग संस्थानों में 16 साल से कम उम्र के छात्रों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है। नियमों का उल्लंघन करने वाले कोचिंग संस्थानों पर जुर्माना लगाया जा सकता है। ये दिशानिर्देश कोचिंग संस्थानों को अधिक जवाबदेह और पारदर्शी बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

भारत में कोचिंग संस्थानों की व्यवस्था राज्यों के अनुसार अलग–अलग है। कुछ राज्यों में कोचिंग संस्थानों को विनियमित करने के लिए कानून बनाए गए हैं, जबकि अन्य राज्यों में ऐसा कोई कानून नहीं है। राजस्थान सरकार ने हाल ही में "राजस्थान कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2025" पेश किया है। इस विधेयक का उद्देश्य कोचिंग सेंटरों की अनियंत्रित गतिविधियों को रोकना और छात्रों के हितों की रक्षा करना है। इस विधेयक के तहत, कोचिंग संस्थानों को अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराना होगा। एक "राजस्थान कोचिंग इंस्टीट्यूट कंट्रोल्ड एंड रेगुलेशन अथॉरिटी" का गठन किया जाएगा, जो कोचिंग सेंटरों की गतिविधियों की निगरानी करेगी। इस बिल के तहत 50 से ज्यादा छात्रों वाले कोचिंग संस्थान कानूनी जांच के दायरे में आएंगे। प्रत्येक बैच में छात्रों की संख्या सीमित रहेगी, और इसे प्रॉस्पेक्टस और वेबसाइट पर प्रकाशित करना होगा। कोचिंग सेंटरों को अपनी फीस का विवरण सार्वजनिक करना होगा। नियमों का उल्लंघन करने पर कोचिंग सेंटरों पर जुर्माना लगाया जाएगा। कोचिंग सेंटरों को छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा और परामर्श सेवाएँ प्रदान करनी होंगी। केंद्र सरकार की गाइडलाइंस के विपरीत, इस विधेयक में 16 साल से कम उम्र के छात्रों के प्रवेश पर प्रतिबंध का प्रावधान हटा दिया गया है। यह विधेयक राजस्थान में कोचिंग संस्थानों की गतिविधियों को नियंत्रित करने और छात्रों के हितों की रक्षा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कोचिंग सेंटरों का औपचारिक शिक्षा पर मिश्रित प्रभाव पड़ता है, जिसमें अच्छे और बुरे दोनों पहलू शामिल हैं। कोचिंग सेंटर छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद करते हैं, जो औपचारिक शिक्षा प्रणाली में अक्सर पर्याप्त रूप से शामिल नहीं होती हैं। कोचिंग सेंटर छात्रों को परीक्षा के पैटर्न, पाठ्यक्रम और महत्वपूर्ण विषयों के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। कुछ छात्रों को कक्षाओं में समझ में नहीं आने वाली अवधारणाओं को समझने के लिए अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता होती है। कोचिंग सेंटर उन छात्रों को व्यक्तिगत ध्यान और अतिरिक्त शिक्षण प्रदान करते हैं। कोचिंग सेंटर छात्रों को परीक्षा में सफल होने के लिए आवश्यक आत्मविश्वास प्रदान करते हैं। यह आत्मविश्वास उनके शैक्षिणक प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

कुछ छात्र कोचिंग सेंटरों पर इतना अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं कि वे अपनी औपचारिक शिक्षा की अनदेखी करने लगते हैं। यह उनके समग्र शैक्षिणक प्रदर्शन को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। कोचिंग सेंटर महंगे हो सकते हैं, जिससे परिवारों पर आर्थिक बोझ पड़ता है। यह उन छात्रों के लिए शिक्षा तक पहुंच को सीमित कर सकता है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं। कोचिंग सेंटर छात्रों पर अत्यधिक दबाव डाल सकते हैं, जिससे मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

यह छात्रों के समग्र कल्याण को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। कुछ कोचिंग संस्थानों में शिक्षा की गुणवत्ता में कमी होती है, और कुछ में अप्रशिक्षित शिक्षक होते हैं। जिससे छात्रों को नुकसान होता है। कई कोचिंग संस्थानों में रटने पर ज्यादा जोर दिया जाता है, जिससे छात्रों में रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच कम हो जाती है।

मैं कोचिंग संस्थानों में शामिल होने वाले छात्रों के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन मेरी चिंता बहुत अधिक गंभीर और मौलिक है, यानी छात्र खुद को नियमित कॉलेजों / विश्वविद्यालयों में नामांकित करते हैं, लेकिन वे अपने संस्थानों में कक्षाओं में भाग लेने के बजाय डमी स्कूलों या निजी कोचिंग कक्षाओं में जाते हैं। क्या हम नियमित छात्रों को सिर्फ संस्थान में दाखिला लेने और कोचिंग कक्षाओं में शामिल होने के लिए मुफ्त/सब्सिडी वाली शिक्षा और छात्रवृत्ति दे रहे हैं?

अतः सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए की कोचिंग संस्थान में पंजीकरण करने से पहले यह सुनिश्चित करना चाहिए की विद्यार्थी किसी महाविद्यालय या विश्वविद्यालय में पंजीकृत है कि नहीं और क्या उसको किसी भी प्रकार की आर्थिक सुविधा मिल रही है! ऐसे छात्रों को जो की नियमित रूप से किसी महाविद्यालय या विश्वविद्यालय में पंजीकृत हैं और उनको आर्थिक सुविधा मिल रही है तब उस छात्र को, महाविद्यालय या विश्वविद्यालय के शैक्षिणक समय में प्रवेश नहीं मिलना चाहिए! ऐसे विद्यार्थी अपने महाविद्यालय / विश्वविद्यालय के शैक्षिणक समय के पहले या शैक्षिक समय के बाद ही कोचिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए अनुमति दी जानी चाहिए!

कोचिंग सेंटर औपचारिक शिक्षा के पूरक हो सकते हैं, लेकिन उन्हें प्रतिस्थापित नहीं करना चाहिए। छात्रों को अपनी औपचारिक शिक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए और कोचिंग सेंटरों का उपयोग केवल अतिरिक्त सहायता के रूप में करना चाहिए। सरकार कोचिंग संस्थानों की अनियंत्रित गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न कदम उठा रही है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

आईटीबीपी जवान के शव को नम आंखों से अंतिम विदाई दी

पांच वर्षीय पुत्र ने दी मुखाग्नि, शहीद बड़े भाई के स्मारक स्थल के पास हुआ जवान के शव का अंतिम संस्कार

श्रीमाधोपुर, (निसं)। क्षेत्र के लौहिया चुड़ला (सांवलपुरा तंवरान) अजीतगढ़ के रहने वाले आईटीबीपी के जवान रतनलाल गुर्जर का उत्तराखंड के जाजरदेवल, पिथौरागढ़ में कर्तव्य निर्वहन के दौरान निधन हो गया था। जवान 14 वीं बटालियन आईटीबीपी में तैनात थे और जवान का बर्फीली पहाड़ियों में पेट्रोलिंग के दौरान ऑक्सीजन लेवल कम होने के कारण निधन हो गया था। उनकी शहादत की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई थी। शहीद रतनलाल गुर्जर का पार्थिव शरीर देर रात अजीतगढ़ पुलिस थाना पहुंचा था, जहां से उन्हें उनके पैतृक गांव लौहिया चूडला (सांवलपुरा तंवरान) ले जाया गया। ग्रामीणों और जवानों ने उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए 30 किलोमीटर लंबी तिरंगा बाइक रैली निकाली। गांव में शहीद के सम्मान में सभी बाजार बंद रहे और लोगों ने नम आंखों से अपने वीर सपूत को अंतिम विदाई दी।

> ■ **जवान रतनलाल गुर्जर का बर्फीली पहाड़ियों में पेट्रोलिंग के दौरान ऑक्सीजन लेवल कम होने के कारण निधन हो गया था**

लौहिया चुड़ला (सांवलपुरा तंवरान) अजीतगढ़ में आईटीबीपी के जवान रतनलाल गुर्जर का सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

परिवार में छाया मातम :– शहीद रतनलाल गुर्जर चार भाइयों में सबसे छोटे थे। उनके बड़े भाई रामपाल गुर्जर भी भारतीय सेना में सेवा देते हुए तीन साल 11 महीने पहले जम्मू–कश्मीर में शहीद हो गए थे। दो अन्य भाई मोहन गुर्जर और रोशन गुर्जर अपने पिता बीरबल गुर्जर के साथ खेती का कार्य करते हैं। उनकी माता आंची देवी गृहिणी हैं। रतनलाल का विवाह बलेश देवी (कोटपूतली) से हुआ था और उनके तीन छोटे बच्चे–तनु (8 वर्ष), बेटा यश (5 वर्ष) और काजू (2 वर्ष) हैं। करीब एक माह पहले ही वह छुट्टी पूरी कर ड्यूटी पर लौटे थे। जाते समय उन्होंने परिवार से वादा किया था कि 3 मई 2025 को अपने बड़े शहीद भाई की पुण्यतिथि पर घर लौटेंगे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। उनकी शहादत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया।

राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई:–शहीद के अंतिम संस्कार के लिए सेना का वाहन फूलों से सजाया गया। पुलिस थाना अजीतगढ़ से गांव तक हजारों की संख्या में ग्रामीण और युवा तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। भारत माता की जय, वंदे मातरम और अमर शहीद रतनलाल अमर रहे के नारों से समूचा इलाका गूंज उठा। गांव में पहुंचने पर पार्थिव देह को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज बाटड़, विधानसभा प्रभारी तथा यूडीएच मंत्री पुत्र अजय सिंह खर्रा, प्रधान शंकर लाल यादव, युवा कांग्रेस नेता कुणाल सिंह शेखावत, डॉ.मंगल यादव, बलराम यादव, भाजपा नेता श्याम चौधरी, कमांडो कैलाश गुर्जर सहित कई जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। शहीद के बड़े भाई रामपाल गुर्जर के स्मारक स्थल के पास ही रतनलाल का अंतिम संस्कार किया गया।

पुत्र ने दी मुखाग्नि, सेना ने किया सम्मान :–पांच वर्षीय पुत्र यश ने पिता को मुखाग्नि दी। सेना के अधिकारियों ने शहीद के पिता बीरबल गुर्जर को तिरंगा सौंपा। गार्ड ऑफ ऑनर देकर सेना के जवानों ने अपने साथी को अंतिम विदाई दी। जनप्रतिनिधियों, सेना और पुलिस अधिकारियों ने पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। पूरे गांव में रतनलाल की शहादत को सलाम किया गया। हर कोई उनकी वीरता और बलिदान पर गर्व महसूस कर रहा था।

ग्रामीणों में पैंथर का भय

मसूदा, (निसं)। ग्राम नीमगढ़ में मांइस के पास पैंथर होने को लेकर ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ग्राम नीमगढ़ के पास स्थित एक खान के पास पिछले कुछ दिनों से पैंथर एवं तीन शावक सहित कुछ अन्य हिंसक जानवर होने से शुक्रवार को पूर्व सरपंच एस के मस्ताना के नेतृत्व में ग्रामीण मसूदा उपखंड अधिकारी कार्यालय पहुंचे एवं मसूदा उपखंड अधिकारी कुलदीप सिंह शेखावत को सौंप गए ज्ञापन में बताया कि गांव के पास स्थित माइंस में पिछले कुछ दिनों से दिन व रात्रि के समय लैपर्ड तीन जानवरों के समूह में माइंस एरिया में विचरण करते हुए दिखाई दिए। इस माइंस पर श्रमिकों के आने–जाने का सिलसिला लगा रहता है। जिससे यहां कार्यरत श्रमिकों एवं ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर खतरा बना हुआ है, जिसको लेकर ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी से वन विभाग को पाबंद कर पिंजरा लगाकर इन जंगली जानवरों को पकड़ने की मांग की है।

श्रद्धालुओं पर मधुमक्खियों ने हमला किया

निवाई, (निसं)। गांव गुंसी में स्थित पीर बाबा के स्थान पर पूजा के लिए आए श्रद्धालुओं पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। इस दौरान दो घायल श्रद्धालुओं को निवाई अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुजारी हेमराज तानिवाड ने बताया कि गुंसी में पीर बाबा के स्थान पर टोंक एवं स्थानीय कई श्रद्धालु पूजा करने आए थे। मंदिर के पास एक पुराना बरगद का पेड़ है जिसके नीचे श्रद्धालु बैठे थे। उसी पेड़ पर मधुमक्खियों का छत्ता लगा हुआ था। अचानक छत्ता श्रद्धालुओं पर आ गिरा और मधुमक्खियों ने श्रद्धालुओं पर हमला कर दिया, जिससे गोपीलाल बलाई, बजरंगलाल, कमला, सुशीला, प्रभाती, ममता, तेजराज सिंह एवं टोंक निवासी अशोक बलाई सहित करीब 15–20 श्रद्धालु घायल हो गए।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 5 अप्रैल, 2025

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, पुनर्वसु नक्षत्र रविवार प्रातः 5:32 तक, अतिगंड योग रात्रि 8:03 तक, विष्टि करण प्रातः 7:50 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 11:35 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मीन, चन्द्रमा–मिथुन, मंगल–कर्क, बुध–मीन, गुरू–वृष, शुक्र–मीन, शनि–मीन, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

भद्रा आज प्रातः 7:50 तक है। आज दुर्गाष्टमी, महाष्टमी, अशोकाष्टमी, अन्नपूर्णा पूजा है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:50 से 9:24 तक, चर 12:30 से 2:03 तक, लाभ–अमृत 2:03 से 5:09 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:17, सूर्यास्त 6:42

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मिथुन
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज कार्य योजनानुसार सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। घर–गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि होगी।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सार-समाचार

अनुप्रति कोचिंग के आवेदन 12 तक

जालोर, (कासं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत के निर्देश पर विभाग ने मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना में आवेदन की तिथि को बढ़ाकर 12 अप्रैल कर दिया है। निदेशक एवं विशिष्ट शासन सचिव बचनेश अग्रवाल ने बताया कि छात्रों की मांग पर आवेदन की तिथि को बढ़ाया गया है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षाओं एवं सरकारी नौकरियों के लिए आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अभ्यर्थी ऑनलाईन पोर्टल पर सूचीबद्ध कोचिंग संस्थानों में निःशुल्क कोचिंग के लिए आवेदन पत्र कर सकते हैं। अग्रवाल ने बताया कि प्रतियोगी परीक्षा जैसे आरपीएससी द्वारा आयोजित सब इंस्पेक्टर एवं पूर्व में 3600 ग्रेड पे तथा वर्तमान में पे मेट्रिक्स में पे लेवल-10 एवं ऊपर की अन्य परीक्षाएँ, इंजीनियरिंग/मेडिकल प्रवेश परीक्षा, रेलवे रिक्रूटमेन्ट बोर्ड (आर.आर.बी.) द्वारा आयोजित परीक्षाएँ, आरएसएसबी द्वारा आयोजित परीक्षा जैसे पटवारी, कनिष्ठ सहायक हेतु पूर्व की ग्रेड पे 2400 तथा वर्तमान पे लेवल 5 से ऊपर तथा पूर्व की ग्रेड पे 3600 एवं पे लेवल 10 से कम की अन्य परीक्षाएँ, क्लैट परीक्षा, बैंकिंग/बीमा की विभिन्न परीक्षाएँ, सीए एफसी सीयूइटी, सीएस इइटीसीयूइटी, सीएमए एफसीसीयूइटी परीक्षाओं की तैयारी उत्कृष्ट ढंग से कराने एवं समान अवसर प्रदान करने के लिए विभाग द्वारा यह अनूठी योजना संचालित की जा रही है। निदेशक ने बताया कि आवेदक विभागीय वेबसाइ के अनुसार पात्र अभ्यर्थी कोचिंग किये जाने के लिए अपने आवेदन एसएसओ पोर्टल द्वारा विभागीय 'सीएम अनुप्रति कोचिंग आईकन' पर क्लिक कर 12 अप्रैल तक ऑनलाइन कर सकते हैं।

खाद्य सुरक्षा सूची के लिए निर्देश

जालोर, (कासं)। अब जिला कलेक्टर के स्तर से भी खाद्य सुरक्षा सूची में नाम शामिल करने और हटवाने का कार्य सम्पन्न किया जा सकेगा। राज्य सरकार द्वारा इस संबंध में अधिसूचना जारी कर नियमों में प्रावधान किए गए हैं। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने बताया कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी के मार्गदर्शन में सभी पात्र लोगों को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित करने की दिशा में कार्य कर कर रही हैं। इसी क्रम में ज़िला कलेक्टर को भी एनएफएसए में नए लाभार्थियों को जोड़ने और अपात्रों को हटाने के लिए अधिकृत किया गया है। गोदारा ने कहा कि कई बार रात्रि चौपाल में और जनसुनवाई के दौरान जिला कलेक्टर के समक्ष ऐसे वंचित आवेदक आते हैं। जिन्हें प्रथम.ष्टया खाद्य सुरक्षा के पात्र प्रतीत होने के बावजूद जिला कलेक्टर अपने स्तर से एनएफएसए से जोड़कर लाभान्वित नहीं कर पाते। इसी को ध्यान में रखते हुए जिला कलेक्टर को भी अपने स्तर पर खाद्य सुरक्षा सूची में नाम जोड़ने के लिए अधिकृत करने का निर्णय लिया गया है। इससे जिला कैक्टर भी स्वप्रेरणा से या आवेदन प्राप्त होने पर समावेशन और निष्कासन मानदण्डों के आधार पर खाद्य सुरक्षा सूची में नाम जोड़ने या हटाने के लिए समुचित आदेश पारित कर सकेंगे। गोदारा ने कहा कि ज़िला कलेक्टर को भी एनएफएसए में नाम जोड़ने और हटाने के लिए अधिकृत करने से पूरी प्रक्रिया और अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी हो सकेगी। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से पात्रों के खाद्य सुरक्षा से वंचित होने की संभावना नगण्य हो जाएगी।

राजस्थान की कंचन ने रजत पदक जीता

जालोर, (कासं)। राजस्थान की बेटी कंचन ने पैरा सीनियर टेबल टेनिस नेशनल चैंपियनशिप 2024- 25 में सोनल को सेमीफाइनल में 3-2 से हराकर रजत पदक प्राप्त किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्थान टेबल टेनिस संघ की संयुक्त सचिव नाथू सोलंकी ने बताया कि चैंपियनशिप में कंचन बन व प्रियंका की जोडी ने खुशी भादाणी व निशा की जोडी को 3-2 से हराकर कांस्य पदक प्राप्त किया। कंचन बन ने खेलो इंडिया पेरा गेम्स 2025 में प्रियंका शर्मा को सेमी फाइनल में 3-0 से हरा कर फाइनल में प्रवेश कर सिल्वर मेडल प्राप्त किया। सोलंकी ने बताया कि बीकानेर की बेटी कंचन ने राष्टीय स्तर पर राजस्थान का नाम रोशन किया। उन्होंने बताया कि कंचन बन ने तीन रजत एवं एक कांस्य पदक जीत कर इतिहास बनाया। राष्टीय स्तर पर राजस्थान कि खिलाडी कंचन बन को पदक मिलने पर राजस्थान टेबल टेनिस संघ अध्यक्ष मुकुल गुप्ता, सचिव संजय गहलोत ,अजय ओझा, डॉ राजेंद्र गुप्ता, कन्हैयालाल कल्ला, भवानी सिंह चिरंजीलाल दवे, लालसिंह सांखला,भागीरथ गर्ग,मुनिराज सिंह, कल्पेश बोहरा, मंगल सिंह बालोत, चंदन सिंह मालपुरा विकास जावा, ओमप्रकाश परमार, हितेश सोलंकी सहित टेबल टेनिस खिलाडियों ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी।

खाटू श्याम के नाम भजन गाए

पाली, (नि.सं.)। पाली शहर के अठासेन भवन में अठावाल समाज बंधुओ की ओर से एक शाम खाटू श्याम जी के नाम भजन संध्या का आयोजन किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस अवसर पर भगवान खाटू श्याम की भव्य फूलों से सजी भव य सजाई गई। रात्रि 8:00 बजे शुरू हुई भजन संध्या में प्रिया और प्राची ठाकुर ने खाटू श्याम जी के भजनों की सरिता बहाई। कीर्तन की है रात प्रभु आज थाने आना है, खाटू नगरी तेरा धाम सबसे निराला, सबसे प्यारा मेरा श्याम सहित भजनों की प्रस्तुति दी। पाली के पहल अग्रवाल, साक्षी अग्रवाल ने भी भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के सहयोग में पवन डाणी, गोवर्धन बंसल, दिनेश अग्रवाल सहित श्याम भक्त मौजूद रहे।

रॉयल्टी ठेकेदार के खिलाफ ज्ञापन दिया

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर ठेकेदार मेसेनरी स्टोन एंड क्रेशर ओनर एसोसिएशन ने शुक्रवार को जिला कलेक्टर को राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन सौंपा। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस ज्ञापन में जैसलमेर ठेकेदार मेसेनरी स्टोन एंड क्रेशर ओनर एसोसिएशन ने ठेकेदार मेसर्स दुर्गा टिम्बर एवं ग्रेनाइट और उसके सहयोगी शैतानसिंह पुत्र सज्जनसिंह पर नियमों के विपरीत अवैध वसूली, गुंडागर्दी, मारपीट और झूठे मुकदमों में फंसाने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। ठेकेदार एसोसिएशन जैसलमेर ने रॉयल्टी ठेकेदार का ठेका तत्काल निरस्त करने और सदस्यों को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है। साथ ही पकड़े गए 26 बदमाशों की आपराधिक पृष्ठभूमि की भी जांच करने की मांग की गई।

लू व तापघात से बचाव के लिए एहतियात बरते : एल.एन. मंत्री

पाली, (नि.सं.)। गर्मी ऋतु में बढ़ते हुए तापमान, ताप की लहर, हीटवेव से आमजन से बचाव के लिए आपदा प्रबन्धन सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग राजस्थान, जयपुर द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है।

पाली जिला कलैक्टर एलएन मंत्री ने बताया कि हीटवेव के बचाव के लिये आमजन एडवाईजरी की पालना करते हुए लू-तापघात से बचाव के लिए समुचित उपाय करें। आपदा प्रबन्धन द्वारा जारी एडवाईजरी के अनुसार लू-तापघात एवं हीटवेव बचाव के लिए आमजन को पर्याप्त पानी पीने के साथ ही नींबू पानी, छाछ आदि के सेवन की सलाह दी गई है, वही हल्के रंग के ढ़ीले सूती कपड़े पहनने, सिर को कपड़े व टोपी से ढ़कने, आंखों की सुरक्षा के लिए धूप चश्मे का प्रयोग करने की भी सलाह दी गई है।

इसी प्रकार नियोक्ता एवं श्रमिक के लिये एडवाइजरी जारी की गई हैं कि कार्य स्थल पर ठण्डे पेयजल का प्रबंध रखें, श्रमिकों को लिये छाया-पानी एवं ओआरएस घोल पैकेट्स का प्रबंध रखने, श्रम साध्य कार्यों को दिन के कम ताप वाले समय में करने इत्यादि की सलाह दी गई है। जिला कलैक्टर मंत्री ने एडवाईजरी की जानकारी देते हुए आमजन से यह भी आ ान किया कि वे बन्द वाहन में बच्चों व फालतू जानवरों को कभी अकेला नहीं छोड़ने, अन्य सावधानियों के तहत पंखे व नम कपड़ों का प्रयोग करने, ठण्डे पानी से स्नान करने, छायादार पेड़ों के नीचे बैठने की सलाह दी गई है।

इसके साथ ही पशुधन को हीटवेव से बचाने के लिये पशुओं को छाया में रखने, समय-समय पर ठण्डा पानी पिलाने, अत्यधिक गर्मी के दौरान पानी का छिड़काव पशु आश्रय स्थल पर करने के साथ ही पशुओं को हरी घास, प्रोटीन वसा खाद्य पदार्थ खिलाने एवं खनिज मिश्रण व नमक देने की सलाह दी गई है।

इसके साथ ही हीटवेव से बचाव के लिए क्या नहीं करें इसके बारे में सलाह दी कि धूप में बाहर जाने से बचें, नंगे पाव बाहर नहीं जायें, दिन में सबसे गर्म समय के दौरान खाना पकाने से बचने, शराब, चाय-कॉफी एवं कार्बोनेटेड शीतल पेय के सेवन से बचने, अधिक प्रोटीन वाले भोजन से बचने की भी सलाह दी गई है। इसके साथ ही लू से प्रभावित व्यक्ति को उपचार के लिए सिर पर गिले कपड़े का उपयोग करने, ओआरएस/नींबू, शरबत या जो कुछ भी शरीर को पुनः सक्रिय करने के लिए उपयोगी हो पेय पदार्थ लेने, नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर उपचार लेने लेने की भी सलाह दी गई है। यह है लू एवं तापघात के लक्षण शरीर में लवण व पानी अपर्याप्त होने पर विषम गर्म वातावरण में लू व तापघात से सिर का भारीपन व अत्यधिक सिरदर्द होने लगता है।

इसके अलावा अधिक प्यास लगना, शरीर में भारीपन के साथ थकावट, जी मिचलाना, सिर चकराना व शरीर का तापमान बढ़ना, पसीना आना बंद होना, मुंह का लाल हो जाना, त्वचा का रूखा होना, अत्यधिक प्यास का लगना व बेहोशी जैसी स्थिति का होना आदि लक्षण आने लगते हैं। चिकित्सकीय दृष्टि से लू-तापघात के लक्षण, लवण व पानी की आवश्यकता व अनुपात विकृति के कारण होती है। ऐसे में रोगी को तुरंत छायादार जगह पर कपड़े ढीले कर लेटा दिया जावे। रोगी को होश मे आने की दशा मे उसे ठण्डा पेय पदार्थ पिलाएं।

उक्त सावधानी के बाद भी मरीज ठीक नहीं होता है, तो उसे तत्काल निकट की चिकित्सा संस्थान ले जाया जाए।

जिला प्रशासन ने आमजन से भीषण गर्मी के चलते एहतियात बरतने की अपील की है। जिला कलैक्टर ने कहा कि जहां तक संभव हो धूप में न निकलें, धूप में शरीर पूरी तरह से ढका हो। आमजन जब भी बाहर निकलें, छाता व पानी आदि की व्यवस्था अनुरूप घर से निकलें।

धूप में बाहर जाते समय हमेशा सफेद या हल्के रंग के ढीले व सूती कपड़ों का उपयोग करें। बहुत अधिक भीड़ व गर्म घुटन भरे कमरों से बचें। बिना भोजन किए बाहर न निकलें। गर्दन के पिछले भाग कान एवं सिर को गमछे या तौलिये से ढक कर ही जरूरी होने पर बाहर निकलें।

रंगीन चश्मे एवं छतरी का प्रयोग करें। गर्मी में हमेशा पानी अधिक मात्रा में पिएं एवं पेय पदार्थों जैसे नींबू पानी, नारियल पानी, जूस आदि का प्रयोग करें।

जेडीए का अप्रैल-जून का ई-नीलामी कार्यक्रम जारी

जोधपुर, (का.सं.)। आयुक्त जोधपुर विकास प्राधिकरण उत्साह चौधरी के कुशल नेतृत्व एवं निर्देशन में प्राधिकरण द्वारा जोधपुर शहर के चहूमुखी विकास को लेकर विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाएं, विकास कार्य एवं सौन्दर्यकरण कार्य करवाये जा रहे है।

आयुक्त उत्साह चौधरी द्वारा प्राधिकरण की आय के स्त्रोत बढ़ाने के क्रम में प्राधिकरण द्वारा ई-नीलामी कार्यक्रम अप्रैल-जून 2025 के अन्तर्गत महत्वकांक्षी योजनाओं के आवासीय, व्यावसायिक भूखण्डों एवं रहवासीय फ्लैट्स की भव्य ई-नीलामी 30 अप्रैल 2025 से आयोजित की जा रही है।

निदेशक वित्त मंजीत चारण ने बताया कि 30 अप्रैल 2025 से 11 जून 2025 तक निरन्तर जारी भव्य ई-नीलामी कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राधिकरण की महत्वकांक्षी विवेक विहार आवासीय योजना के 55 आवासीय भूखण्डों एवं 2 व्यवसायिक भूखण्डों को नीलामी के जरिये विक्रय किया जाएगा। निदेशक वित्त ने बताया कि विवेक विहार आवासीय योजना के 41.82 से 585.5 वर्गमीटर तक के विभिन्न आवासीय भूखण्डों हेतु ई-नीलामी में नियमानुसार 18000 से 25000/- रूपये प्रति वर्गमीटर की न्यूनतम विक्रय दर निर्धारित की गई है। विवेक विहार योजना के 377.79 एवं 376.39 वर्गमीटर के 02 व्यवसायिक भूखण्डों हेतु 40000/- रूपये प्रति वर्गमीटर की न्यूनतम विक्रय दर निर्धारित की गई है।

ग्राम आंगणवा में फ्लैट्स लेने का अवसर

प्रभारी अधिकारी नीलामी शाखा संदीप सान्दू ने बताया कि प्राधिकरण द्वारा अप्रैल-जून 2025 ई-नीलामी कार्यक्रम अनुसार ग्राम आंगणवा स्थित मेगा आवास योजना के फ्लैट्स हेतु भी भव्य ई-नीलामी की जाएगी। ई-नीलामी में मेगा आवास योजना के स्थित 30.20 वर्गमीटर के कुल 19 फ्लैट्स हेतु 25000/- रूपये प्रति वर्गमीटर की न्यूनतम विक्रय दर निर्धारित की गई है। इसी प्रकार प्राधिकरण द्वारा ग्राम चौखा वॉम्बे आवास योजना के 41.80 वर्गमीटर के कुल 06 भूखण्डों को भी ई-नीलामी द्वारा विक्रय किया जाएगा, जिनके लिए 35000/- एवं 40000/- रूपये प्रति वर्गमीटर की न्यूनतम विक्रय दर निर्धारित की गई है।

प्रभारी अधिकारी सान्दू ने बताया कि आवेदकों द्वारा ई-नीलामी कार्यक्रम माह फरवरी-अप्रैल 2025 अनुसार विभिन्न योजनाओं के भूखण्डों को क्रय करने हेतु नियमानुसार धरोहर राशि जमा करवाने के साथ-साथ ऑनलाईन बिड लगाते हुए ई-नीलामी में भाग लिया जा सकता है। ऑनलाईन बिड लगाने की अन्तिम तिथि योजनावार विभिन्न भूखण्डों हेतु अलग-अलग निर्धारित की गई है। ई-नीलामी से संबंधित जानकारी, नियम एवं शर्तें प्राधिकरण की वेबसाईट पर देखी जा सकती हैं।

स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी महाराज का स्वागत किया

जालोर में सनातन धर्म संस्कार कथा एवं भारत माता आराधना का आयोजन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं) I चैत्रीय नवरात्र के अवसर पर जालोर नगर में ऋषि ज्ञानआत्मानंद महाराज, भारत माता संस्कार सेवा ट्रस्ट के सानिध्य में सनातन धर्म संस्कार कथा एवं भारत माता आराधना में 4 अप्रैल का महामण्डलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी महाराज का सर्व समाज द्वारा बहुमान, स्वागत किया गया।

सभी समाजों के प्रतिनिधियों ने स्वामी का फूल माला व साफा पहनाकर बहुमान व अभिनंदन किया। इस बहुमान आयोजन में समाज के गणमान्य समाज-बंधु उपस्थित रहे। स्वामी जी ने ऋषि ज्ञानात्मानंद के भारत माता ट्रस्ट द्वारा की जा रही कथा की प्रशंसा करते हुए कहा कि वैदिक धर्म एवं भारतीय संस्कृति समाज को संस्कार से शिक्षित करने का प्रेरणादायक प्रयास कर रहें है। जलंधरनाथ और जाबालि ऋषि की तपोभूमि पर सर्व समाज का यह कार्यक्रम सामाजिक समरसता का संदेश दे रहा है। महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वररानंद ने कहा कि हमारे भगवान, शास्त्र सामाजिक समरसता की प्रेरणा देते है। उन्होंने परिवार में संस्कारों की स्थापना पर बल देते हुए कहा भारत का भविष्य के आधार परिवार और संस्कारों पर ही निश्चित होगा। इस अवसर पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए ऋषि ज्ञान आत्मानंद मायड भाषा मे कथा करते हुए गुरु महिमा और गृहस्थ धर्म के कर्तव्यों की विस्तार से व्याख्या की।

उन्होंने कहा कि संसार के सारे संसाधन ईश्वर की संपदा है और हम सभी उसके ट्रस्टी हैं। अतः ईश्वरी संपदा का प्रयोग सोच समझकर करना चाहिए केवल भोग विलास के लिए नहीं।

इस अवसर पर देवीलाल माली , गिरीश माथुर, दिनेश माली, बाबूलाल सुंदेशा,अजय गुप्ता,मदन सोलंकी, संदीप जोशी, अशोक शर्मा, राजेन्द्र भूतडा, सुरेश सोलंकी,दिनेश महावर, उमाकांत गुप्ता, देवीलाल सुंदेशा, बलवीर शर्मा, मोहनलाल, बालकृष्ण, सरदारसिंह,सुषमा गोयल, प्रेमराज, गोपाल जोशी, अशोक गुर्जर, कपूराराम परिहार , उमाकांत गुप्ता, नारायण लाल सहित काफी संख्या में भक्त जन उपस्थित रहे।

स्नेह मिलन हुआ

रानीवाड़ा, (नि.सं.)। बाबा रामदेव मंदिर प्रागंण कूड़ा में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रानीवाड़ा एवं जसवंतपुरा के तत्वावधान व रानीवाड़ा विधायक रतन देवासी के मुख्य आतिथ्य में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का स्नेह मिलन समारोह आयोजित हुआ।

समारोह में कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ा। विधायक देवासी ने बाबा रामदेव जी मंदिर में पूजा अर्चना व दर्शन कर क्षेत्र में सुख समृद्धि व खुशहाली की कामनाएं की। देवासी ने कहा कि मैंने विधानसभा पटल पर क्षेत्र के विकास से संबंधित मुद्दे सड़क, पानी, बिजली सहित विभिन्न मुद्दों को मजबूती से रखा है, जनता के हित के मुद्दों को आगे भी मजबूत से रखूंगा।

सरनाऊ पंचायत समिति के वरिष्ठ महानुभाव मांगीलाल मेघवाल सरनाऊ, जोइता राम मेघवाल काटोल, ताराराम भील लुनियासर, कालूराम भील दुगावा, महादेवाराम मेघवाल दुगावा, भारमलराम मांजू डिगांव, भीखाराम सारण राजीव नगर, आईदानराम विश्नोई लाछिवाड़, वरिंगाराम विश्नोई सरनाऊ, रामकिन सारण दाता, हेमाराम जांगू सेवाड़ा आदि मौजूद रहे।

ब्रजपुरा के आदर्श मंदिर में वार्षिक उत्सव संपन्न

रामदेवरा, (निसं)। आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक रामदेवरा की ओर से संचालित बाबा रामदेव सरस्वती संस्कार केंद्र ब्रजपुरा का वार्षिक उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भोमसिंह तंवर कोषाध्यक्ष विद्या मंदिर समिति, मुख्यवक्ता विद्या भारती जोधपुर प्रांत के संस्कार केन्द्र प्रमुख ओम प्रकाश धामु , जैसलमेर संस्कार केंद्र जिला प्रमुख घेवर सिंह भाटी ,विशिष्ट अतिथि संस्कार केंद्र समिति अध्यक्ष रघुनाथ राम , संरक्षक प्रकाश बेलदार , कानसिंह तंवर , भोमसिंह प्रधानाचार्य आदर्श विद्यामंदिर माध्यमिक रामदेवरा , संस्कार केंद्र प्रभारी माधव प्रकाश व बस्ती की माताएं, बहने अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर दीप मंत्र व सरस्वती वंदना प्रार्थना से किया। ओम प्रकाश धामु ने संस्कार केंद्र के भैया बहनों का मार्गदर्शन किया। भैया बहनों द्वारा नृत्य एवं गीत, कविता, योग व शारीरिक के कार्यक्रम किए गए। केन्द्र संचालक ने संस्कार केंद्र का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। भोमसिंह तंवर ने सभी भैया बहिनों व अभिभावकों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी भैया बहनों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन भूपेंद्र सिंह तंवर द्वारा किया गया।

अजीज ने दिल्ली बैठक में भाग लिया

पाली, (नि.सं.)। कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्षों के दूसरे चरण की गुरुवार को नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित बैठक में पाली जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अज़ीज़ दर्द ने भाग लिया।

जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा महासचिव केसी वेणुगोपाल सहित कई प्रमुख नेता शामिल हुए।

अध्यक्ष अज़ीज़ दर्द ने बताया कि आज दूसरे चरण की बैठक हुई। आज की बैठक में सात राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, राजस्थान, पंजाब और चंडीगढ़ के जिला अध्यक्षों ने हिस्सा लियापाली जिला अध्यक्ष अज़ीज़ दर्द ने बताया कि इस बैठक में छह प्रस्तुतियां हुई जिसमें मीडिया विभाग के साथ ही जिला स्तर पर पार्टी की संपत्तियों के रखरखाव से संबंधित जानकारी दी गई। संगठन, मीडिया और सोशल मीडिया पर भी इस दौरान प्रस्तुतियां दी गई। बैठक में हर राज्यों के एक या दो प्रतिनिधियों को अपनी बात कहने का अवसर दिया गया। ऐसा आयोजन पहली बार हुआ है।

जिलाध्यक्ष अज़ीज़ दर्द ने कहा कि कांग्रेस को जिला स्तर पर प्रभावी बनाया जा रहा है और देश के हर जिले में संगठन को कैसे मजबूत करना है, इस बारे में बातचीत इस बैठक में हुई। कांग्रेस जिला इकाइयों को महत्वपूर्ण बना रही है और उनकी ताकत बढ़ा रही है।

नागाणा में पाटोत्सव हुआ व राव धूहड़ जयंती मनाई

जोधपुर,(का.सं.)। मां नागणेचिया माता मंदिर नागाणा में शुक्रवार को पाटोत्सव व राव धूहड़ जयंती का आयोजन किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मां नागणेचिया माता मंदिर प्रबंधन समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष राजेंद्र सिंह थोब ने बताया कि शुक्रवार को प्रातः 7:00 बजे मंदिर में प्रथम आरती के बाद मनोकामना पहाड़ की परिक्रमा हुई ।

उन्होंने बताया कि प्रातः 10:30 बजे राव धूहड़ जयंती का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृष्ण धाम गुड़ा मांगलिया के महंत महेन्द्र नन्द गिरी महाराज थे। मुख्य अतिथि ने प्रारंभ में राव धूहड़ जी व गुरु पीथड़ जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि का सोल माला को माँ नागणेचिया की तस्वीर भेंट कर सम्मान किया।

राजपूत विश्राम गृह के दो भामाशाहों का सम्मान किया

मां नागणेचा मंदिर परिसर में बनने जा रहे राजपूत विश्रामगृह के लिए शुक्रवार को दो भामाशाह राम सिंह करनोत व आनंद सिंह भगतपुरा ने दो कमरे बनवाने के सहयोग की घोषणा की। एक कमरे की लागत 6 लाख रुपये तय कर रखी है। इन दोनों का माला , साफा व मां नागणेचिया माता जी की तस्वीर भेंट कर सम्मान किया गया। राजपूत विश्राम गृह के निर्माण के लिए अब तक अनेक भामाशाहों ने किया है व लगातार सहयोग किया जा रहा है। पूर्व महाराजा गज सिंह द्वारा इसके शिलान्यास के बाद भामाशाह द्वारा सहयोग से कार्य में गति आई है। इस अवसर पर धन सिंह राजादंड , डॉ ईश्वर सिंह भंवरानी , वरिष्ठ प्रबंधक रणवीर सिंह राठौड़ , डॉक्टर मनोहर सिंह राठौड़ , प्रबंधक फतेह सिंह, देवी सिंह भाटी, कैलाश सोमपुरा, प्रेम सिंह पादरू, जबर सिंह काकू, नाथू सिंह भाटी, गिरवर सिंह जालसू सहित कई जने उपस्थित थे ।

पंडित शिवप्रसाद बालोतरा ने पूजा अर्चना करवाई। उन्होंने बताया कि पूजा के बाद मां नागणेचिया माता जी का पाटोत्सव मनाया गया व ट्रस्ट की आम सभा आयोजित हुई और प्रगति विवरण प्रस्तुत किया गया।

उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह की प्रसादी का आयोजन जागसा के लाभार्थी राम सिंह , भगवान सिंह , खुमान सिंह, सवाई सिंह, नरपत सिंह व अखे सिंह की ओर से किया गया व शाम की प्रसादी का आयोजन पोपटलाल , करनाराम सुथार शेरपुरा डीसा की ओर से हुआ। इन लाभार्थियों का भी बहुमान किया गया।

भाजपा ने स्थापना सप्ताह मनाने के लिए संयोजकों की नियुक्ति की

जालोर/रानीवाड़ा, (नि.सं.)। जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित ने संयोजकों की नियुक्ति कीभारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार जालोर जिले में मंडल और बूथ स्तर पर भाजपा स्थापना सप्ताह को मनाने के लिए जिला संयोजक, सह जिला संयोजक, मंडल संयोजक और सह मंडल संयोजक की नियुक्ति की गई है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य भाजपा के इतिहास और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना है।

भाजपा के जालोर जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित ने जिले में कार्यक्रम की तैयारी के तहत वरिष्ठ नेता खेमराज देसाई को जिला संयोजक, गणपतसिंह बगेडिया और डॉ. रमेश कुमार राणा को सह जिला संयोजक के रूप में मनोनीत किया।

विधानसभा क्षेत्र रानीवाड़ाः रानीवाड़ा मंडल संयोजक के रूप में रिड़मलसिंह डाभी और सह संयोजक गोविंद रावल को नियुक्त किया गया। जसवंतपुरा मंडल संयोजक दौलत सिंह कलापुरा और सह संयोजक महेंद्र सिंह राव, सांकड़ मंडल संयोजक अमृतलाल चौधरी और सह संयोजक भंवरदान चारण, करड़ा मंडल संयोजक हेमाराम जांगू और सह संयोजक गोपालसिंह करड़ा, बड़गांव मंडल संयोजक प्रकाश कुमार सेन और सह संयोजक गणपणलाल थावरेसा को जिम्मेदारी सौंपी गई।

विधानसभा क्षेत्र भीनमालः भीनमाल नगर संयोजक भरत सिंह भोजाणी और सह संयोजक प्रवीण कुमार दवे को नियुक्त किया गया। भीनमाल ग्रामीण मंडल संयोजक पांचाराम प्रजापत और सह संयोजक मंगलाराम पुरोहित, बागोड़ा मंडल संयोजक देवीसिंह और सह संयोजक हीराराम चौधरी, जुंजाणी मंडल संयोजक रमेश कुमार सोनी और सह संयोजक इंद्र सिंह राणावत, नरसाणा मंडल संयोजक रमेश कुमार विश्नोई और सह संयोजक हेमसिंह राठौड़, रामसीन मंडल संयोजक रमेश कुमार रावल और सह संयोजक मदनसिंह राव को जिम्मेदारी दी गई।

विधानसभा क्षेत्र आहोरः आहोर मंडल संयोजक किशोर सिंह अजीतपुरा और सह संयोजक कानाराम दमामी को नियुक्त किया गया। बागरा मंडल संयोजक जोगसिंह आड़वाड़ा और सह संयोजक बगसिंह बागरा, भाद्राजून मंडल संयोजक दिनेश सिंह राठौड़ और सह संयोजक कैलाश शर्मा, चांदराई मंडल संयोजक भंवरपुरी गौस्वामी और सह संयोजक पुखराज ओड़, गोदन मंडल संयोजक प्रकाश गर्ग और सह संयोजक भवानी सिंह मिठडी, गुड़ा बालोतान संयोजक जयंतिलाल कुमावत और सह संयोजक दीपक मेघवाल को जिम्मेदारी दी गई।

विधानसभा क्षेत्र जालोरः जालोर नगर मंडल संयोजक एडवोकेट सुरेश सोलंकी और सह संयोजक रतन सुथार को नियुक्त किया गया।

जालोर ग्रामीण मंडल संयोजक स्वरूप सिंह रेवत और सह संयोजक हितेश हीरागर, उम्मेदाबाद मंडल संयोजक गणपतसिंह राव और सह संयोजक नैन सिंह राजपुरोहित, सायला मंडल संयोजक रगाराम देवासी और सह संयोजक विजय आचार्य, जीवाणा मंडल संयोजक केवदाराम चौधरी और सह संयोजक मोहित राजपुरोहित, पोपाणा मंडल संयोजक उदयसिंह दादाल और सह संयोजक हाजाराम देवासी को जिम्मेदारी सौंपी गई।

विधानसभा क्षेत्र सांचोरः सांचोर नगर मंडल संयोजक मांगीलाल दर्जी और सह संयोजक सायब खां को नियुक्त किया गया। सांचोर ग्रामीण मंडल संयोजक गंगदाराम चौधरी और सह संयोजक राजेंद्र सिंह सुथाना, अरणाय मंडल संयोजक बाबू सिंह और सह संयोजक रावतमल खत्री, झाब मंडल संयोजक नरींगाराम चौधरी और सह संयोजक नगाराम पुरोहित, चितलवाना मंडल संयोजक अमरसिंह सिवाड़ा और सह संयोजक दुर्गाराम बेनीवाल, केसुरी मंडल संयोजक मदनसिंह और सह संयोजक जोगाराम पुरोहित, टांपी डूंगरी मंडल संयोजक चौखाराम सोनी और सह संयोजक भगवानाराम सियाक, सत्यपुर मंडल संयोजक गजेंद्र सिंह कारोला और सह संयोजक हरीश गर्ग को जिम्मेदारी दी गई। भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित ने बताया कि भाजपा स्थापना सप्ताह 6 अप्रैल से 12 अप्रैल तक मनाया जाएगा। इस दौरान मंडल और बूथ मुख्यालयों पर भाजपा कार्यकर्ता अपने निवास स्थान पर पार्टी का झंडा लगाएंगे और भाजपा के इतिहास और उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाएंगे। उन्होंने संयोजकों और सह संयोजकों को बधाई देते हुए संगठन के निर्देशानुसार कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने की अपील की।

धोरीमन्ना में ए.डी.जे. न्यायालय भवन के तैयारी

धोरीमना, (नि.सं.)। उपखंड मुख्यालय पर नवसृजित एडीजे न्यायालय के अस्थाई भवन के लिए भवन के चयन के लिए बाडमेर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा भवन का निरीक्षण कर भवन चयन की प्रक्रिया शुरू की गई।

स्थानीय बार एसोसिएशनके अध्यक्ष एडवोकेट ओम प्रकाश बिश्नोई ने बताया कि इस बार बजट 2025 में स्वीकृत अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश के न्यायालय भवन के लिए अस्थाई रूप से सार्वजनिक भवन के चयन के लिए उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट बाडमेर द्वारा अलग-अलग स्थान पर भवन का निरीक्षण कर जनता की हितों को ध्यान में रखते हुए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है तथा शीघ्र ही धोरीमना उपखंड मुख्यालय पर नई सौगात के रूप में एडीजे न्यायालय शुरू होगा।

इस दौरान उपखंड मजिस्ट्रेट धोरीमना तहसीलदार धोरीमना विकास अधिकारी धोरीमना समस्त अधिवक्ता गण ग्राम पंचायत धोरीमना के पूर्व सरपंच मनोहर लाल बिश्नोई वह अन्य जनप्रतिनिधि व भामाशाह भी इस दौरान उपस्थित रहे।

सीरवी समाज के दिनेश अध्यक्ष, प्रवीण सचिव बने

सीरवी समाज महात्मा गांधी कॉलोनी ने आईमाता मन्दिर में सम्मान समारोह आयोजित किया। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। सीरवी नवयुवक सेवा समिति पाली के वर्तमान अध्यक्ष दिनेश परिहार को सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित किया गया और सचिव प्रवीण परिहार, कोषाध्यक्ष गोपाल काग को निर्वाचित किया गया

आज सीरवी समाज महात्मा गांधी कॉलोनी की ओर से श्री आईमाता जी का मन्दिर के प्रांगण में अध्यक्ष दिनेश परिहार व कोषाध्यक्ष गोपाल काग का साफा व पुष्प हार पहनाकर सम्मान किया गया। आज के सम्मान समारोह में सीरवी समाज परगना समिति के उपाध्यक्ष पुनाराम राठौड़, घीसुलाल सोयल, कानाराम हाम्बर, वोहरा राम गेहलोत, सेषाराम वरफा, स्वरूप राम भायल, ओगडराम सोलंकी, जोधाराम, दोलाराम आदि ने भाग लिया।

चलती बस में भीषण आग लगी, 20 यात्री बाल-बाल बचे

प्रथम दृष्टया बस में शॉर्ट सर्किट से आग लगना बताया जा रहा है

कोटा, (निसं)। नयापुरा इलाके में अदालत चौराहे से कुछ दूरी पर शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक सिटी बस में अचानक से धुंआ उठा और आग लग गई और आग ने देखते ही देखते थोड़ी देर में विकराल रूप ले लिया। बस में आग की सूचना पाकर अग्निश्मन विभाग की चार दमकलें मौके पर पहुंची, लेकिन जब तक आग पर काबू पाया गया जब तक बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। गनीमत रही कि बस में आग लगने से पहले मौजूद 20 यात्री, बस चालक एवं परिचालक बस के अंदर से समय पर उतर गये, अन्यथा कोई बड़ी जनहानि हो सकती थी।

- **चार दमकलों की मदद से आग पर काबू पाया, बस पूरी तरह जल गई**
- **चालक ने बस में आग लगने की सूचना डिपो को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों तरफ यातायात को बंद कराया**

कोटा में नयापुरा इलाके में सिटी बस में अचानक से आग लग गई।

जानकारी के अनुसार सिटी बस स्टेशन से नयागांव जाने के लिये रवाना हुई थी और अदालत चौराहे से आगे कुछ दूरी पर बस चालक को अचानक से बस में आग की बदबू आने लगी, जिस पर चालक ने अपनी सर्तकता दिखाते हुए बस को रोका और बस में बैठी सवारियों को तुरंत तत्परता से बस से उतारा। थोड़ी देर में ही देखते ही देखते आग की ऊंची-ऊंची लपटें दिखाई देने लगी। लोगों ने सिटी बस में आग लगने की सूचना अग्निश्मन विभाग व पुलिस को दी। वहीं चालक ने बस में आग लगने की सूचना डिपो को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों तरफ यातायात को बंद कराया ताकि आग की चपेट में अन्य कोई वाहन नहीं आये। मौके पर काफी लोगों की भीड़ एकत्र हो गई।

अग्निश्मन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि सिटी बस में आग लगने की सूचना मिली। बस में आग की सूचना पर दमकलों को मौके के लिये रवाना किया और करीब 20 मिनिट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया से शॉर्ट सर्किट से आग लगी है और बस में सीटों ने आग पकड़ते ही थोड़ी ही देर में विकराल रूप ले लिया।

बस चालक राकेश नायक ने बताया कि बस सोगरिया से नयागांव के लिये जाती है, स्टेशन से नयागांव के लिये रवाना हुए थे। अदालत चौराहे से आगे निकलते ही उन्हें बस में आग की बदबू आई, जिस पर उन्होंने तुरंत बस में बैठी सवारियों को बाहर निकाला और उसके बाद वह और उनका परिचालक बस से उतरे, तभी बस में आग लग गई और फायबर होने के कारण आग ने बस को पूरी तरह से चपेट में ले लिया।

ओखा-बनारस ट्रेन में धुंआ उठने से अफरा-तफरी

कोटा, (निसं)। दिल्ली-मुंबई रेलखंड पर सवाई माधोपुर से बयाना के बीच चलती ट्रेन में धुआं निकलने से अफरा-तफरी मच गई, रेलवे कर्मचारियों की सर्तकता से बड़ा हादसा टल गया। ट्रेन नम्बर 22969 ओखा-बनारस ट्रेन शुक्रवार को करीब नौ बजे कोटा से रवाना हुई और दोपहर को श्रीमहावीर जी स्टेशन क्रांस कर रही थी। उसी दौरान प्वाइंट्समैन ने इंजन के पीछे एसएलआर कोच के नीचे पहिये में धुंआ निकलता देखा तो लाल झंडी के जरिए ट्रेन को रुकवाया गया, जिसमें ड्राइवर ने भी इमरजेंसी ब्रेक लगाये। रेलवे कार्मिकों ने फायर फाइटिंग इक्विपमेंट से आग पर काबू पा लिया। ट्रेन करीब 15 मिनट तक श्री महावीर जी स्टेशन पर खड़ी रही। सीनियर डीसीएम सौरभ जैन ने बताया कि ब्रेक के पहिए से चिपक जाने (ब्रेक बाइंडिंग) की घटना रिपोर्ट हुई है। इसी के घर्षण से धुआं निकला है, यह क्यों हुआ, इस संबंध में रिपोर्ट ली जा रही है। ट्रेन कुछ मिनट बाद ही आगे के लिए रवाना हो गई थी। मामले की जांच की जा रही है।

पति की हत्या करने के मामले में प्रेमी संग पत्नी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। पति की हत्या मामले में उसकी पत्नी को प्रेमी के साथ गिरफ्तार किया गया है। दोनों ने हत्या के बाद शव को पेड़ से लटका दिया था। मृतक को अपनी पत्नी के अवैध संबंध का पता चल गया था। इसके बाद पत्नी ने हत्या की प्लानिंग की थी। मामला उदयपुर जिले के फलासिया थाना क्षेत्र का है।

आमलिया गांव में रहने वाले मगनलाल पारगी का शव पेड़ से लटका मिला था। पहले मामला सुसाइड का लगा। जांच में हत्या होना सामने आया। पुलिस ने मृतक की पत्नी थावरी देवी और उसके प्रेमी शंभूलाल को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में पत्नी ने बताया कि उसके पति को शंभूलाल से अवैध संबंधों के बारे में पता लग गया था। इस वजह से दोनों के बीच झगड़ा होता था। परेशान होकर हत्या की साजिश रची और प्रेमी के साथ मिलकर मार डाला। फिर शव को तौलिये से फंदा बनाकर एक पेड़ से लटका दिया। दोनों वहां से फरार हो गए। इधर पुलिस में शिकायत दर्ज होने के बाद आरोपियों की तलाश की गई। आसपास लोगों, परिवारजनों और पंच प्रमुखों से पूछताछ के आधार पर पुलिस को पत्नी पर शक हुआ। उससे सख्ती से पूछताछ की गई तो पूरा मामला सामने आया। करीब 6 महीने पहले आरोपी पत्नी थावरी और उसके प्रेमी शंभूलाल पारगी को अवैध संबंध बनाते हुए बड़ी बहू ने देख लिया था। इस बात को लेकर दोनों पक्षों की आपस में पंचायत हुई थी। पंचों ने शंभूलाल को दोषी मानकर अर्थदण्ड दिया था। इस बात से पत्नी और उसका प्रेमी दोनों पति मगनलाल से नाराज थे। उससे बदला लेने की फिराक में थे। 29 मार्च 2025 को मृतक मगनलाल शराब के नशे में अपनी पत्नी से झगडा कर अपने घर से थोड़ी दूर पहाड़ी पर बने एक सूने मकान में जाकर बैठ गया था। उस समय पर घर कोई नहीं होने से थावरी ने अपने प्रेमी शंभूलाल को बुलाया, जहां मृतक मगनलाल दीवार का सहारा लेकर बैठा हुआ था। वहां पत्नी थावरी व शंभूलाल दोनों ने मिलकर मगनलाल का गला दबाया और उसकी हत्या कर दी।

- **अवैध संबंधों का पता लगने पर पत्नी ने प्रेमी के साथ साजिश रची थी**
- **पत्नी और प्रेमी ने हत्या के बाद शव को पेड़ से लटका दिया था**

करंट से मजदूर की मौत

बौंली, बामनवास, (निसं)। बौंली नगर के लोंगपुरा ढाणी में शुक्रवार को मकान की तराई करते समय विद्युत करंट लगने से मजदूर टीकाराम मीणा निवासी लोंगपुरा बौंली की मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बौंली के लोंगपुरा ढाणी निवासी टीकाराम मीणा मजदूरी का कार्य करता था और वह पड़ौस में ही एक निर्माणाधीन मकान की पानी की तराई करने गया था। इसी दौरान मजदूर करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

दो युवकों ने आत्महत्या की

उदयपुर, (कासं)। शहर के हिरणमगरी एवं सूरजपोल पुलिस थाना क्षेत्र में दो युवकों ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार वेड रामसागड़ा डूंगरपुर हाल शहर के हिरणमगरी थाना क्षेत्र के उमरड़ा निवासी हेमेन्द्र (19) पुत्र जयन्तीलाल मीणा ने अपने किराए के कमरें में शुक्रवार को फांसी लगा ली। इसकी सूचना मिलने पर हिरणमगरी थाना हेड कांस्टेबल महावीरसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। हेमेन्द्र कूछ दिनों पूर्व ही शहर में मजदूरी करने आया था एवं मजदूरी की तलाश में था। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

इसी तरह शहर के सूरजपोल थाना क्षैत्र थाना के कुमावतपुरा में रहने वाले मोहद भीण्ड एमपी निवासी बनवारीलाल पुत्र शंकर लाल जाटव ने अपने किराए के मकान में फांसी लगा ली। शुक्रवार को इसकी जानकारी मिलने पर एएसआई पर्वतसिंह ने मौके पर पहुंच कर उसे फंदे से निचे उतार एमबी चिकितसालय पहुचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया, जिसका पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

विद्युत मोटर चोर गिरफ्तार : वाघपुरा थानाधिकारी वेलाराम के नेतृत्व में गठित दल ने पीडित माकड़ा देव स्थित खेत में सिंचाई के लिए लगा रखी दो समर्सीबल मोटर चोरी करने वाले चन्दू लाल को गिरफ्तार किया।

अवैध डोडा-पोस्त चूरा बरामद, दो गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। नशे के खिलाफ राजगढ़ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को डोडा-पोस्त चूरा सहित गिरफ्तार किया है।

- **दो जगह पर पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई की**

थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि महा निरीक्षक पुलिस बीकानेर रेंज की ओर से अवैध हथियार व मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए गए विशेष अभियान के तहत तथा जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में तथा स्थानीय पुलिस अधिकारियों के सुपरविजन में गठित पुलिस टीम की ओर से कार्रवाई की गई है।

पहली कार्रवाई राजेश कुमार सिहाग थाना अधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम ने गश्त के दौरान अजय कुमार पटेल पुत्र ओमप्रकाश पटेल निवासी मघरमाऊ तहसील लालगंज हजारा जिला प्रतापगढ़ हाल अनाज मंडी जींद हरियाणा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 830 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त चूरा बरामद किया है। दूसरी कार्रवाई के अंतर्गत एस.आई. धर्मेंद्र सिंह ने आरोपी रूप सिंह पुत्र सरजीत सिंह वाल्मीकि निवासी फतामालुका पुलिस थाना चिनेर तहसील सर्दुलगढ़ जिला मानसा पंजाब के कब्जे से 917 ग्राम डोडा-पोस्त चूरा बरामद किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दोनों कार्रवाई में थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग सीआई राजगढ़, धर्मेंद्र सिंह एसआई राजगढ़, कुलदीप कानि., धर्मपाल कानि. संदीप कानि., रवि कुमार कानि., सुरेश कुमार कानि. व कुलदीप कानि. ने महत्वपूर्ण भागीदारी निभाई।

अवैध मादक पदार्थ सहित दो जनों को गिरफ्तार किया।

18 महीने की बालिका को घर के बाहर से अगवा किया, दो जने हिरासत में

परिजनों की रिपोर्ट के बाद पुलिस ने आठ घंटे में बालिका का पता लगा लिया

अलवर, (निसं)। अलवर में 18 महीने की बच्ची को अगवाकर 20 हजार में बेचने का मामला सामने आया है। परिजनों की रिपोर्ट के बाद पुलिस ने आठ घंटे में बालिका को ढूंढ लिया और दो जनों को हिरासत में लिया है। हालांकि पुलिस मामले की जांच में लगी है कि बालिका का अपहरण किस मकसद से किया है। परिजनों के अनुसार बालिका को आगे 20 हजार रुपए में बेच दिया था, जबकि पुलिस ने अपने प्रेस नोट में बालिका को बेचने की बात का जिक्र नहीं किया है। यह बच्ची के परिजनों का आरोप है।

सदर थाना क्षेत्र के सोतका गांव निवासी आशा देवी ने बताया कि उनकी 18 महीने की बालिका प्रियांशी जाटव गुरुवार शाम को पड़ौसी दादी सावित्री के पास खेल रही थी। इसी दौरान गांव का हेमंत उर्फ भोली वहां पहुंचा और बच्ची को मिठाई दिलाने के बहाने अपने साथ ले गया, लेकिन मिठाई दिलाने के बाद उसे वापस लेकर नहीं आया। वह अपने साथी के साथ मिलकर बच्ची का अपहरण कर लिया और रामगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव में 20 हजार रुपए में बेच दिया। गांव से बालिका को लेकर गया युवक नशेड़ी है। रामगढ़ में जिनको बालिका को बेचा गया, पुलिस उनके बारे में खुलासा करेगी। प्रशिक्षु आईपीएस ग्रामीण सीओ शिवानी शर्मा के निर्देशन में सदर थाना और रामगढ़ थाना पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई। पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया। इसके साथ ही आठ घंटे के अंदर बच्ची को खरीदने वाले दो लोगों हिरासत में लिया है। हालांकि मुख्य आरोपी हेमंत उर्फ भोली फरार हो गया, जिसकी तलाश के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें दबिश दे रही हैं। इस घटना के बाद से ग्रामीणों में आक्रोश है। आमजन की मांग है कि दोषियों पर सख्त एक्शन लिया जाए। अब पुलिस का कहना है कि मामले की गहराई से जांच करने में लगे हैं। अभी यह पता लगाया जा रहा है कि बालिका को किस मकसद से उठाया गया।

उधर, बालिका की मां का कहना है कि बेटी पहले की तरह सहज नहीं है, जिसके कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ताकि सामान्य जांच हो सके।

- **परिजनों के अनुसार बालिका को आगे 20 हजार रुपए में बेच दिया था**
- **पुलिस जांच में लगी है कि बालिका का अपहरण किस मकसद से किया था**

सामान चोरी करने वाला गिरफ्तार

फुलेरा, (निसं)। स्थानीय जीआरपी पुलिस ने चलती ट्रेन से यात्रियों का सामान चोरी करने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। साथ ही आरोपी के कब्जे से प्रकरण में चोरी किये गये एक मोबाइल फोन को बरामद करने के साथ ही सहअभियुक्त की भी तलाश जारी कर दी है। जीआरपी थानाधिकारी गुलजारी लाल ने बताया कि सम्पति संबंधित अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के विशेष अभियान के तहत पुलिस की एक टीम गठन कर अभियुक्त रजनीश पुत्र चन्द्रपाल को गिरफ्तार कर अभियुक्त से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया।

अवैध खनन से भरे दस ट्रेलर सहित उन्नीस वाहन जब्त

उदयपुर, (कासं)। शहर के गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने अवैध खनन कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार ट्रैक्टर मय ट्रॉली डिटेन किए। वहीं घासा थाना पुलिस ने अवैध खनन कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दस ट्रेलर एक एलएनटी व दो जेसीबी मशीन व दो ट्रेक्टर जब्त किए।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीरसिंह राठौड़ के सुपरविजन में गोवर्धन विलास थानाधिकारी दिलीपसिंह झाला के नेतृत्व में गठित दल ने पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर अवैध खनन कारोबारियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान गोवर्धन विलास लई गांव से तीन ट्रैक्टर मय ट्रॉली व चालक डिटेन किए तथा एक ट्रैक्टर मय ट्रॉली चुंगीनाका से बलिचा रोड़ पर से डिटेन कर चालकों हामा पुत्र राजू मीणा निवासी फाटादरा गोवर्धन विलास, सुरेश कुमार पुत्र देवीलाल मीणा निवासी सुरफलाया गोवर्धन विलास, मुकेश पुत्र ओमप्रकाश मीणा निवासी बलीचा गोवर्धन विलास व अनिल पुत्र मंगलाजी मीणा निवासी टपाणा कल्याणपुर हाल मिराज मोर्निंग सेक्टर 14 को डिटेन किया।

गठित विभिन्न टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए खरवड़ों को गुडत्रा से एक जेसीबी मशीन, दो ट्रैक्टर, ग्राम मारूवास वाड़ी से एक जेसीबी मशीन एवं खाम की मादड़ी से 1 एलएनटी मशीन सहित 7 ट्रेलर तथा 3 ट्रेलर मय फैल्सपार अवैध खनन पदार्थ से भरे डिटेन कर प्रकरण दर्ज किया।

आग लगने से बुजुर्ग जिंदा जला

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र के चक महूडी गांव में बीड़ में लगी आग की चपेट में आने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। बीड़ में बुजुर्ग का अधजला शव मिला है। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली थाना पुलिस के अनुसार चकमहुंडी निवासी विरमल गमेती ने रिपोर्ट में बताया कि उसके पिता सकू गमेती बकरियां चराने के लिए बीड़ (जंगल) में गए थे। इस दौरान बीड़ में अचानक आग लग गई। आग की चपेट में बुजुर्ग आ गया। बच्चों ने बताया कि बीड़ में आग लग गई है। वहां पर अधजला हुआ व्यक्ति पड़ा हुआ है, जिस पर परिजन मौके पर पहुंचे। बीड़ में सकू अधजला पड़ा हुआ था। परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस जिला अस्पताल पहुंची और शव को मोर्चरी में रखवाया जहां से पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है और मामला दर्ज कर घटना को लेकर जांच कर रही है।

आठ ग्राम पंचायतों के 24 राजस्व गांवों को भीलवाड़ा निगम में शामिल करने का विरोध

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला प्रशासन द्वारा नगर निगम से सटी आठ ग्राम पंचायतों के 24 राजस्व गांवों को भीलवाड़ा निगम में शामिल करने का 12 मार्च को नोटिफिकेशन जारी किया गया। नोटिफिकेशन आने के साथ ही इन इलाकों में आक्रोश फैल गया और सरपंचों व ग्रामीणों ने बिना लिए नोटिफिकेशन जारी करने का विरोध करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी। वहीं शुक्रवार को ग्रामीणों ने आंदोलन की शुरुआत करते हुए जिला कलेक्टर कार्यालय पर उग्र प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

संघर्ष समिति के राजेश चौधरी ने कहा कि सरकार के द्वारा गत 12 मार्च को नोटिफिकेशन जारी कर सुवाना ग्राम पंचायत समिति की आठ ग्राम पंचायत के 24 राजस्व ग्रामों को नगर निगम में शामिल किया गया है, जिसका पुरजोर विरोध दर्ज कराते हुए आज से आंदोलन की शुरुआत की गई है। राज्य सरकार की अधिसूचना में जिस तरीके से हमारी आठ ग्राम पंचायत के 24 राजस्व ग्राम को नगर निगम के परिसीमन के अंदर लिया है। उसके लिए हमने पहले भी ज्ञापन दिया। अपनी मांगों से स्थानीय प्रशासन और सरकार को अवगत कराया, लेकिन अब तक भी इस और कोई ध्यान नहीं दिया गया है। यह विषय ग्रामवासियों का विषय है। ग्रामवासी इतने मजबूत नहीं है, ऐसी स्थिति में नहीं है कि वो आज पंचायत से निकलकर, गांव से निकलकर नगर निगम तक जाकर अपना कार्य करवा सके। उनकी परेशानियों को देखते हुए हमारा राज्य सरकार से निवेदन है कि हमारी जो पंचायत है, जो हमारे गांव हैं, उन्हें पंचायत में रखते हुए हमें परिसीमन से बाहर रखें।

किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष चौधरी ने कहा कि परिसीमन से अपनी ग्राम पंचायत को बचाने के लिए पंचायत बचाओं संघर्ष समिति के बैनर तले प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया है। गांव से लेकर शहर और शहर से लेकर संसद तक भी आंदोलन करना पड़ा तो हम करेंगे। उन्होंने कहा कि निगम में शामिल होने से ग्रामीण इलाके की चारागाह भूमि पर भूमाफियाओं का कब्जा हो जाएगा। मनरेगा का काम समाप्ति की और चला जाएगा। निगम में गांवों को शामिल नहीं करने के लिए विरोध को उग्र किया जाएगा।

- **ग्रामीणों ने आंदोलन की शुरुआत कर कलेक्ट्रेट पर उग्र प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा**
- **सरपंचों व ग्रामीणों ने नोटिफिकेशन जारी करने का विरोध करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी**

ग्रामीणों ने आंदोलन की शुरुआत करते हुए जिला कलेक्टर कार्यालय पर उग्र प्रदर्शन किया।

कार्यालय नगरपालिका खुडाला फालना स्टेशन जिला-पाली
टेलि न./फैक्स न. - (02938) 236170/236883, ई-मेल - eombfalna@gmail.com

Notice Inviting Bid

Bids for Development Work Of Subject matter(s) of Procurement are invited from interested bidders From 11.00 AM Date 04.04.2025 to 11.00 PM Date 15.04.2025 Other particulars of the bid may be Visited on the procurement portal (http://Sppp.raj.nic.in, https://eproc.rajasthan.gov.in) of the state and Muncipal Board Khudala-Falna Office,
UBN :- DLB2526WSOB00262
Raj.Samwad/C/25/235 — Executive Officer

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा
क्रमांकः-एफ 3/लेखा/24-25/21-41 — दिनांक : 01.04.2025

ऑनलाईन निविदा सूचना संख्या : 33/2024-25

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा द्वारा अनुभवी संवेदकों/सेवा प्रदाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से निम्नांकित 01 कार्य (UBN No. : UIK2526SLOB00001) हेतु ऑन लाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है।
उक्त कार्यों का विस्तृत विवरण, निविदा शर्तें, अनुमानित लागत, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.rajasthan.gov.in/uitkota पर देखा जा सकता है।
राज.संवाद/सी/25/233 — सचिव, कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कार्यालय नगर पालिका भवानीमण्डी, जिला झालावाड़, राजस्थान
क्रमांक :- न.पा.भ./निर्माण/2025/28-30 — दिनांक :- 03/04/2025

-: निविदा संख्या 01/2025-26 :-

नगर पालिका भवानीमण्डी के सक्षम श्रेणी में पंजिकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा पद्धति से दिनांक 04.04.2025 से 09.04.2025 तक 03 कार्यो की ऑफलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत/निविदा से संबंधित प्रपत्र डाउनलोड, अपलोड करने की तिथि व निविदा की शर्ते एवं अन्य जानकारी वेबसाईट http//:sppp.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।
NIB Code - DLB2526A0103
अध्यक्ष, नगर पालिका भवानीमण्डी — अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका भवानीमण्डी
राज.संवाद/सी/25/225

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, जयपुर
क्रमांक :- जसअ/2025/01 — दिनांकः 03.04.2025

ई-निविदा सूचना क्रमांक :- 69/2024-25

मुहाना मण्डी परिसर से सेवापुरा कम्पोस्ट प्लांट तक कचरा परिवहन कार्य हेतु पंजीकृत फर्म्स से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत सूचना एवं शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट www.jaipurmc.org, www.sppp.raj.nic.in and www.eproc.rajasthan.gov.in पर स्टेट पब्लिक प्रोक्यूरमेन्ट के UBN No JMC2425SLOB01621 पर देखी जा सकती है।
राज.संवाद/सी/25/269 — उपायुक्त (उद्यान), नगर निगम ग्रेटर जयपुर

कार्यालय नगरपालिका मण्डल राजलदेसर जिला चूरू (राज.)
E-mail id:- raj.churu.bika@gmail.com — Phone number 01567-294504
क्रमांकः- न.पा.रा./2025-26/89 — दिनांकः- 03.04.2025

Notice Inviting Bid

Bid for 19 Work is invited from interested bidders upto 15-04-2025, 02.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in)
NIB Code - DLB2526A0099
UBN Code - (DLB2526WSOB00396), (DLB2526WSOB00397), (DLB2526WSOB00399), (DLB2526WSOB00400), (DLB2526WSOB00401), (DLB2526WSOB00439), (DLB2526WSOB00402), (DLB2526WSOB00403), (DLB2526WSOB00404), (DLB2526WSOB00405), (DLB2526WSOB00406), (DLB2526WSOB00407), (DLB2526WSOB00408), (DLB2526WSOB00410), (DLB2526WSOB00412), (DLB2526WSOB00413), (DLB2526WSOB00416), (DLB2526WSOB00439), (DLB2526WSOB00441), (DLB2526WSOB00442)
राज.संवाद/सी/25/279 — अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका, राजलदेसर

कार्यालय नगरपालिका मण्डल राजलदेसर जिला चूरू (राज.)
E-mail id:- raj.churu.bika@gmail.com — Phone number 01567-294504
क्रमांकः- न.पा.रा./2025-26/47 — दिनांकः- 02.04.2025

Notice Inviting Bid

Bid for 16 Work is invited from interested bidders upto 09-04-2025, 03.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in)
NIB Code - DLB2526A0052
UBN Code - (DLB2526WSOB00156), (DLB2526WSOB00157), (DLB2526WSOB00158), (DLB2526WSOB00162), (DLB2526WSOB00163), (DLB2526WSOB00164), (DLB2526WSOB00165), (DLB2526WSOB00166), (DLB2526WSOB00167), (DLB2526WSOB00168), (DLB2526WSOB00169), (DLB2526WSOB00170), (DLB2526WSOB00171), (DLB2526WSOB00172), (DLB2526WSOB00173), (DLB2526WSOB00174)
राज.संवाद/सी/25/248 — अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका, राजलदेसर

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत्त-करौली
क्रमांकः 6197-6205 — दिनांक : 19-03-2025

निविदा सूचना संख्या : 04/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से देवलैन बस स्टैण्ड से बोंल वाया भूली की ढाणी, सलेमपुर, जिला करौली में सड़क निर्माण हेतु (दोष निवारण अवधि 5 वर्ष सहित) के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग मे पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं।
निविदा से संबंधित समस्त विवरण बेवसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता हैं। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से बेवसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवष्यक है।

Name of Work	NIB No.	UBN No.
Construction of Road From Devlen Bus Stand to Bonl Via Bhulli Ki Dhani, Salempur, Km. 0/0 to 5/0	PWD2425A4749	PWD2425WSOB17134

DIPR/C/4171/2025 — (जयलाल मीना) अधीक्षण अभियन्ता, सा0नि0वि0 वृत्त-करौली

जयपुर बम कांड के दौरान जिंदा मिले बम को लेकर चार आरोपी दोषसिद्ध, सजा 8 अप्रैल को

जयपुर। जयपुर बम कांड मामलों की विशेष अदालत ने 13 मई, 2008 को शहर में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के बीच चांदपोल हनुमान मंदिर के पास जिंदा मिले बम के मामले में आरोपी शाहबाज हुसैन, मोहम्मद सैफ, सैफुर्रहमान और सरवर आजमी को दोषी मान लिया है। अदालत चारों आरोपियों को भारतीय दंड संहिता, विस्फोटक अधिनियम और विधि विरूद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं में 8 अप्रैल को सजा सुनाएगी। सुनवाई के दौरान मोहम्मद सैफ और सैफुर्रहमान को न्यायिक अभिरक्षा से पेश किया गया। वहीं जमानत पर रिहा हुए शाहबाज हुसैन और सरवर आजमी अदालत में हाजिर हुए। अदालत ने दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में ले लिया है।

जमानत पर रिहा हुए शाहबाज हुसैन और सरवर आजमी शुक्रवार को अदालत में हाजिर हुए। अदालत ने दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में ले लिया है।

इन धाराओं में माना दोषी

अदालत ने चारों आरोपियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी, 121ए, 307 और 153ए के साथ ही विस्फोटक अधिनियम की धारा 4, 5 और 6 सहित यूएपीए एक्ट की धारा 13 और 18 में दोषी माना है। इन धाराओं में अधिनियम आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है।

पत्नी को साथ लेकर पहुंचा आरोपी

सुनवाई के दौरान जमानत पर रिहा चल रहा आरोपी शाहबाज हुसैन अपनी पत्नी के साथ अदालत में पहुंचा। सुनवाई से पहले अदालत कक्ष के बाहर वह वहां मौजूद वकीलों से बडे आत्म विश्वास से मिला। इस दौरान उसने महाकुंभ में हुई भगदड़ की घटना को लेकर भी चर्चा की।

यह रखी दलीलें

मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक सागर तिवाडी ने बताया कि मामले में 112 गवाहों के बयान दर्ज कराते हुए करीब 1200 दस्तावेजों को पेश किया गया है। वहीं अन्य गवाहों के साथ पूर्व एडीजी एके जैन, मीडियाकर्मी प्रशांत टंडन और साइकिल कसने वाले दिनेश महावर को गवाह बनाया है। जबकि बचाव पक्ष के अधिवक्ता मिनहाजुल हक ने कहा कि घटना के तथ्य मूल घटना के समान है और उस मामले में हाईकोर्ट उन्हें बरी कर चुका है। इसलिए उन्हें इस मामले में भी बरी किया जाए।

मूल केस में बरी हो चुके हैं आरोपी

बम कांड के बाद पुलिस ने चारों आरोपियों के साथ ही एक अन्य को गिरफ्तार किया था। विशेष अदालत ने 18 दिसंबर, 2019 को शाहबाज हुसैन को बरी करते हुए शेष चारों आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई थी। वहीं हाईकोर्ट ने मार्च, 2023 में चारों आरोपियों की फांसी को सजा को रद्द करते हुए उन्हें दोषमुक्त कर दिया था और एक आरोपी को नाबालिग माना था। विशेष न्यायालय के फैसले के करीब आठ माह बाद अभियोजन पक्ष ने चांदपोल हनुमान मंदिर के पास मिले जिंदा बम को लेकर आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था। आरोप पत्र में मूल मामले के तथ्यों को दोहराते हुए समान धाराएं रखी गई थी।

इन्हें बनाया गया था आरोपी

शाहबाज हुसैन उर्फ शानू निवासी मौलवीगंज, उत्तरप्रदेश। जयपुर में 13 मई 2008 को हुए बम ब्लास्ट के बाद सबसे पहले 8 सितंबर 2008 को शाहबाज हुसैन को गिरफ्तार किया गया। मोहम्मद सैफ, निवासी सरायमीर, आजमगढ उत्तरप्रदेश। इसे 23 दिसंबर 2008 को गिरफ्तार किया गया। मोहम्मद सरवर आजमी, निवासी चांदपट्टी, आजमगढ़, उत्तर प्रदेश है। इसे 29 जनवरी 2009 को गिरफ्तार किया गया। सैफुर्रहमान, निवासी आजमगढ़, उत्तर प्रदेश है। इसको 23 अप्रैल 2009 को गिरफ्तार किया गया। नाबालिग, निवासी निजामाबाद, उत्तर प्रदेश है। इसे 3 दिसंबर 2010 को गिरफ्तार किया था। मूल केस के बाद सभी आरोपियों को इस मामले में 25 दिसंबर, 2019 को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा साजिद बडा, शादाब, खालिद, इकबाल भटकल और रियाज भटकर फरार चल रहे हैं।

जूली ने राजेंद्र राठौड़ को शायराना जवाब दिया

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ पर शायराना अंदाज में निशाना साधा है। जुली ने कहा कि

'बात निकलेगी तो फिर दूर तलक जाएगी।

लोग बे-वज्ह उदासी का सबब पूछेंगे।।

ये भी पूछेंगे कि आप इतने परेशाँ क्यूँ हो।

जगमगाते हुए लम्हों से गुरेज़ाँ क्यूँ हो।''

उन्होंने कह कि आदरणीय राठौड़ साहब, आपने जो प्रशंसा की उसके लिए आपका आभार। कांग्रेस और भाजपा में यही अंतर है कि हम अध्ययन कर ही आंकड़े बोलते हैं और भाजपा के साथी हवा में ही 35 लाख करोड़ रुपये बोल जाते हैं जो राज्य की से भी दोगुना है।

खैर, ऐसा लगता है कि आप आंकड़ों के जाल में उलझाकर भाजपा सरकार की नाकामी जनता के सामने रखना चाहते हैं। भाजपा द्वारा आपके साथ किए जाए रहे उपेक्षापूर्ण व्यवहार के बाद यह उचित भी है।

आप कर्ज और राजकोषीय घाटे को एवं की अनुमत सीमा में बताकर भ्रमित कर रहे हैं पर यह छिपा रहे हैं कि भाजपा सरकार द्वारा तय किए गए लक्ष्यों से यह अधिक है यानी भाजपा सरकार का वित्तीय प्रबंधन फेल साबित हो रहा है।

वैसे, अब आप ये बताइए कि प्रधानमंत्री जी ने राजस्थान में भाजपा सरकार बनते ही पड़ोसी राज्यों जैसे हरियाणा और गुजरात की बराबर पेट्रोल और डीजल के दाम करने का वादा किया था। वह वादा कब पूरा होगा क्योंकि सरकार बने अब डेढ़ साल होने जा रहा है।

विद्याधर नगर का चहुंमुखी विकास ही मेरी प्राथमिकता : दिया कुमारी

- उप मुख्यमंत्री ने विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर की समीक्षा बैठक

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को शासन सचिवालय में विद्याधरनगर विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों और जन समस्याओं के निराकरण को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की।

बैठक में सडकों एवं जल भराव, बीआरटीएस कॉरिडोर को हटाने, पुराना विद्याधर बस स्टैंड वॉर्ड न. 23 पर जेडीए कियोस्क एवं जेडीए की भूमि पर अवैध अतिक्रमण हटाने, स्वर्ण जयंती पार्क एवं अन्य खाली जमीन पर ऑक्सीजन पार्क के लिए जल्द डीपीआर तैयार करवाने को लेकर चर्चा हुई। बैठक में वॉर्ड न. 4 एवं 5 में बारिश को ध्यान में रखते हुए जेडीए द्वारा स्वीकृत नालों का काम जल्द शुरू करवाने, मुख्य नाले का जल्द टेण्डर लगाकर काम शुरू करवाने को लेकर कार्यों की समीक्षा एवं प्लानिंग पर चर्चा हुई।

विधानसभा क्षेत्र के बालाजी कॉलेज होते हुए लोहा मण्डी सड़क से अतिक्रमण हटाकर रास्ता खुलवाने। पानी की पाईप लाईन कार्यों से टूटी रोड़, पुरानी सीवरेज लाईन को बदलकर नई सीवर लाईन कि डीपीआर तैयार करवाने। कन्वेंशन सेंटर लिए के लिए भूमि आवंटन करने, सीकर रोड पर चल रहे ड्रेनेज, नींदड एवं टोडी मोड वीयूपी एवं 14 नम्बर पर बनने वाले अण्डरपास, वी.के.आई. एवं झोटवाडा औद्योगिक क्षेत्रों की टूटी सड़कों का प्रस्ताव तैयार करने,स्ट्रीट लाइटों की रिपेयर एवं नई लाइट लगाने, को लेकर अधिकारियों से विचार विमर्श और प्लानिंग की गई।

यातायात में सुधार के लिए नाडी का फाटक आर.ओ.बी. एवं सीतावाली फाटक आर.यू.बी. का जल्द निर्माण कार्य प्रारम्भ करने, बजट घोषणा में स्वीकृत सड़कों, सीसीटीवी कैमरें लगाने, सटैलाईट हॉस्पिटल, निदंड पीएचसी एवं हरमाडा सीएचसी के कार्य, टोडी मोड तक मेट्रो का विस्तार, गर्मी के मौसम में लोगों को राहत देने के लिए बीसलपुर प्रोजेक्ट के तहत बनने वाली पानी की टंकीयों के निर्माण एवं पानी की पाईप लाईन के कार्य, सभी वार्डो में पानी के टेंकरो की अतिरिक्त सप्लाई बढ़ाने को लेकर अधिकारियों से चर्चा की एवं जरुरी दिशा-निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों की समस्याओं के निदान का आश्वासन दिया

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से शुक्रवार को पिंकसिटी प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा के नेतृत्व में नवनिर्वाचित प्रबन्ध कार्यकारिणी ने मुलाकात की।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से शुक्रवार को पिंकसिटी प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा के नेतृत्व में नवनिर्वाचित प्रबन्ध कार्यकारिणी ने शिष्टाचार भेंट कर आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान प्रेस से मिलिए कार्यक्रम के लिए मुख्यमंत्री को प्रेस क्लब में आमंत्रित किया। पत्रकारों की ज्वलंत समस्याओं पर चर्चा की और ज्ञापनदिया। मुख्यमंत्री ने प्रबन्ध कार्यकारिणी को पत्रकारों की समस्याओं एवं प्रेस क्लब जीर्णोद्वार का आश्वासन दिया। क्लब महासचिव मुकेश चौधरी ने बताया कि प्रबन्ध कार्यकारिणी के प्रतिनिधि मण्डल ने पत्रकारों के लिए लागू आरजेएचएस के लिए मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया।

चौधरी ने बताया कि अध्यक्ष मुकेश मीणा के नेतृत्व में प्रबन्ध कार्यकारिणी ने मुख्यमंत्री को पिंकसिटी प्रेस क्लब जीर्णोद्वार, सोलर प्लांट एवं पत्रकार आवास योजना, अधिस्वीकरण सरलीकरण, पत्रकारसुरक्षा कानून, लघु एवं मध्यम समाचार पत्रों का संरक्षण एवं नई विज्ञापन नीति लागू करने का ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सकारात्मकता के साथ पत्रकारों की सभी समस्याओं के निराकरण का आवश्वासन दिया।

साथ ही पिंकसिटी प्रेस क्लब जीर्णोद्वारएवं क्लब में सोलर प्लांट स्थापित करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर प्रबन्ध क्लब उपाध्यक्ष डॉ. मोनिका शर्मा, परमेश्वर प्रसाद शर्मा, कोषाध्यक्ष विकास शर्माएवं प्रबन्ध कार्यकारिणी सदस्य मणिमाला शर्मा, ओमवीर भार्गव, दिनेश सैनी, दीपक सैनी, ज्ञानेन्द्र मिश्रा, अनिता शर्मा, निखलेश शर्मा, शालिनी श्रीवास्तव, उमंग माथुर, विकास आर्य उपस्थित रहे।

डिलीवरी बॉय से नकदी-बाइक लूटी

जयपुर। रागनगरियान थाना इलाके में मदद के बहाने दो युवकों ने रोक कर डिलीवरी बॉय को लूट लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार बामनवास सवाई माधोपुर निवासी धर्मेंद्र सिंह ने मामला दर्ज करवाया कि वह फूड डिलीवरी का काम करता है। वह कंपनी का ऑर्डर लेकर गया था । वापस लौटने के दौरान ज्ञान विहार कॉलेज के पास दो युवकों ने उससे मदद मांगी।

भाजपा स्थापना दिवस को लेकर बनाया कार्यक्रम

जयपुर। भाजपा जयपुर शहर की ओर से भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस 6 से 13 अप्रैल तक मनाया जाएगा। भाजपा के स्थापना दिवस समारोह को लेकर शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में संभाग प्रभारी, पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेंद्र कुमार गहलोत ने जयपुर शहर के कार्यकर्ताओं की बैठक ली। बैठक को संबोधित करते हुए गहलोत ने भाजपा की 1980 से 2025 तक की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2 सीटों वाली भाजपा ने आज देश में लगातार तीसरी बार सरकार बनाई है। इसके पीछे भाजपा के कार्यकर्ताओं के त्याग, तपस्या और बलिदान के कारण संभव हुआ है।

गहलोत ने कहा कि भाजपा अपने स्थापना दिवस को 6 से 13 अप्रैल तक मनाएगी। 6 अप्रैल को सम्पूर्ण देश में भाजपा कार्यकर्ताओं के घरों पर पार्टी का झंडा फहराया जाएगा।

प्रत्यक्ष आवंटन योजना में हो रहे हैं 103 भूखण्डों के ऑफर लेटर जारी

- राइजिंग राजस्थान इंपेक्ट 1.0 में निवेशकों का प्रत्यक्ष आवंटन योजना के लिए उत्साह

जयपुर। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024 में निवेशकों द्वारा राज्य सरकार के साथ निष्पादित किए गए एमओयू के लिए राजस्थान सरकार ने रीको के माध्यम से प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 जारी की। योजना में 134 निवेशकों ने 108 भूखण्डों पर आवेदन किए। इनमें से 103 भूखण्डों के लिए ऑफर लेटर जारी किए जा रहे हैं।

जयपुर के श्रीराम जानकी औद्योगिक क्षेत्र, कुंजबिहारीपुरा, जोधपुर में बोरानाडा विस्तार, नागौर के गोगेलाव, किशनगढ़ (अजमेर) के किशनगढ़ टप् चौंम औद्योगिक क्षेत्र में औद्योगिक इकाई लगाने हेतु ई-लॉटरी के माध्यम से भूखण्डों के ऑफर लेटर जारी किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त बोरानाडा (जोधपुर) के कांकानी औद्योगिक क्षेत्र, मंडोर (जोधपुर) के बाप औद्योगिक क्षेत्र, भीलवाड़ा के फतेहपुर समेलिया, भिवाड़ी के पथरेडी, जयपुर के मण्डा द्वितीय चरण एवं तुंगा औद्योगिक क्षेत्र, झुंझनुं के मलसीसर, कोटा के बपावर, श्रीगंगानगर में पतेकिया, उदयपुर में आमली औद्योगिक क्षेत्र में भी एमओयू धारकों को प्रत्यक्ष आवंटन योजना के अंतर्गत भूखण्डों के ऑफर लेटर जारी किये जा रहे हैं। प्रत्यक्ष आवंटन योजना में आवंटित इन भूखण्डों पर उद्योगों के स्थापित होने से राजस्थान के हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा जिससे स्थानीय एवं राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

इंपेक्ट 1.0 के दौरान यह घोषणा की रीको की प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 अब 16 मार्च से 30 अप्रेल तक किए जाने वाले सभी नए एमओयू पर लागू होगी। रीको प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार ने बताया कि इस योजना के द्वितीय चरण में प्रत्यक्ष आवंटन हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित जाएंगे।

योजना के द्वितीय चरण में राज्य सरकार के साथ 30 अप्रैल तक एमओयू करने वाले सभी निवेशक भूखण्ड के लिए आवेदन कर सकेंगे। प्रत्यक्ष आवंटन योजना की वैधता 30 जून तक है।

राजस्थान पत्रकार स्वास्थ्य योजना की अधिसूचना जारी

जयपुर। राज्य सरकार पत्रकार कल्याण के लिए निरंतर महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इसी क्रम में पत्रकारों के लिए सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा राजस्थान पत्रकार स्वास्थ्य योजना (आरजेएचएस) की अधिसूचना शुक्रवार को जारी की गई। उल्लेखनीय है कि इस योजना का शुभारंभ भीलवाड़ा में (28 मार्च) को राज्य स्तरीय विकास एवं सुशासन उत्सव में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा किया गया था।

राज्य सरकार से अधिस्वीकृत समस्त पत्रकार आरजेएचएस के लिए पात्र होंगे। इस योजना की अधिसूचना जारी होने के बाद अधिस्वीकृत पत्रकारों को आरजीएचएस की तर्ज पर कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। योजना के अनुसार, पात्र पत्रकारों एवं उनके परिवार के सदस्यों के लिए 10 लाख रुपये प्रतिवर्ष की चिकित्सा व्यय (आईपीडी) की सुविधा मिलेगी। साथ ही, ओपीडी की सुविधा मेडिकल डायरी के अनुसार देय होगी। अधिस्वीकृत पत्रकारों को योजना के तहत मिलने वाली सुविधा के लिए आईडी कार्ड भी जारी किए जाएंगे।

योजना में बीमित व्यक्ति को आरजीएचएस में परिभाषित अनुमोदित अस्पतालों में किए गए सभी इनडोर उपचारों तथा शल्य चिकित्साओं के लिए कैशलेस सुविधा प्रदान की जाएगी। अस्पताल में भर्ती होने से तीन दिन पहले तथा पंद्रह दिन बाद तक की अवधि के दौरान किए गए प्रासंगिक चिकित्सा व्यय को दावे के हिस्से के रूप में माना जाएगा।

प्रदेश के 12.5 लाख कार्मिक/पेंशनर्स को एक क्लिक पर मिलेगी जीपीएफ और राज्य बीमा खातों की जानकारी

- उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया एसआईपीएफ विभाग द्वारा विकसित चैटबॉट का लोकार्पण

जयपुर। प्रदेश के लगभग 12.5 लाख कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को जीपीएफ और राज्य बीमा खातों की जानकारी अब एक क्लिक पर प्राप्त हो सकेगी। राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग द्वारा विकसित चैटबॉट के माध्यम से उन्हें यह जानकारी प्राप्त होगी। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री कार्यालय से इस चैटबॉट का लोकार्पण किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग द्वारा किया गया यह नवाचार राज्य के लाखों कार्मिकों और पेंशनर्स के लिए ऋण आदि की सुविधा में साहूलियत देने वाला महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार द्वारा सूचना तकनीक एवं अन्य नवाचारों के द्वारा जन-सुविधाओं को सुलभ करने की दिशा में कदम उठाये जा रहे है। उसी कडी में यह महत्वपूर्ण पहल है। शासन सचिव वित्त (व्यय) नवीन जैन ने बताया कि विकसित किये गए एआई आधारित चैटबॉट के माध्यम से एसआईपीएफ मोबाईल एप, वेबसाईट एवं पोर्टल पर हिंदी एवं अग्रेजी भाषा में राज्य कार्मिक उनके राज्य बीमा एवं जीपीएफ योजना के तहत ऋण एवं आहरण की पात्रता, खाते जमा राशि, मनोनीत व्यक्ति की जानकारी आसानी से तथा किसी भी समय प्राप्त कर सकते है। निदेशक राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग हेमपुष्पा शर्मा ने इस दौरान सभी का स्वागत करते हुए कहा कि विभाग सभी कार्मिकों का आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए कृत संकल्पित है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने विभाग द्वारा तैयार किए गए ब्राउसर का भी विमोचन किया।

संसद में वक्फ बिल बहुमत से पास हुआ : मदन राठौड़

जयपुर। राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश मदन राठौड़ ने वक्फ बिल को लेकर दिल्ली में मीडिया बाइट के दौरान कहा कि कांग्रेसी नेता वक्फ बिल को लेकर देश के मुसलमान भाइयों को गुमराह कर रहे है और भ्रम फैला रहे है। जबकि वक्फ बिल को लेकर लोकसभा, राज्यसभा में खुली चर्चा हुई, इसके बाद लोकतांत्रिक प्रणाली के माध्यम से मतदान हुआ। बहुमत के बाद दोनों सदनों में यह बिल पास हुआ है, अगर कांग्रेस इस बिल के पक्ष में नहीं थी।

रोटरी अंतरराष्ट्रीय क्लब की ओर से मेक्सिको का मैत्री दल भारत भ्रमण पर

जयपुर। रोटरी अंतरराष्ट्रीय क्लब के विश्व शांति, मैत्री और सद्भाव कार्यक्रम के अंतर्गत मेक्सिको देश का एक मैत्री दल भारत भ्रमण पर आया है । इस क्रम में उनका जयपुर में राजस्थान की संस्कृति, साहित्य और सांस्कृतिक धरोहर को जानने का भ्रमण चल रहा है।

रोटरी क्लब जयपुर राउंड टाउन के अध्यक्ष देवेश कुमार बंसल (अधिवक्ता)ने बताया कि इस क्रम में शुक्रवार को इस दल के समूह ने राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष प्रोफेसर वासुदेव देवनानी से भेंट की और राजस्थान के विधायन प्रक्रिया को जाना। दल ने संविधान दीर्घा और संग्रहालय का भी अवलोकन किया और राजस्थान के इतिहास, संस्कृति और विधिक प्रक्रिया को जानकर गहरी प्रसन्नता प्रकट की। इस कार्यक्रम का आयोजन रोटरी क्लब जयपुर राउंड टाउन के द्वारा किया गया। इस अवसर पर रोटरी राजस्थान की जिला प्रांतपाल डॉ. राखी गुप्ता उपस्थित थी। उन्होंने इस दल के भ्रमण का नेतृत्व किया।

उन्होंने बताया कि यह वैश्विक स्तर पर रोटरी अंतरराष्ट्रीय द्वारा विश्व शांति और मैत्री को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण उपक्रम है, जिसमें एक देश से आए हुए सदस्य दूसरे देश के व्यक्तियों के घर में आवास निवास करते हैं और वहां की संस्कृति के साथ जुड़ते हैं ।

मेक्सिको दल के सदस्यों ने भारत के संविधान में भारत की संस्कृति और इतिहास को दर्शाने वाले चित्रों और आध्यात्मिक सिद्धांतों को प्रदर्शित करने वाले आलेखों को गहराई से समझा और बहुत सराहना की।

लॉरेन्स विश्नोई और रोहित गोदारा गैंग का सक्रिय बदमाश आदित्य जैन गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। लॉरेन्स विश्नोई और रोहित गोदारा गैंग के सक्रिय बदमाश आदित्य जैन (26) को राजस्थान पुलिस ने दुबई में गिरफ्तार किया और उसे जयपुर लेकर आई है। राजस्थान पुलिस मुख्यालय की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने आदित्य जैन को दुबई के यूएई में सीबीआई इंटरपोल के माध्यम से डिटेन कर गिरफ्तार किया। इसके बाद शातिर बदमाश 26 वर्षीय आदित्य जैन उर्फ टोनी को टीम शुक्रवार सुबह दुबई से जयपुर लेकर पहुंची।

पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया कि आदित्य, इस गैंग के लिए विदेश में बैठकर धमकी के कॉल की व्यवस्था करता था। वह गैंग के कंट्रोल रूम के तौर पर काम कर रहा था। टोनी गिरोह की ओर से की गई जबरन वसूली, गोलीबारी सहित कई मामलों में वांटेड था। आरोपित टोनी कुचामन शहर जिला डीडवाना-कुचामन का रहने वाला है। उसके पिता बिजनेसमैन हैं, फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एजीटीएफ-अपराध) दिनेश एम.एन. ने बताया कि उनकी टीम लॉरेन्स विश्नोई-रोहित गोदारा गैंग का सक्रिय सदस्य आदित्य जैन के पीछे कई समय से लगी हुई थी। राजस्थान में आने वाले थ्रेट कॉल की जब जांच की जाती थी तो हमेशा टोनी के बारे में जानकारी मिलती थी। इसलिए डीआईजी योगेश यादव, एएसपी नरोत्तम वर्मा ने इंटरपोल की ओर से उसके खिलाफ एक रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराया था। इसके बाद एएसपी सिद्धांत शर्मा मनीष शर्मा, पुलिस निरीक्षक सुनील जांगिड़, रविंद्र प्रताप की एक टीम ने टोनी को दुबई के यूएई में ढूंढा और फिर सीबीआई के माध्यम से यूएई को इंटरपोल रेफरेंस भेजा गया। इस रेड कॉर्नर नोटिस और इंटरपोल रेफरेंस के आधार पर यूएई पुलिस अधिकारियों ने आदित्य जैन को हिरासत में लिया। इसके बाद एजीटीएफ टीम को सुपुर्द किया गया। जहां टीम ने आदित्य जैन उर्फ टोनी को शुक्रवार सुबह दुबई से जयपुर लेकर पहुंची।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने लॉरेन्स विश्नोई और रोहित गोदारा गैंग के सक्रिय बदमाश आदित्य जैन को राजस्थान पुलिस ने दुबई में गिरफ्तार किया और उसे जयपुर लेकर आई है।

- एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स टीम ने दुबई में सीबीआई इंटरपोल के माध्यम से डिटेन कर भारत लाई
- पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आदित्य, इस गैंग के लिए विदेश में बैठकर धमकी के कॉल की व्यवस्था करता था।
- वर्ष 2024 में आरोपी ने दुबई में ट्रेवल्स का बिजनेस शुरू किया था, उसके करीब 3 महीने बाद अप्रैल-2024 से गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लिए डब्बा कॉलिंग का काम करने लगा।

दिनेश एम.एन. ने बताया कि दुबई में आदित्य उर्फ टोनी ने ट्रेवल्स का बिजनेस शुरू किया। उसके करीब 3 महीने बाद अप्रैल-2024 से गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लिए डब्बा कॉलिंग का काम करने लगा। धमकी-फिरौती, हथियार व किसी भी व्यवस्था के लिए आदित्य उर्फ टोनी की ओर से डब्बा कॉलिंग करवाई जाने लगी। इससे पहले गैंग के लिए डब्बा कॉलिंग का काम अमरजीत बिश्नोई करता था। राजस्थान में धमकी देने के लिए गैंगस्टर्स को कॉल के लिए आदित्य उर्फ टोनी के डब्बा कॉल व्यवस्था कराने के बारे में ए.जी.टी.एफ. को पता चला था। आदित्य उर्फ टोनी के पासपोर्ट की जानकारी करने पर दुबई में होने का पता चला। इंटरपोल से रेड कॉर्नर नोटिस के साथ ही लुक आउट सर्कुलर भी जारी करवाया गया। इसके बाद 25 फरवरी को आर्मेनिया जाने के लिए आदित्य उर्फ टोनी, दुबई एयरपोर्ट पहुंचा, जहां दुबई पुलिस ने उसे हिरासत में लिया और ए.जी.टी.एफ. को सौंपा गया।

80 पेटी अवैध शराब जब्त, चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया

गिरफ्तार आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जा रही है

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी पुलिस ने शुक्रवार को अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस ने 80 पेटी देशी शराब व एक बिना नंबर की गाड़ी भी जब्त की है।

थानाधिकारी गोपाल लाल जांगिड़ ने बताया कि पुलिस की टीम थाने दर्ज मामलों की जांच के लिए पपुरना जा रही थी। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एक बिना नंबर की पिकअप गाड़ी में तीन व्यक्ति अवैध रूप से शराब भरकर ले जा रहे हैं। पिकअप गाड़ी बबाई से पपुरना होते हुए संजयनगर की ओर जा रही है। इस दौरान पुलिस टीम ने सड़क पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की तो पपुरना की ओर से आ रही सफेद रंग की पिकअप गाड़ी रूकने का इशारा किया तो गाड़ी ड्राइवर वापस मोड़कर गाड़ी को भगाने का प्रयास किया।

खेतड़ी पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

इस दौरान पुलिस टीम ने पिछाकर गाड़ी को रूकवाकर उसकी तलाशी ली तो उसमें अवैध रूप से लाई गई शराब भरी हुई थी। पुलिस ने गाड़ी में सवार व्यक्तियों से शराब के बारे में पूछताछ की तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। इस दौरान पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ढाणी झडिला तन बबाई निवासी जोशी बिजोरिया पुत्र महेंद्र बिजोरिया, ढाका की ढाणी सीकर निवासी राजेश पुत्र अर्जुन सिंह, मंडावरा निवासी भागीरथ पुत्र रतनलाल गुर्जर, पनिहार खंडेला निवासी गोकुलचंद पुत्र मुरली दास गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 80 पेटी देशी शराब व बिना नंबर की पिकअप गाड़ी को जब्त कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जा रही है। इस दौरान टीम में थानाधिकारी गोपाल लाल जांगिड़, एसआई देवेन्द्र कुमार, एचसी हेमराज, दिनेश कुमार, संदीप कुमार, कांस्टेबल महेश कुमार, कर्ण सिंह, बलवीर, भरतलाल आदि शामिल थे।

पिकअप से टकराई बाइक, महिला की मौत

युवक घायल, बाइक से भतीजी की शादी में जा रहे थे बुआ-भतीजा

पाली, (नि.सं.)। पाली में बहन की शादी में बुआ को लेने पाली आए युवक की बाइक बीच रास्ते पिकअप से टकरा गई। हादसे में बुआ की मौके पर ही मौत हो गई और भतीजा गंभीर घायल हो गया, जिसका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार चित्तौड़गढ़ जिले के मांगरोल गांव निवासी 30 वर्षीय अर्जुन पुत्र बाबूलाल की बहन आशा और पूजा की शादी 7 अप्रैल को शादी है। इसमें वह पाली शहर के सुमेरपुर रोड पर पावना पैलेस होटल के पास किराए के मकान में रहने वाली अपनी 40 वर्षीय बुआ केसर पत्नी राजू जोगी को लेने आया था। बुआ केसर को लेकर शुक्रवार सुबह बाइक से वह चित्तौड़गढ़ जिले के मांगरोल गांव के लिए रवाना हुआ। रास्ते में मारवाड़ जंक्शन थाना एरिया के हिंगोला खुर्द गांव के निकट इनकी बाइक को पिकअप ने टक्कर मार दी। इस हादसे में सिर में गंभीर चोट लगने से केसर देवी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में केसर का भतीजा अर्जुन गंभीर घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। उसका उपचार जारी है।

वाहन चोर गिरफ्तार, तीन बाइक बरामद

कोटा, (निसं)। उद्योग नगर पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया, जिसके पास से पुलिस ने चोरी की गई तीन मोटरसाइकिल भी बरामद की। शहर पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन ने बताया कि उद्योग नगर थाना इलाके में गोलूराम ने 2 अप्रैल को थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि 1 अप्रैल को मोटरसाइकिल से प्रेमनगर अर्फोडेबल में किसी के पास मिलने गया था और मोटरसाइकिल को बाहर चाय की दुकान के पास खड़ी की थी। जब वह वापस आया तो उसको मौके पर उसकी मोटरसाइकिल नहीं मिली जिसे कोई अज्ञात व्यक्ति चुरा ले गया। शहर एसपी ने बताया कि शहर एसपी ने बताया कि उद्योग नगर पुलिस टीम को गश्त के दौरान मुखबीर की सूचना पर पुलिस टीम ने थाना रानपुर निवासी महादेव गुर्जर को चोरी की मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया। शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी से पूछताछ में दो अन्य चोरी की वारदात स्वीकार किया जिस पर आरोपी की सूचना पर चोरी की गई दो अन्य मोटरसाइकिल को जब्त किया गया।

बिजली के टूटे तार से स्कूल परिसर में आग लगी, पेड़-पौधे जले

- ग्रामीणों ने स्कूल के ऊपर से गुजर रही 11 हजार केवी वोल्ट की लाइन को बदलने की मांग की

सादुलपुर, (निसं)। गुरूवार व शुक्रवार की बीती रात को चूरू जिले की राजगढ़ तहसील के नीमा गांव स्थित एक सरकारी स्कूल में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब स्कूल के ऊपर से गुजर रही 11 हजार केवी वोल्ट की बिजली लाइन का तार टूटकर गिर गया। तार गिरते ही स्कूल में आग लग गई, जिससे परिसर में लगे पेड़-पौधे जलकर राख हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। हमीरवास थाने के थाना अधिकारी जय कुमार भादू के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मी नेमीचंद, दयाराम, अमित, मनोज कुमार आदि ने आग बुझाने में अहम भूमिका निभाई। मौके की गंभीरता को देखते हुए करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

थाना अधिकारी जय कुमार भादू ने बताया कि स्कूल के ठीक ऊपर से 11 हजार केवी वोल्ट की विद्युत लाइन गुजर रही है। यह घटना एक बड़े हादसे का संकेत है। यदि यह लाइन भविष्य में भी स्कूल के पास से गुजरती रही तो और भी गंभीर परिणाम हो सकते हैं। गौरतलब है कि स्कूल परिसर में सुरक्षा के लिहाज से इस प्रकार की विद्युत लाइन का गुजरना अत्यंत खतरनाक है। समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, नहीं तो बड़ी जनहानि हो सकती थी। स्थानीय ग्रामीणों ने भी रात्रि में आग बुझाने में भरपूर सहयोग किया।

ग्रामीणों ने प्रशासन और बिजली विभाग से मांग की है कि स्कूल परिसर के ऊपर से गुजर रही हाई वोल्टेज लाइन को तुरंत दूसरी जगह स्थानांतरित किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर 25 किलो चांदी बरामद

- करेड़ा थाना क्षेत्र स्थित एक ज्वेलरी शॉप पर 29 मार्च की रात हुई चोरी की वारदात
- पुलिस बाकी चांदी के साथ ही सोने और नकदी की बरामदगी के प्रयास कर रही है

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के करेड़ा थाना क्षेत्र स्थित एक ज्वेलरी शॉप पर 29 मार्च की रात हुई चोरी की वारदात में गिरफ्तार छह आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने 25 किलो 200 ग्राम चांदी बरामद कर ली है। शेष माल की बरामदगी के प्रयास पुलिस कर रही है।

करेड़ा थाना प्रभारी पूरणमल मीणा ने बताया कि 29 मार्च को कस्बा निवासी गौतम कुमार रांका की आनंद ज्वैलर्स शॉप का शटर काटकर चोर करीब 250 ग्राम सोना, 35 से 40 किलो चांदी के पायजैब, बिछुड़ी, अंगूठी सेट, हाथ का ब्रासलेट व परचुनी सामान, ग्राहकों के चांदी के सामान, चांदी की कड़ियों की 2 जोड़ी, चांदी का कन्दौरा 3 और 65-70 हजार रूपये की नकदी चुरा ले गये थे। पुलिस ने इस वारदात का खुलासा करते हुये गत दिनों संजय पुत्र सांवरमल आचार्य, दीपक आचार्य पुत्र गोरीशंकर आचार्य निवासी करेड़ा, महेश विश्नोई पुत्र प्यारचन्द विश्नोई निवासी पुर, कुन्दन सिंह पुत्र उमराव सिंह पुरावतों का आकोला थाना सदर, लोकेन्द्र सिंह पुत्र गणपत सिंह करेड़ा व शुभम पुत्र अशोक विश्नोई निवासी सूरजपोल विश्नोई मोहल्ला पुर को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने आरोपितों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की। इसके बाद इन आरोपितों की निशानदेही से पुलिस ने 25 किलो 200 ग्राम चांदी के साथ ही वारदात में काम लिया गैस सिलेंडर बरामद कर लिया। पुलिस बाकी चांदी के साथ ही सोने और नकदी की बरामदगी के प्रयास कर रही है।

थाईलैंड की युवती को बुलाने वाला युवक गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं) फेसबुक फ्रेंड थाईलैंड की युवती को बुलाना एक युवक को महंगा पड़ गया। सीआईडी की पकड़ में आने पर युवक के खिलाफ कोतवाली में विदेशी विषयक अधिनियम 1946 के तहत मुकदमा दर्ज करवा दिया गया। कोतवाली पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया। विदेशी महिला को सीआईडी अधिकारियों ने दिल्ली भिजवा दिया। हालांकि उसके पास भारत का नवंबर 2025 तक का टूरिस्ट वीसा मौजूद था।

कोतवाली थाना के जांच अधिकारी हैड कांस्टेबल महावीर बिश्नोई ने बताया कि अर्जुन कॉलोनी निवासी हरप्रीत सिंह पुत्र बलदेव सिंह और एल ब्लॉक निवासी जहूर अहमद पुत्र गुलाम मोहम्मद तेली और फ्लैट मालिक अमित चुघ के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जांच अधिकारी के अनुसार थाईलैंड निवासी 30 वर्षीय युवती 30 मार्च को श्रीगंगानगर पहुंची थी। यहां उसे जहूर अहमद ने अपने दोस्त अमित चुघ के एल ब्लॉक स्थित फ्लैट में ठहरा दिया। आरोपी हरप्रीत सिंह तथा जहूर अहमद तेली ने इसकी सूचना सीआईडी जोन कार्यालय को फार्म सी में भरकर देनी थी, लेकिन नहीं दी। सीआईडी जोन को इसका पता चला तो अधिकारी मकान पर पहुंचे। जांच पड़ताल के दौरान पता चला कि 30 मार्च से लेकर 2 अप्रैल तक आरोपितों ने युवती को अवैध रूप से फ्लैट में रखा। इस पर सीआईडी जोन के एसआई जगदीश प्रसाद की ओर से कोतवाली में मुकदमा दर्ज करवा दिया। जांच अधिकारी ने बताया कि आरोपी जहूर अहमद को गिरफ्तार कर न्यायालय के सामने पेश किया गया। थाईलैंड निवासी युवती को सीआईडी जोन अधिकारियों ने दिल्ली भिजवा दिया। पूछताछ में सामने आया कि जहूर अहमद और अन्य के साथ इस युवती की फेसबुक पर करीब छह माह पहले दोस्ती हुई थी। आपस में रोजाना चैटिंग और वीडियो कॉलें होती रही हैं। आरोपियों ने युवती को यहां मिलने को बुला लिया लेकिन इसकी सीआईडी जोन ऑफिस को सूचना नहीं दी।

उल्लेखनीय है कि किसी भी विदेशी नागरिक के भारत में ठहरने की सूचना उस व्यक्ति को सीआईडी को देनी होती है जिसके यहां विदेशी नागरिक ठहरा हुआ है। उदाहरण के तौर पर होटल, धर्मशालाओं में विदेशी नागरिकों के चेकइन के दौरान ही ऑनलाइन इंट्री में फार्म सी भरा जाता है। इसकी स्वत: ही संबंधित क्षेत्र के सीआईडी जोन ऑफिस में सूचना पहुंच जाती है। इसके बाद सीआईडी टीम संबंधित विदेशी नागरिक की तस्दीक और निगरानी करते हैं, ताकि देश की आंतरिक सुरक्षा को किसी तरह का खतरा नहीं हो।

पांच वर्ष में भर्ती किए कर्मचारियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया

भीलवाड़ा, (निसं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार ग्राम विकास अधिकारी एवं कनिष्ठ लिपिक भर्ती 2013 के तहत विगत 5 वर्षों में भर्ती किए गए कर्मचारियों के दस्तावेज सत्यापन एवं ऑडिट पेरा निस्तारण के क्रम में जिला परिषद भीलवाड़ा से पहुंची कमेटी द्वारा पंचायत समिति शाहपुरा के सभागार में जहाजपुर के 12 एवं शाहपुरा के 9 कर्मचारियों के दस्तावेजों की जांच की गई। जांच दल में गौरव सोमानी वरिष्ठ लेखा अधिकारी, वीणा अग्रवाल सहायक विधि परामर्शी एवं प्रमोद कुमार जैन सहायक प्रशासनिक अधिकारी जिला परिषद भीलवाड़ा के साथ ही पंचायत समिति जहाजपुर से अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी बी के पारीक, पंचायत समिति शाहपुरा से बीडीओ प्रकाश चंद्र स्वर्णकार, रवि कुमार खटीक सहायक लेखाधिकारी, सूर्यप्रकाश शर्मा सहायक प्रशासनिक अधिकारी, मिश्रीलाल कोली कार्य सहायक विकास अधिकारी, मुकेश कुमार धाकड़ कनिष्ठ सहायक उपस्थित रहे।

पायलट कभी-कभी राजस्थान आते हैं : के.के. विश्नोई

- उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री ने किया पलटवार

जयपुर। उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के.के. विश्नोई ने कहा कि पायलट साहब कभी-कभी राजस्थान आते हैं, लेकिन उनको राजस्थान में तीव्र गति से हो रहे विकास का ज्यादा ज्ञान नही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पहले ही वर्ष में राजस्थान को आर्थिक समृद्धि एवं विकास के विजन के साथ अलग-अलग क्षेत्रों से 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए। विश्नोई ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी मंत्रियों व सभी अधिकारियों को इस बात के लिए निर्देशित किया कि एक-एक इन्वेस्टर के लिए काम होना चाहिए और उन्हें कोई समस्या आ रही है तो निस्तारण होना चाहिए। इसे लेकर खुद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 1 हजार करोड़ रूपये से ऊपर की राशि के एमओयू की हर माह 11 तारीख को समीक्षा बैठक करते हैं। इसी का परिणाम है कि जहां कांग्रेस पार्टी का पूरा शासन अपने समय के निवेश कार्यक्रमों का 2 प्रतिशत एमओयु भी धरातल पर नही उतार पाया, वहीं केवल 3 महीने में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 3 लाख करोड़ रूपये के एमओयु को धरातल पर उतर चुके हैं।

उन्होंने कहा कि पायलट पिछले 6-7 वर्षों से कांग्रेस मे अपने वजूद को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, इसलिए सुर्खियों में रहने के लिए आजकल बयानबाजी कर रहे हैं। लेकिन कल सुबह देखना पायलट साहब के बयान को नीचा करने के लिए डोटासरा, जूली, गहलोत नया बयान जारी कर देंगे। विश्नोई ने कहा कि 5 साल की कांग्रेस की सरकार में जो अपमान पायलट ने झेला है, हम उस दर्द को समझते हैं। हम उनका सम्मान करते हैं इसलिए आशा करते हें कि प्रदेश के हित में वो अपने दूसरे बडबोले नेताओं के तर्कहीन व झूठी बयानबाजी की रेस में शामिल ना हो।

फर्जी हस्ताक्षर कर बैंक से निकाले 2.20 लाख रुपए बरामद

आरोपियों ने सात चेकों से 9.95 लाख रुपए निकाले थे

खेतड़ी, (निसं)। बबाई पुलिस ने फर्जी हस्ताक्षर कर रूपए निकालने के मामले में आरोपियों से 2.20 लाख रुपए बरामद किए हैं।

थानाधिकारी कैलाश चंद्र ने बताया कि 5 फरवरी 2025 को गाडराटा पंचायत की ढाणी जालपाला हाल आबाद आईवाला निवासी सुभाष सैनी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उसका एसबीआई बैंक शाखा बबाई में खाता है, जिसकी चैक बुक जारी करवा रखी है, जो उसके घर आलमारी में रखी हुई थी, जिसमें से किसी ने उसमें सात चेक चुरा ले गए, जिनमें से 6 चेकों पर उसके फर्जी हस्ताक्षरों से बबाई बैंक से 9.95 लाख का भुगतान ले लिया। सातवें चेक के भुगतान के समय बैंक ने उसको सूचित किया, जिस पर स्वयं सुभाष ने थाने में मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी पंकज सैनी ढाणी जालपाला हाल आबाद ढाणी आईवाला तन गाडराटा व उसके दो साथी विनोद कुमार सैनी व सुमेर सैनी ढाणी जोसीवाली तन मावन्डा खुर्द थाना कोतवाली जिला सीकर को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। पुलिस ने पंकज सैनी को न्यायालय में पेश किया तो उसे जेल भेज दिया। वहीं आरोपी विनोद व सुमेर से गहनता से पूछताछ करने पर विनोद कुमार के कब्जे से दो लाख रुपये व सुमेर के कब्जे से बीस हजार रुपए बरामद किए। थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जा रही है तथा और भी वारदातें खुलने की संभावना है।

बबाई पुलिस ने फर्जी हस्ताक्षर कर रूपए निकालने के मामले में आरोपियों को गिरफ्तार किया।

भीलवाड़ा जिले में विभिन्न मेडिकल स्टोर्स की जांच

कई मेडिकल स्टोर्स के लाइसेंस निलंबित किये

- नियमों की पालना नहीं करने पर कार्रवाई की

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले में स्थित कई मेडिकल स्टोर्स के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। यह कार्रवाई औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 और नियमावली 1945 के प्रावधानों के तहत की गई है।

निलंबित किए गए मेडिकल स्टोर्स में नवल मेडिकल एंड जनरल स्टोर सांगरिया तहसील फूलिया कलां, मैसर्स गुप्तेश्वर मेडिकल स्टोर सास्वाके के सामने कोटा रोड़ मांडलगढ़, मैसर्स जैन मेडिकल स्टोर 29, नागोरियों की बगीची माणिक्य नगर भीलवाड़ा, मैसर्स सवाईभोज मेडिकल स्टोर हॉस्पिटल रोड़ आसींद, मैसर्स बालाजी मेडिकल स्टोर, मंडपिया स्टेशन भीलवाड़ा और मैसर्स जी एन मेडिकल एण्ड जनरल स्टोर मांडल शामिल हैं। अनुज्ञापन प्राधिकारी एवं सहायक औषधि नियंत्रक महेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं में रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट की अनुपस्थिति, शिड्यूल एच 01 औषधियों का विक्रय विवरण प्रस्तुत नहीं करना, शिड्यूल एच 01 रजिस्टर संधारित नहीं करना और निरीक्षण पुस्तिका उपलब्ध नहीं कराना शामिल हैं। उन्होंने नियमों की पालना नहीं करने पर लाइसेंस को निलंबित कर दिया है।

निलंबन की अवधि इस प्रकार है :-नवल मेडिकल एंड जनरल स्टोर का लाइसेंस 15 अप्रैल से 24 अप्रैल 2025 तक के लिए निलंबित किया गया है। इसी प्रकार मैसर्स गुप्तेश्वर मेडिकल स्टोर का लाइसेंस 15 अप्रैल से 19 अप्रैल 2025 तक, मैसर्स जैन मेडिकल स्टोर का लाइसेंस 15 अप्रैल से 18 अप्रैल 2025 तक, मैसर्स सवाईभोज मेडिकल स्टोर का लाइसेंस 15 अप्रैल से 24 अप्रैल 2025 तक, मैसर्स बालाजी मेडिकल स्टोर का लाइसेंस 15 अप्रैल से 24 अप्रैल 2025 तक, मैसर्स जी एन मेडिकल एण्ड जनरल स्टोर का लाइसेंस 15 अप्रैल से 24 अप्रैल 2025 तक के लिए निलंबित किया गया है।

युवक ने आत्महत्या की

निवाई, (निसं)। जयपुर-मुंबई रेलवे ट्रैक पर शुक्रवार को सदर थाना निवाई क्षेत्र के चैनपुरा व गुंसी के बीच एक युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली, जिससे शादी की खुशियों वाले घर में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक युवक की पहचान उसके जेब में मिले आधार कार्ड से हुई है। सूचना मिलने पर सदर थानाधिकारी हीरालाल पुलिस जाब्ता के साथ मौके पर पहुंचे और मृतक के शव को कब्जे में लेकर चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया।

गुंसी चौकी इंचार्ज मुकेश चौधरी ने बताया कि जयपुर-मुंबई रेलवे ट्रैक पर पिलर संख्या 72/07 पर जबलपुर अजमेर एक्सप्रेस के सामने कूदकर 23 वर्षीय युवक ने आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि मृतक की जेब से आधार कार्ड मिलने से शव की पहचान रमेश स्वामी पुत्र रामदयाल स्वामी निवासी बहड़ के रूप में हुई है। शिनाख्त होने पर तत्काल परिवार जनों को सूचना दी गई। परिजनों के पहुंचने के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक का शव गांव पहुंचते ही घर में कोहराम मच गया और शादियों की खुशियां गम में बदल गई और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। लोगों ने बताया कि मृतक युवक तीन बहनों में इकलौता भाई था। युवक की शादी 30 अप्रैल व बड़ी बहन की शादी छह अप्रैल को होनी थी।

मिट्टी व केमिकल से नकली सरसों बनाकर बेचने वालों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा

- जनवरी में खैरथल पुलिस थाने में नेफेड अधिकारी ने नकली सरसों का मुकदमा दर्ज कराया था
- छह आरोपियों से पुलिस ने नकली सरसों बनाने के काम ली जाने वाली मशीनें, विद्युत मोटर छलनी आदि जब्त की

किशनगढ़ बास, (निसं)। खैरथल-तिजारा एसपी मनीष कुमार चौधरी के निर्देशन में किशनगढ़ बास डीएसपी राजेंद्र सिंह निर्वाणा ने पुलिस की डीएसटी व साइबर सेल टीम की मदद से पकड़े छह आरोपियों को शुक्रवार को किशनगढ़बास न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजे जाने के आदेश दिए गए। उल्लेखनीय है कि 4 महीने पहले व्यापारियों की शिकायत पर नेफेड अधिकारी ने जांच कर नकली सरसों का बड़ा खुलासा कर खैरथल पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया था।

मामले की जांच डीएसपी राजेंद्र सिंह को सौंपी गई थी। डीएसपी राजेंद्र सिंह ने एसपी मनीष चौधरी के निर्देशन में पुलिस की डीएसटी व साइबर टीम के साथ नकली सरसों बनाने व बनाकर बेचने के कारोबार को अंजाम दे रहे आरोपियों को पकड़ने के लिए जाल बिछाया और गिरोह के छह शातिर लोगों को पकड़कर नकली सरसों बनाने का भंडाफोड़ करने में बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस ने पकड़े गए शातिर आरोपियों के पास से नकली सरसों बनाने मे काम ली जाने वाली मशीने, विद्युत मोटर छलनी आदि भी जब्त की।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट में पेश किया।

पुलिस ने बताया नकली सरसों आरोपी माधो चौधरी पुत्र किशन सिंह जाट निवासी खेड़ी रामगढ़, संविदाकर्मी सहकारी क्रिया-विक्रय समिति रामगढ़ जो नकली सरसों की मिलावट करने का कार्य करता था, उन्नस खान पुत्र रत्न खान निवासी डहरा का बास अलवर, अपने घर पर असली सरसों के कट्टों को ट्रक से उतारकर उसमें नकली सरसों की मिलावट करने का कार्य करता था, साहिल खान पुत्र सॉहुन खान निवासी बझेडी गोविंदगढ़, क्रय-विक्रय सहकारी समिति रामगढ़ से वेयर हाउस खैरथल पर सरसों को ट्रक में लोड कर पहुंचने का काम करता। इसी प्रकार सुरेश यादव पुत्र सादा राम यादव निवासी धनखेड़ा (अलवर) जिसने अपने घर पर तीन मशीन लगाकर नकली सरसों बनाई व माधो चौधरी को बेचान किया। वहीं ओमप्रकाश पुत्र नेमीचंद ब्राहमण निवासी बामबोली (अलवर) ने सुरेश यादव के घर पर नकली सरसों बनाई। सुरेश चौधरी पुत्र कचौड़ी राम निवासी (अलवर) ने भी सुरेश यादव के घर पर नकली सरसों बनाई। पुलिस ने बताया आरोपी मिट्टी व केमिकल मिलाकर छलनी से छानकर नकली सरसों तैयार किया करते थे।

पुलिस कार्रवाई टीम में डीएसपी राजेंद्रसिंह, डीएसटी टीम में सद्दीक खान एएसआई, कृष्ण कुमार, सतपाल, महेश सैनी, ओमप्रकाश व हरीश कुमार साइबर सेल, कुर्शीद अहमद थे।

यह कराया गया था मामला दर्ज :-महेंद्र सिंह रावत पुत्र रासा सिंह रावत निवासी जयपुर हाल राज्य प्रमुख नेफेड राज जयपुर ने जनवरी 2025 मे खैरथल थाने मे मामला दर्ज कराया था कि नेफेड द्वारा विभिन्न क्रय-विक्रय सहकारी समिति के माध्यम से किसानों से सरसों खरीद कर राजस्थान राज्य भंडारण निगम कस्बा खैरथल पर सरसों की 151 573 बोरी वजन 7576.40 एमटी जमा की गई थी। 4 नवंबर से 26 नवंबर तक 1,49,383 बोरी वजन 7470.808 एम टी की निकासी की गई है एवं भंडार गृह में 2190 बोरी वजन 105.595 एमटी शेष रहा था। उक्त बिक्री के दौरान खरीद पार्टियों द्वारा जमा स्टॉक में नकली मिलावटी सरसों का मिश्रण प्राप्त होने की शिकायत पर राज्य भंडार गृह खैरथल में संयुक्त जांच की गई। भंडार गृह में डिलीवरी संपन्न होने के पश्चात 6 जनवरी 2025 तक 1450 कट्टे से शेष बचे मिलावटी (नकली) नकली स्टॉक का भंडारण कर राज कोष को हानि पहुंचाने का मुकदमा दर्ज कराया गया।

अपनी राष्ट्रीय टीम की कप्तानी छोड़कर हल्का महसूस कर रहा हूं। इस कारण मैं आईपीएल में अपनी नई मानसिकता के साथ आजाद होकर खेल रहा हूं। - जोस बटलर

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान, टीम की कप्तानी छोड़ने के बाद बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा

ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा जल्द ही भाला फेंक प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हुए नजर आएंगे। दरअसल, हरियाणा के पंचकूला के ताऊ देवी लाल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 24 मई को क्लासिक भाला फेंक इवेंट का आयोजन होगा जिसमें नीरज चोपड़ा भी हिस्सा लेंगे।चोपड़ा 374 दिनों के अंतराल के बाद भारत में प्रतिस्पर्धा करेंगे और घरेलू मैदान पर उनकी आखिरी प्रतियोगिता मई 2024 में भुवनेश्वर में फेडरेशन कप होगी। साथ ही उनकी घरेलू मैदान पर उनकी आखिरी प्रतियोगिता मई 2024 में भुवनेश्वर में फेडरेशन कप थी।

क्या आप जानते हैं ?... भारत के नेविल डिसूज़ा मेलबर्न में आयोजित 1956 ओलंपिक में हैट्रिक गोल दागने वाले पहले एशियाई फुटबॉलर हैं।

आईपीएल के इतिहास में हार्दिक पंड्या ने किया कारनामा

लखनऊ, 4 अप्रैल। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ वो कर दिखाया है जो 18 साल के इतिहास में आज से पहले नहीं हुआ था। पंड्या ने ये काम अपनी गेंदबाजी से किया है। इकाना स्टेडियम में पंड्या ने बेहतरीन गेंदबाजी की और पांच विकेट लिए। इसी के साथ वह लीग के इतिहास में एक काम करने वाले पहले कप्तान बन गए हैं।पंड्या ने इस मैच में चार ओवरों में 36 रन देकर पांच विकेट लिए। उन्होंने निकोलस पूरन, ऋषभ पंत, डेविड मिलर, एडेन मारक्रम, आकाशदीप के विकेट झटके। देखा जाए तो पंड्या ने अपनी गेंदबाजी से लखनऊ के बड़े बल्लेबाजों का शिकार किया। इसी के साथ पंड्या आईपीएल के इतिहास में एक पारी में पांच विकेट लेने वाले पहले कप्तान बन गए हैं। उनसे पहले अभी तक किसी भी कप्तान ने आईपीएल में ये पंजा नहीं खोला था। इसी के साथ ये पंड्या ने आईपीएल में और अपने टी20 करियर में भी पहली बार एक पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा किया है। पंड्या ने इस मैच में पिच को अच्छे से समझा और उसके मुताबिक ही गेंदबाजी की।

आदिवासी युवक ने क्रिकेट ड्रीम 11 टीम बना कर जीता तीन करोड़ का जैकपॉट

मिर्जापुर, 4 अप्रैल। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के आदिवासी बहुल अतिपिछड़े गांव पंडरिया निवासी एक आदिवासी युवक ने क्रिकेट ड्रीम 11 फैंटेसी स्पोर्ट्स प्लेटफार्म पर टीम बना कर तीन करोड़ रुपए के सबसे बड़ी जैकपॉट जीता है। इस जीत की यहां अच्छी खासी चर्चा है। इसे क्रिकेट के प्रति दीवानागी कहे या किस्मत की मेहरबानी उस क्षेत्र का जहां शिक्षा अपेक्षा कृत बहुत कम है वहां का निवासी आदिवासी दयाराम कोल ने ऐसी टीम बनाई की उसके भाग्य के दरवाजे खुल गए। उसे इनकम टैक्स काट दो करोड़ दस लाख रुपए मिल भी गए। जिसे उसने अपनी और अपनी पत्नी के नाम मड़िहान स्थित इंडियन बैंक में 70, 70 लाख रुपए का फिक्स डिपॉजिट करा दिया है। शेष पैसे से मकान बनाने एवं गाड़ी खरीदने का प्लान है।

जुलाई में इटली में खेली जाएगी होपमैन कप मिश्रित टीम टेनिस प्रतियोगिता

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ ने घोषणा की है कि इस साल का होपमैन कप इटली के दक्षिणी शहर बारी में खेला जाएगा। इस मिश्रित टीम टूर्नामेंट में इटली, फ्रांस, स्पेन, यूनान, कनाडा और मौजूदा चैंपियन क्रोएशिया की टीमें हिस्सा लेंगी। इसका आयोजन विंबलडन के एक सप्ताह बाद 16 से 20 जुलाई तक किया जाएगा। होपमैन कप के लिए टीमों में एक पुरुष और एक महिला खिलाड़ी शामिल होते हैं। इसके एक मुकाबले में एक पुरुष एकल मैच, एक महिला एकल मैच और एक मिश्रित युगल मैच शामिल होता है। इस टूर्नामेंट से खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक नहीं मिलते हैं। ऑस्ट्रेलिया के महान खिलाड़ी हैरी होपमैन के नाम पर, होपमैन कप 1989 में शुरू हुआ और 2020 तक हर साल खेला जाता था। पहले 30 वर्ष तक इसका आयोजन ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर में टेनिस सत्र के पहले सप्ताह में किया जाता था। आखिरी बार इसका आयोजन 2023 में फ्रांस में हुआ था जिसमें क्रोएशिया के डोना वेकिच और बोर्ना कोरिच चैंपियन बने थे।

इशान के आठ गोल से दिल्ली ऑडिट को मिली बड़ी जीत

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। इशान के आठ गोलों मदद से दिल्ली ऑडिट ने दिल्ली परिवहन निगम को 13-1 से रौंदकर डीएसए संस्थानिक लीग में पहली जीत का स्वाद चखा। शुक्रवार को राजधानी स्थित ईस्ट विनोद नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स मैदान पर खेले गए एकतरफा मुकाबले में इशान ने दोहरी हैट्रिक सहित आठ गोल जमा कर किसी मैच में सर्वाधिक गोल दागने का सम्मान पाया। उनके अलावा ओबेद ने भी तिकड़ी बनाई और बाकी के दो गोल नितीश और विक्रम ने किए। पराजित टीम के लिए एकमात्र गोल गौरव ने दागा। दिन के पहले मैच में उत्तर रेलवे ने दिल्ली विकास प्राधिकरण को 2-0 से हराया और जीत की हैट्रिक पूरी करके सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी संभावना को मजबूत किया है। उत्तर रेलवे की जीत में दोनों गोल पुनीत पाल सिंह ने जमाए। ग्रुप 'ए' से डीडीए और डीटीसी पहले ही दौड़ से बाहर हो चुके हैं। ग्रुप 'ए' से भारतीय खाद्य निगम उत्तर क्षेत्र और एफसीआई हेड क्वार्टर के अलावा उत्तर रेलवे अंतिम चार की दौड़ में काफी आगे चल रहे हैं। डीडीए ने अपनी एकमात्र जीत डीटीसी के खिलाफ हासिल की थी। दिल्ली ऑडिट की उम्मीद एफसीआई की दोनों टीमों के खिलाफ मुकाबले के नतीजे पर निर्भर है

मार्श-मारक्रम के पराक्रम से लखनऊ का घर में खुला जीत का खाता

लखनऊ, 4 अप्रैल। मिचेल मार्श (60) और एडन मारक्रम (53) की विस्फोटक शुरुआत के बाद आयुष बडोनी (30) और डेविड मिलर (27) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 12 रन से रोमांचक जीत दर्ज की। इसके साथ ही एलएसजी ने इकाना स्टेडियम पर जीत का खाता खोल दिया है।

लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये आठ विकेट पर 203 रन का स्कोर खड़ा किया था जिसके जवाब में मुंबई इंडियंस पांच विकेट पर 191 रन ही बना सकी। कप्तान हार्दिक पंड्या (36 रन पर पांच विकेट और 28 रन नाबाद) के अलावा सूर्य कुमार यादव (67) व नमन धीर (46) की सूझबूझ पारियों से 18वें ओवर तक जीत के लिये प्रयासरत थी मगर तिलक वर्मा के 25 रन के स्कोर पर रिटायर्ड हर्ट होने के कारण मुंबई की उम्मीदों को करारा झटका लगा।

पंड्या ने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर छक्का लगा कर जीत के करीब पहुंचने का भरसक प्रयास किया मगर कसी हुयी गेंदबाजी के आगे उनकी कोशिश नाकाम साबित हुयी। मुंबई के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा चोट के कारण आज का मैच नहीं खेले। उनकी जगह पारी की शुरुआत विल जैक्स (5) और रायल रिकल्टन (10) ने की।

ओपनर्स के सस्ते में आउट होने के बाद नमन धीर ने सूर्य कुमार यादव के साथ स्कोरबोर्ड को तेजी से आगे बढ़ाया। नमन ने आक्रामक अंदाज से खेलते हुये मात्र 24 गेंदों की पारी में चार चौके और तीन छक्के कूट दिये थे। नमन के आउट होने के बाद सूर्या और तिलक वर्मा (25 रिटायर्ड हर्ट) ने अपने स्वभाव के विपरीत संयम के साथ खेलना शुरु किया जिससे बीच के ओवरों में रन गति पर फर्क पड़ा और अंततः यह सुस्ती टीम की हार का कारक बनी। इस बीच सूर्य आवेश खान की विकेट से दूर जाती गेंद को छेड़ने के प्रयास में डीप स्क्वायर लेग पर कैच आउट हो गये। सूर्या के आउट होने के समय मुंबई को प्रति ओवर 12 रन से ज्यादा की जरूरत थी। पंड्या ने क्रीज पर आते ही रनो की रफ्तार को बढाने का प्रयास किया मगर तिलक के चोटिल होने से उनकी मुश्किलें और बढ़ गयी।

आईपीएल के मौजूदा सत्र में निराशाजनक प्रदर्शन कर रहे एलएसजी के कप्तान रिषभ पंत का बल्ला आज नहीं चला और वह मात्र दो रन ही बना सके। दूसरी ओर लखनऊ को बड़े स्कोर की तरफ बढ़ने से रोकने में मुंबई के हार्दिक पंड्या की भूमिका अहम रही जिन्होने पंड्या ने मारक्रम, निकोलस पूरन, पंत, डेविड मिलर और आकाशदीप के महत्वपूर्ण विकेट झटके।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ धोनी करेंगे चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी

चेन्नई, 4 अप्रैल। शनिवार, 5 मार्च को दोपहर 3.30 बजे चेपॉक स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच आईपीएल 2025 का 17वां मुकाबला खेला जाएगा। इस मुकाबले में विकेटकीपर बल्लेबाज एमएस धोनी चेन्नई की कप्तानी कर सकते हैं। दरअसल, सीएसके के नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले के दौरान कोहनी में चोट लगी थी। अगर वह इस मुकाबले से पहले पूरी तरह से फिट नहीं होते हैं तो धोनी को कमान सौंपी जा सकती है।वहीं ये अपडेट तब सामने आया जब दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में ऋतुराज गायकवाड़ की भागीदारी पर संदेह है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच के दौरान चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान को तुषार देशपांडे की गेंद पर चोट लग गई थी।

जयपुर पिंक कब्स ने जीता युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप का खिताब

हरिद्वार, 4 अप्रैल। जयपुर पिंक कब्स ने शुक्रवार को युवा योद्धाओं को 35-29 से हराकर युवा ऑल स्टार्स का खिताब अपने नाम कर लिया। हरिद्वार के वंदना कटारिया इंडोर स्टेडियम में युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप के फाइनल मुकाबले के शुरुआती दौर में दोनों टीमें 8-8 अंक से बराबरी पर थी, लेकिन फिर योद्धास ने पिंक कब्स को ऑल आउट कर 12-9 की बढ़त ले ली, जिसके चलते पहले हाफ में उत्तर प्रदेश की यह टीम 16-15 से आगे थी।

दूसरे हाफ में भी दोनों टीमों ने जमकर मुकाबला किया और स्कोर 20-20 की बराबरी पर पहुंच गया। तभी अनिल की रेड ने जयपुर पिंक कब्स को युवा योद्धास पर ऑल आउट करने का मौका दिया, जिससे उन्हें चार अंकों की बढ़त मिल गई। इसके बाद दोनों टीमों ने सफल रेड और टैकल से अंक बटोरे, लेकिन जयपुर पिंक कब्स ने अपनी बढ़त बनाए रखी और युवा योद्धास की वापसी की सभी कोशिशों को नाकाम कर दिया।

जयपुर पिंक कब्स ने 25 रेड पॉइंट्स और 8 टैकल पॉइंट्स अर्जित किए, जबकि योद्धास ने 22 रेड पॉइंट्स और 5 टैकल पॉइंट्स हासिल किए। दोनों टीमों ने एक दूसरे को 2-2 बार ऑल आउट किया। खेल की सबसे अविस्मरणीय बात ये रही कि पूरे मुकाबले के दौरान कोई भी टीम एक भी सुपर रेड या सुपर टैकल नहीं कर सकी।

27 करोड़ के ऋषभ पंत फिर हुए फ्लॉप

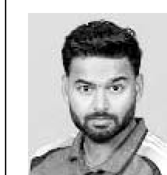

लखनऊ, 4 अप्रैल। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास में अब तक के सबसे महंगे खिलाड़ी रिषभ पंत की खराब फार्म शुक्रवार को जारी रही। मुंबई इंडियंस के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबले में पंत अपनी टीम के लिये मात्र दो रनों का ही योगदान दे सके। मिचेल मार्श और एडन मारक्रम ने टीम को अच्छी शुरुआत दे दी थी। हालांकि मार्श के बाद निकोलस पूरन ने अपना विकेट जल्दी गंवा दिया था मगर टीम पर कोई दबाव नहीं था। ऐसे समय में इकाना स्टेडियम में बैठे 45 हजार दर्शक अपने चहेते खिलाड़ी से एक अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद लगा कर बैठे थे।

आज पारी की शुरुआत से ही पंत सहज नहीं दिख रहे थे और अंततः हार्दिक पंड्या की लेग स्टंप पर धीमी गति की गेंद को मारने के प्रयास में वह मिडऑफ पर कैच आउट हो गये। उनके आउट होते ही दर्शक दीर्घा में सन्नाटा छा गया। एलएसजी के लिये पंत अब तक अपनी फार्म नहीं दिखा सके हैं। उन्होने आईपीएल के मौजूदा सत्र में अब तक खेले गये चार मैचों में मात्र 19 रन बनाये हैं जिसमें हैदराबाद के खिलाफ उनके 15 रन शामिल हैं। अपनी पूर्ववर्ती टीम दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ तो वह खाता भी नहीं खोल सके थे। वर्ष 2016 से पिछले सत्र तक दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व करने वाले पंत का यह अब तक सबसे खराब प्रदर्शन रहा है। पंत ने दिल्ली के लिये 111 मैच खेले हैं जिसमें 2018 में उन्होने दिल्ली के लिये एक यादगार पारी (128 नाबाद) खेली थी। आईपीएल 2024 में पंत ने दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व करते हुये 13 मैचों में 155 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की थी। उनके प्रदर्शन को देखते हुये एलएसजी ने उन्हें 27 करोड़ रुपये में खरीदा था।

लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ रोहित को नहीं मिली मुंबई टीम में जगह

लखनऊ, 4 अप्रैल। आईपीएल 2025 का 16वां मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेला जा रहा है। जहां मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। वहीं हार्दिक ने इस दौरान मुंबई के फैंस को निराश करते हुए कहा कि, रोहित शर्मा टीम से बाहर हैं। साथ ही मुंबई के कप्तान ने जसप्रीत बुमराह को लेकर भी अपडेट दिया है। हार्दिक पंड्या ने बताया कि, हम पहले गेंदबाजी करेंगे। रोहित शर्मा के घुटने में चोट लगी है जिस कारण वह मैच से बाहर हैं। जसप्रीत बुमराह को जल्द ही वापस आना चाहिए। हार्दिक पंड्या ने पिच को लेकर कहा कि, विकेट ताजा लग रहा है। पता नहीं ये कैसा खेलेगा। अच्छा ट्रैक लग रहा है। बाद में ओस आ सकती है सोचा कि चेज करना बेहतर होगा।

मुंबई इंडियंस के कप्तान ने आगे कहा कि, मुझे लगता है कि हमने सामूहिक रूप से ये फैसला लिया है कि हम विकेट के बारे में बात नहीं करेंगे। हम यहां अच्छा क्रिकेट खेलने आए हैं। ड्रेसिंग रूम में हम इसी बारे में बात करते हैं। चलिए छोड़िए पिच को लेकर बात नहीं करते। वहीं दूसरी तरफ लखनऊ सुपर जायंट्स को पहले बल्लेबाजी करके बड़ा स्कोर बनाना होगा जिससे की वो इस मैच को अपने पाले में कर सके। फिलहाल टीम ने एक बदलाव किया है। एम सिद्धार्थ के स्थान पर मध्यम तेज गेंदबाज आकाशदीप को टीम में जगह मिली है।

सप्तक ने जीता अदानी आमंत्रण गोल्फ चैम्पियनशिप में अपना पहला खिताब

ग्रेटर नोएडा, 4 अप्रैल। ग्रेटर नोएडा के सप्तक तलवार ने शुक्रवार को डेढ़ करोड़ रुपये इनामी राशि वाली अदानी आमंत्रण गोल्फ चैंपियनशिप 2025 में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों को पांच अंडर 67 के शानदार अंतिम राउंड के साथ मात देकर अपने पहले खिताब के लिए लंबे इंतजार को खत्म कर दिया। जेपी ग्रीन्स गोल्फ एंड स्पा रिसॉर्ट में खेले गए मैच में 26 वर्षीय सप्तक (67-72-69-67) के शानदार अंतिम राउंड के प्रयास ने उन्हें दो स्थान ऊपर उठा दिया। 2021 में पेशेवर बनने के बाद से पीजीटीआई में दो रनर-अप फिनिश दर्ज करने वाले तलवार ने सप्ताह का अंत 13-अंडर 275 के विजयी टोटल और एक-स्ट्रोक की जीत के अंतर के साथ किया। पेशेवर बनने से पहले अमेरिका के कनेक्टिकट में सेक्रेड हार्ट यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करने वाले तलवार ने 22 लाख 50 हजार रुपये का विजयी चेक प्राप्त किया। वह पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में सातवें से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

भारत-श्रीलंका के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला से बाहर रहेगी काप

केपटाउन, 4 अप्रैल। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के मद्देनजर दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका में होने वाले आगामी वनडे मैचों के लिए मारिजाने काप को आराम दिया है। दक्षिण अफ्रीका ने इस महीने के अंत में श्रीलंका और भारत के खिलाफ होने वाली त्रिकोणीय श्रृंखला से पहले प्रशिक्षण शिविर के लिए शुक्रवार को 20 सदस्यीय महिला टीम की घोषणा की। छह से 14 अप्रैल के बीच होने वाले एक सप्ताह के प्रशिक्षण शिविर में तीन अनकैप्ड खिलाड़ी विकेटकीपर बल्लेबाज कराबो मेसो, ऑलराउंडर मियान स्मिट और स्पिनर सेशनी नायडू शामिल होंगे।

इस बीच, अनुभवी ऑलराउंडर मारिजाने काप शिविर के साथ-साथ श्रीलंका में होने वाली आगामी त्रिकोणीय श्रृंखला से भी बाहर रहेंगी। दक्षिण अफ्रीका को लगातार आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल (2023 और 2024 महिला टी20 विश्व कप) तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने वाले काप को अगले दौरों और इस साल के अंत में भारत में होने वाले महिला क्रिकेट विश्व कप की तैयारी के लिए आराम दिया गया है।

प्रोटियाज महिला टीम के मुख्य कोच मंडला माशिंबी ने प्रशिक्षण शिविर के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से बताया। सीएसए ने उनके हवाले से कहा, हम विकेट के बीच दौड़ने, रोटेशनल गेम खेलने पर बहुत ध्यान केंद्रित करेंगे, जिससे जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। माशिम्बी ने कहा मैं नये खिलाड़ियों को हमारे वातावरण में देखने के लिए उत्सुक हूं, और मुझे पूरा यकीन है कि टीम के बाकी सदस्य उनका ख्याल रखेंगे और उन्हें यह महसूस कराएंगे कि वे यहां के हैं क्योंकि यह प्रोटियाज महिला क्रिकेट का भविष्य है। यह महत्वपूर्ण है कि हम उन्हें पहले घर जैसा महसूस कराएं, और उसके बाद, हम उन्हें खुद बनने के लिए प्रोत्साहित करें।

पहले मार्क वुड और अब ओली स्टोन हुआ बाहर

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड टीम को लगा झटका

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। आईपीएल 2025 के बाद भारत और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। लेकिन इस सीरीज से पहले ही इंग्लैंड टीम को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, टीम के तेज गेंदबाज ओली स्टोन चोट लगने के कारण सीरीज से बाहर हो गए हैं। पिछले साल 2 मार्च में 7 विकेट लेने वाले 31 वर्षीय स्टोन का 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होने वाली सीरीज से बाहर होना तय है। ये दौरान 4 अगस्त को खत्म होगा।इंग्लैंड टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज स्टोन ने पांच टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने पांचवां टेस्ट पिछले साल अगस्त- सितंबर में श्रीलंका के खिलाफ खेला था। आईसीसी ने शुक्रवार यानी 4 अप्रैल को इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड के हवाले से कहा गया, मार्च में नॉटिंघमशायर के प्री-सीजन अबू धाबी दौरे के दौरान उनके दाहिने घुटने में काफी तकलीफ हुई थी।

के.एम. रूंगटा चैलेंजर ट्रॉफी

डीएसजे टीम पारी व 240 रन से जीती, निखिल कोहली का पंजा

जयपुर, 4 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एम रूंगटा चैलेंजर ट्रॉफी में जयपुरिया ग्राउंड पर खेले गए मैच में डी एस जे इलेवन टीम ने कल के स्कोर 7 विकेट 515 रन से आगे खेलते हुए कुणाल गौतम के 53 रन व पर्व झालानी के नाबाद 48 रनों से रन से 145.1 ओवर में 602 रनों का विशाल स्कोर बनाया। एस के आई टी टीम के लिए निखिल कोहली ने 113 पर 5, कैफ गुडएज 79 पर 2, आर्यन जैन ने 171 पर एक व मोहित भगतानी ने 58 पर एक विकेट लिया। डी एस जे टीम ने पहली पारी में 416 रनों की बढ़त बनाई।

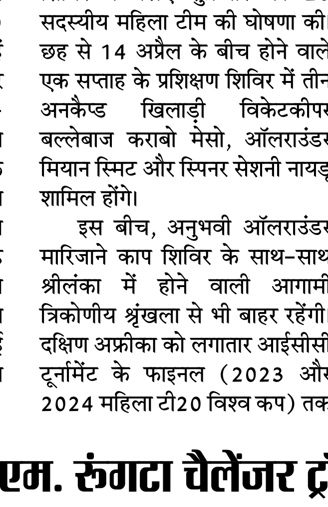

एस के आई टी इलेवन की टीम ने दूसरी पारी में अनिल सैनी के 43 रन, आर्यन जैन के 53 रन, मोहित भगतानी के 23 रन, मनीष गोस्वामी के 15 रन व कैफ गुडएज के 13 रनों से 33.4 ओवर में 176 रन बनाकर आउट हो गई। डी एस जे टीम के लिए हिमांशु राणा ने 41 पर 3, कार्तिक बदलानी ने 57 पर 2, पर्व झालानी ने 25 पर 2 व राजवीर सिंह ने 28 पर एक विकेट लिया।

डी एस जे टीम ने पारी व 240 रनों से जीत दर्ज की : दूसरे मैच में के एल सैनी स्टेडियम पर मैच के दूसरे दिन आर एच सी एल एस एस एल टीम ने कल के स्कोर 8 विकेट पर 453 रन से आगे खेलते हुए 93 ओवर में 467 रन बनाकर आउट हो गई। एम जे जे ग्रुप के लिए प्रखर शर्मा ने 122 रन देकर 4 विकेट लिए।

जवाबी पारी में एम जे जे ग्रुप इलेवन टीम ने त्रिलोक सैनी के 66 रन, कुशाग्र ओझा के 36 रन, आर्यमन शर्मा के 19 रन, मोहम्मद खुबेब के 53 रन, आदित्य झाला के 42 रक्षित लूणावत के नाबाद 45 रन व रोहन सिंह के नाबाद 34 रनों से दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 85 ओवर में 7 विकेट पर 319 रन बनाए। आर एच एल सी एस एस एल टीम के लिए शुभम सिंह पटवाल ने 37 पर 3, मिहित अग्रवाल ने 82 पर 2, शुभम शर्मा व रोहन राजभर ने एक - एक विकेट लिया।

राजस्थान वुशू संघ से मांगा तीन साल की गतिविधियों एवं आय-व्यय का ब्यौरा

जयपुर, 4 अप्रैल। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के द्वारा राज्य खेल संघों को लेकर की जा रही सख्ताई के चलते शुक्रवार को राजस्थान वुशू संघ को नोटिस जारी करके तीन साल की गतिविधियों एवं आय-व्यय का ब्यौरा मांगा गया है। शासन सचिव युवा मामले एवं खेल विभाग तथा राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष डॉ. नीरज कुमार पवन ने बताया कि राज्य खेल संघों को राजस्थान खेल अधिनियम-2005 की अनुपालना किए जाने को लेकर किए गए प्रावधानों के चलते ही राजस्थान वुशू संघ से विगत तीन वर्षों का आय-व्यय ब्यौरा एवं अंकेक्षण रिपोर्ट, राज्य संघ के द्वारा की गई खेल गतिविधियों की जानकारी, साधारण सभा आयोजित किए जाने का विवरण व खिलाड़ियों के द्वारा अर्जित की गई उपलब्धियों का विवरण मांगा गया है।

अनुराग मिश्रा बी डिवीजन लीग

स्टार क्रिकेट क्लब ने ज्योतिबा फूले क्लब को हराया

जयपुर, 4 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग क्रिकेट प्रतियोगिता में खेले गए पूल ए के मैच में स्टार क्रिकेट क्लब ने ज्योति बा फूले क्लब को 5 रनों से हराया। जी आर ग्राउंड पर स्टार क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए विहान जैन के 22 रन, आर्यमन शर्मा के 24 रन, दिव्यांशु गौर के 23 रन, आरव कुमार के 28 रन, योगेश सैनी के 33 रन व आशीष चोपड़ा के 36 रनों से 43.4 ओवर में 201 रन बनाए। ज्योति बा फूले क्लब के लिए आरव महर्षि ने 36 पर 5,

भव्य बलिया ने 20 पर 2, सात्विक जैन व चर्चित निर्वाण ने एक-एक विकेट लिया। जवाबी पारी में ज्योति बा फूले क्लब की टीम शिवांजल अग्रवाल के 36 रन, उत्कर्ष सैनी के 42 रन, सात्विक जैन के 15 रन, यश ब्रह्मभट्ट के 28 रन गर्वित सिंह के 38 रनों से 44.1 ओवर में 196 रन बनाकर आउट हो गई। स्टार क्रिकेट क्लब के लिए दर्श पारीक ने 20 पर 3, आशीष चोपड़ा ने 45 पर 2, आर्यमन शर्मा, नतांश कारिया, दिव्यांशु गौर ने 1 - 1 विकेट लिए। 7 अप्रैल को एस जे पब्लिक स्कूल बनाम डायमंड क्लब के मध्य मैच खेला जाएगा।

जयपुर में टिकटों की बढ़ती मांग के बीच साइबर ठग सक्रिय

जयपुर, 4 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के दौरान टिकटों की बढ़ती मांग के बीच साइबर ठग भी सक्रिय हो गए हैं। आईपीएल मैचों के टिकट की कमी कई चीजों पर निर्भर करती है। इसमें मैच की लोकप्रियता, स्टेडियम, सीटिंग कैटेगरी और मुकाबले का महत्व शामिल हैं। आमतौर पर एक टिकट की कीमत 500 रुपए से हजारों/लाखों रुपए तक हो सकती है।

हाल ही में जयपुर में होने जा रहे आईपीएल-2025 के दूसरे मैच के लिए टिकट बुक करते समय एक व्यक्ति गिरिराज हर्ष ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गया। दरअसल स्कैमर्स ने सोशल मीडिया पर एक फर्जी विज्ञापन के जरिए टिकट पर भारी डिस्काउंट का लालच दिया था, जिसके चलते उसने 700 रुपए गवां दिए।

गिरिराज हर्ष ने इंस्टाग्राम पर 2025 विज्ञापन देखा जिसमें सस्ते टिकटों का ऑफर था। उसने उस विज्ञापन पर क्लिक किया और टिकट बुक करने के लिए संपर्क किया। गिरिराज हर्ष से टिकट के दाम का कुल 30 भुगतान करने के लिए कहा गया। भुगतान करने के बाद उसे एक कन्फर्मेशन मेल मिला जिसमें बची हुई राशि कुछ दिन बाद कोरियर से टिकट जब घर देने आए तब देने के लिए कहा गया। गिरिराज हर्ष को 19 अप्रैल, 2025 का राजस्थान रॉयल्स वर्सेज लखनऊ सुपर जायंट्स के मैच सवाई मानसिंह स्टेडियम के साउथ ईस्ट स्टैंड अपर के सीट नम्बर 73,74,75 दिए गए। गिरिराज को कुछ दिनों बाद फोन आता है कि आप टिकट का कोड बताओ, गिरिराज ने कहा कि मेरे पास कोई कोड नही है, तब गिरिराज से कहा गया कि जहां से आपने टिकट बुक किया है वहां बात करके कोड ले लीजिये। गिरिराज ने बात की तो उधर से जवाब आता है कि आप पहले बाकी का अमाउंट जमा कराओगे तभी वो कोड मिलेगा नही तो कोड नहीं मिलेगा।

लालच में आकर बिना जांच-पड़ताल किए टिकट नहीं खरीदें : राजीव

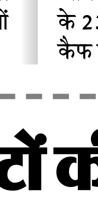

साइबर ठग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या सोशल मीडिया पर बहुत सस्ते दाम पर टिकट बेचने का दावा करते हैं। लोग लालच में आकर बिना जांच-पड़ताल किए पैसे भेज देते हैं। इसके बदले में उन्हें कोई टिकट नहीं मिलता है। साइबर ठग आईपीएल की आधिकारिक वेबसाइट जैसी दिखने वाली फर्जी वेबसाइट बनाकर नकली टिकट बेचते हैं। नकली वेबसाइट पर टिकट खरीदने के बाद पैसा कट जाता है, लेकिन टिकट नहीं मिलता है। कुछ लोग स्टेडियम के बाहर या ऑनलाइन फेक टिकट बेचते हैं, जो असली की तरह दिखते हैं। लेकिन यह टिकट अमान्य होते हैं और उससे मैदान में एंट्री नहीं मिलती है।

राजस्थान रॉयल्स के मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिंक प्रॉमिस मैच और पंजाब किंग्स के खिलाफ अंतिम घरेलू मैच के लिए टिकट आज लाइव होंगे

जयपुर, 4 अप्रैल। राजस्थान रॉयल्स एक बार फिर सवाई मानसिंह स्टेडियम को गुलाबी रंग में रंगने के लिए तैयार है, क्योंकि 1 मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ होने वाले पिंक प्रॉमिस मैच के लिए टिकटों की बिक्री शुरू हो गई है। टिकट 5 अप्रैल को बुकमाईशो के माध्यम से और आधिकारिक वेबसाइट पर लाइव हो जाएंगे। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में होने वाले इस स्पेशल मैच में रॉयल्स अपनी पिंक प्रॉमिस पहल के हिस्से के रूप में गुलाबी रंग की जर्सी में मैदान पर उतरेगी, जो राजस्थान में महिलाओं के नेतृत्व वाले परिवर्तन के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। रॉयल राजस्थान फाउंडेशन के नेतृत्व में पिंक प्रॉमिस पहल सशक्त महिलाओं को सक्षम बनाने और समुदायों के भीतर स्थायी परिवर्तन लाने पर केंद्रित है। इस पहल के हिस्से के रूप में, पिंक प्रॉमिस मैच के लिए बेचे गए प्रत्येक टिकट से 100 रुपये महिला केंद्रित विकास परियोजनाओं के लिए दान किए जाएंगे। इसके अलावा, मैच के दौरान प्रत्येक सिक्स के लिए, राजस्थान के सांभर क्षेत्र में छह घरों को सौर ऊर्जा से रोशन किया जाएगा-जिससे प्रत्येक सीमा के साथ प्रभाव सुनिश्चित होगा। फैंस स्पेशल पिंक प्रॉमिस जर्सी खरीदकर भी योगदान कर सकते हैं, जिसमें सभी आय सीधे आरएफएफ के चल रहे सामाजिक प्रभाव कार्यक्रमों का समर्थन करती है। जिन फैंस ने जल्दी पहुंच के लिए रजिस्टर किया है, उन्हें अपनी सीटें बुक करने का पहला अवसर मिलेगा। सुपर रॉयल्स एलीट मेंबर्स सुबह 10:00 बजे से टिकट खरीद सकते हैं, इसके बाद सुपर रॉयल्स प्रो मेंबर्स दोपहर 1:00 बजे से टिकट खरीद सकते हैं। रजिस्टर यूजर को शाम 4:00 बजे से प्री-सेल एक्सेस मिलेगा, जबकि सामान्य टिकट बिक्री शाम 6:00 बजे खुलेगी। 16 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के आईपीएल 2025 के अंतिम घरेलू मैच के लिए भी टिकट लाइव होंगे। टूर्नामेंट के एक महत्वपूर्ण स्टेज में पहुंचने के साथ, यह मैच टीम की योग्यता में अहम भूमिका निभा सकता है, जिससे सवाई मानसिंह स्टेडियम में एक हाई एनर्जी वातावरण बनाने में होम स्पोर्ट आवश्यक हो जाता है। दोनों मैचों के टिकट विशेष रूप से बुकमाईशो और राजस्थान रॉयल्स की वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे।

युवाओं को रोजगार देना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता- मुख्यमंत्री भजनलाल

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा, 1 लाख 88 हजार पदों पर नियुक्ति प्रक्रियाधीन है

जयपुर, 04 अप्रैल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि युवाओं को रोजगार देकर उनके सपनों को साकार करना डबल इंजन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी भर्तियों को निष्पक्ष और पारदर्शी रूप से नियत समय में पूरा कराने के लिए हम कृतसंकल्प हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सवा साल के अल्प कार्यकाल में ही 5 रोजगार मेलों का आयोजन कर अब तक 67 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां दे चुकी है। भविष्य में हर तीन माह में ऐसे मेलों का आयोजन कर युवाओं को नियुक्ति का तोहफा दिया जाएगा।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर लंबित एवं प्रक्रियाधीन भर्तियों की स्थिति के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों में 1 लाख 88 हजार से अधिक पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भर्ती विज्ञापन जारी करने, परीक्षा आयोजित करने, परिणाम घोषित करने तथा दस्तावेजों की जांच करने संबंधी सभी प्रक्रियाओं को निर्बाध गति से पूरा करने के लिए अतिरिक्त संसाधन और कार्मिक लगाकर शीघ्र से शीघ्र नियुक्तियां प्रदान की जाएं।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने लंबे समय से न्यायालय में लंबित

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को लंबित एवं प्रक्रियाधीन भर्तियों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भर्तियों से संबंधित सभी प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त संसाधन और कार्मिक लगाकर शीघ्र से शीघ्र नियुक्तियां प्रदान की जाएं।

- **मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ अपने यहाँ रिक्त पदों पर समयबद्ध भर्ती करें।**

लगभग 9 हजार 800 पदों पर भर्ती प्रक्रिया को, प्रभावी पैरवी करवाकर, आगे बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ अपने यहां रिक्त पदों पर समयबद्ध रूप से भर्ती करें। शर्मा ने कहा कि जैसे पदों के लिए अलग-अलग विभागों में अलग-अलग भर्ती परीक्षाओं का आयोजन होने से अतिरिक्त समय, संसाधन और श्रम लगता है। इसे देखते हुए, समान पदों के लिए समान पात्रता लागू करने के लिए नियमों में एकरूपता लायी जाए।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार, अखिल अरोड़ा, अपर्णा अरोड़ा, शिखर अग्रवाल, कुलदीप रांका, श्रेया गुहा, आनंद कुमार, प्रवीण गुप्ता, भास्कर ए.सावंत, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता सहित, विभिन्न विभागों के प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव तथा आरपीएससी एवं आरएसएसबी के अधिकारीगण उपस्थित थे।

म्यांमार में एक सप्ताह में भूकंप के 66 झटके आए

यांगून, 04 अप्रैल। देश के मौसम विज्ञान और जल विज्ञान विभाग के अनुसार, गुरुवार सुबह तक म्यांमार में 2.8 से 7.5 तीव्रता के 66 झटके महसूस किए गए।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ये झटके पिछले शुक्रवार को देश में आए 7.7 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप के बाद आए हैं। इस बीच, राज्य प्रशासन परिषद (एसएसी) के अध्यक्ष मिन आंग हलिंग ने कहा कि म्यांमार की सरकार भूकंप राहत और पुनर्वास प्रयासों के लिए 500 बिलियन क्यात (लगभग 238.09 मिलियन डॉलर) आवंटित करेगी। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, एसएसी उपाध्यक्ष, परिषद के सदस्यों और अन्य संबंधित अधिकारियों ने योगदान दिया है। शुक्रवार को म्यांमार में

- **गत शुक्रवार को आए विनाशकारी भूकंप के बाद इस गुरुवार सुबह तक 2.8 से 7.5 तीव्रता के 66 झटके आए।**

आए घातक भूकंप के बाद मिन आंग ह्लाइंग ने अंतरराष्ट्रीय सहायता का आव्हान किया। 16 देशों और क्षेत्रों से बचाव दल, चिकित्सक और नर्सें 31 मार्च तक मानवीय सहायता और चिकित्सा आपूर्ति के साथ म्यांमार पहुँच चुके हैं। म्यांमार ने सोमवार को देश में आए भूकंप और व्यापक विनाश के बाद एक सप्ताह के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की। संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय सहायता संगठन विनाशकारी भूकंप से निपटने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

किसानों को उनके अधिकार दिलाना हमारा कर्तव्य है - पायलट

सचिन पायलट ने रलावता में स्व. राजेश पायलट की मूर्ति का अनावरण किया व किसान सम्मेलन को संबोधित किया।

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं विधायक सचिन पायलट ने दौसा के ग्राम रलावता में स्व. राजेश पायलट की मूर्ति का अनावरण किया एवं किसान सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने उनका भव्य स्वागत किया।

दौसा, 04 अप्रैल।। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं विधायक सचिन पायलट ने कहा, मेरा मानना है कि किसान आत्मनिर्भर बनें, उनकी मेहनत का पूरा सम्मान हो और उनको अधिकार दिलाना हमारा कर्तव्य है। हम सभी को प्रतिबद्धता के साथ किसानों के हक के लिए काम करना होगा, ताकि उनका जीवन खुशहाल और समृद्ध बन सके।

सचिन पायलट शुक्रवार को दौसा के ग्राम रलावता में स्व. राजेश पायलट मूर्ति अनावरण एवं किसान सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रुप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों के दम पर जो लोग राजनीति करते हैं, सत्ता में आने के बाद उन्हें भूल जाते हैं। लेकिन मेरे पिता स्व. राजेश पायलट जीवन पर्यन्त लोकसभा में किसानों की आवाज बुलंद करते रहे। उन्होंने किसानों को अधिकार देने के लिए हरसंभव प्रयास किये। मेरे पिताजी ने अल्प राजनैतिक जीवन में आमजन में जो विश्वास और प्यार

- **पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को राजनीति में एक लक्ष्य के साथ आना चाहिये और राजनीति में लक्ष्य को कभी नहीं बदलना चाहिये।**

बनाया, वह आज भी लोगों के दिलों में जिन्दा है। लोगों को राजनीति में एक लक्ष्य के साथ आना चाहिये, राजनीति में लक्ष्य कभी नहीं बदलना चाहिये।

उन्होंने कहा कि राजनीति में सबसे मजबूत कड़ी कार्यकर्ता होता है, वह जनता के सामने सरकार एवं पार्टी की विचारधारा को लेकर जाता है तथा लोगों का दिल जीतकर चुनाव में कार्य करता है। आज सत्ता के मद में चूर नेता उन कार्यकर्ताओं को नहीं पूछते हैं तथा उन्हें मंदिर-मस्जिद के बारे में बताया जाता है। किसान सम्मेलन को सम्बोधित करते हुये सांसद मुरारीलाल मीणा ने कहा कि पहले क्रेडिट कार्ड केवल चुनिन्दा व्यापारियों के पास होते थे, आज हर किसान के पास क्रेडिट कार्ड उपलब्ध है। यह स्व. राजेश पायलट की देन है। वे सिद्धांतों की राजनीति करते थे, सर्व समाज को साथ लेकर चलते थे, सभी का विश्वास जीतने का प्रयास करते थे।

किसान सम्मेलन में धौलपुर-करौली सांसद भरोसीलाल जाटव, दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा, पूर्व विधायक महेन्द्र मीणा, पूर्व विधायक वेदप्रकाश सोलंकी, पूर्व विधायक इन्द्रराज गुर्जर, ममता भूपेश, ओमप्रकाश हुडला, संगरिया विधायक अभिमन्यु पूनिया सहित, अनेक नेताओं ने अपने विचार व्यक्त किये। सम्मेलन को सम्बोधित करने से पूर्व, सचिन पायलट सहित अन्य अतिथियों ने स्व. राजेश पायलट की मूर्ति का का अनावरण किया।

नीतीश कुमार द्वारा वक्फ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने अपने त्याग पत्र में लिखा, "मेरा विश्वास था कि जेडीयू सदैव धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय तथा अल्पसंख्यक अधिकारों के संरक्षण के पक्ष में खड़ी रहेगी। लेकिन पार्टी द्वारा इस विधेयक का समर्थन किये जाने से मेरा विश्वास हिल गया है। यह कृत्य उन करोड़ों समर्थकों के साथ विश्वासघात है, जिन्होंने बार-बार आपको मुख्यमंत्री के पद तक पहुँचाया।"

उन्होंने आगे लिखा, "इसका असर सन्निकट बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में साफतौर पर दिखाई दे जायेगा और व्यापक असंतोष के कारण, जल्दी ही, और बहुत सारे नेता पार्टी से इस्तीफा दे देंगे।" जेडीयू यूथ विंग के पूर्व स्टेट सेक्रेटरी एम. राजू नय्यर ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। नीतीश कुमार को संबोधित पत्र में उन्होंने लिखा है, "इस काले कानून के पक्ष में वोट देने के जेडीयू के निर्णय से मैं बहुत आहत हूँ तथा मैं पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देता हूँ।"जेडीयू एम.एल.सी. गुलाम गौस ने भी इस विधेयक के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव गुलाम रसूल बलियानी ने भी एन.डी.ए. सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर संसद में धर्मनिरपेक्ष तथा सांप्रदायिक तत्व खुलकर सामने आ गये। उन्होंने कहा कि इस नये कानून के प्रभाव पर चर्चा करने के लिये बहुत ही जल्दी एक मीटिंग बुलाई जायेगी तथा इसका सामना करने की रणनीति की योजना बनाई जायेगी। उन्होंने कहा, "यह ठोस कदम उठाने का समय है। मुस्लिमों को अपने अधिकारों के लिये संघर्ष करने के लिये तैयार हो जाना चाहिये, केवल सोशल मीडिया पर सक्रिय होने से काम नहीं चलेगा। यह विधेयक संसद के दोनों सदनों में पारित होन के बाद अब जनता की अदालत में पहुँच गया है, जिसका फैसला अक्टूबर-नवम्बर में उस समय आ जायेगा, जब विधानसभा के चुनाव परिणाम घोषित होंगे। जेडी (यू) प्रमुख तथा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का यह जुआ लाभदायक रहेगा या नहीं, विधेयक के सर्मथकों के लिये यह एक बड़ा मुद्दा है। विधेयक के विरोधी अपने तर्कों से जनता को अपना पक्ष समझाने की कोशिश करेंगे।

पीएचईडी चीफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सूची को चुनौती दी थी, जिस पर सुनवाई करते हुए अधिकरण ने वरिष्ठता सूची को रद्द कर नए सिरे से वरिष्ठता सूची तैयार करने और उसके आधार पर अपीलार्थियों को पदोन्नित देने को कहा था। अधिकरण के आदेश के बावजूद विभाग ने आदेश की पालना नहीं की। इस पर अपीलार्थियों की ओर से अधिकरण में अवमानना प्रार्थना पत्र पेश किया। वहीं, मामला हाईकोर्ट रेफर होने पर अदालत ने चीफ इंजीनियर को अदालत में पेश होने को कहा, लेकिन अधिकारी अदालत में पेश नहीं हुए। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए आगामी सुनवाई पर उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए उन्हें जमानती वारंट से तलब किया है। अदालत इस मामले में अब 7 अप्रैल को सुनवाई करेगी।

युद्ध विधवा को 11 साल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

1965 के युद्ध में वीरगति को प्राप्त हुए थे। ऐसे में उन्हें 25 बीघा भूमि आवंटित की गई थी। वहीं, बाद में इस जमीन को गैर मुमकिन तलाई की जमीन बताकर तथा आवंटन गलत होना बताकर राजस्व मंडल में रेफरेंस भेजा गया। राजस्व मंडल ने याचिकाकर्ता के गृह जिले में दूसरी भूमि आवंटित करने के आदेश दे दिए। वहीं, मई, 2022 में एसडीओ ने भूमि आवंटन का प्रस्ताव बनाकर भेज दिया। इसके बाद अधिकारियों के बीच कागजी कार्रवाई होती रही, लेकिन उसे भूमि आवंटित नहीं की गई। सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार की ओर से मामले में आवश्यक कार्रवाई के लिए चार सप्ताह का समय मांगा। इस पर अदालत ने राज्य सरकार को समय देते हुए कहा कि यदि मामले में कोई कार्रवाई नहीं की जाती तो प्रमुख राजस्व सचिव अपना शपथ पत्र पेश कर कारण स्पष्ट करें।

हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें, प्र.मंत्री मोदी की यूनुस को दो टूक

बैंकॉक, 04 अप्रैल। भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार, 4 अप्रैल को बांग्लादेश के नेता मुहम्मद यूनुस के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

ढाका में तख्तापटल के बाद पूर्व पीएम शेख हसीना के भारत आने और यूनुस के नेतृत्व में नई अंतरिम सरकार के बनने के बाद दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच पहली बैठक हुई। बैठक में पीएम मोदी ने बांग्लादेश के अंदर हिंदुओं सहित अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर भारत की चिंताओं पर जोर दिया। दोनों नेता बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के लिए थाईलैंड की यात्रा पर हैं और यहीं बैंकॉक में दोनों के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को बांग्लादेश के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बांग्लादेश में जल्द चुनाव कराने की अपील की। साथ ही संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाली बयानबाजी से बचने के लिए भी कहा है।

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने मोदी-यूनुस से मुलाकात को लेकर जानकारी दी। उन्होंने प्रेस

- **बैंकॉक में बिनसरे शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और बांग्लादेश के प्रमुख मोहम्मद यूनुस की मीटिंग हुई**
- **बांग्लादेश में हुए तख्ता पलट के बाद से दोनों देशों के राष्ट्र प्रमुखों की यह पहली मुलाकात है।**

कॉन्फ्रेंस में बताया कि मोदी ने यूनुस से कहा कि लोकतंत्र में चुनाव बहुत जरूरी हिस्सा है। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि बांग्लादेश में जल्द ही लोकतांत्रिक और स्थायी सरकार देखेंगे।

दोनों नेताओं के बीच बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की हालत पर भी बातचीत हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मुद्दे को खुलकर सामने रखा। यूनुस ने भरोसा दिया कि बांग्लादेश सरकार अपनी जिम्मेदारियों पर खरी उतरेगी।

वक्फ बिल के खिलाफ ओवैसी सुप्रीम कोर्ट पहुंचे

नई दिल्ली, 04 अप्रैल। संसद से पारित वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ अब कानूनी लड़ाई तेज होने लगी है। पहले कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने वक्फ बिल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। अब एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसीने भी वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ सर्वोच्च अदालत में याचिका दायर की है। ओवैसी ने कहा है कि वक्फ (संशोधन) विधेयक के प्रावधान मुसलमानों और मुस्लिम समुदाय के मौलिक अधिकारों का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन करते हैं। इस बिल को लेकर राजनीतिक गलियारों में काफी चर्चा है।

स्टालिन ने एक और भावात्मक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उच्चकोटि की मेडिकल शिक्षा का दावा करता है तथा नीट से छूट भी चाहता है। राज्य के नीट एग्ज़ैम्पशन बिल को खारिज किये जाने की निन्दा करते हुये, स्टालिन ने कहा कि यह "भारत के संघीय इतिहास का काला अध्याय" है।

इस मुद्दे को चुनाव प्रचार के एक ठोस मुद्दे का रुप देते हुये, स्टालिन ने 9 अप्रैल को एक सर्वदलीय बैठक बुलाने की घोषणा की, जिसमें नीट के संबंध में अगली कार्यवाही के बारे में निर्णय लिया जायेगा। नीट को समाप्त करने की दिशा में उठाने जाने वाला अगला कदम-कानूनी तथा राजनैतिक- दोनों ही प्रकार का हो सकता है।

तमिलनाडु विधानसभा में बोलते हुये, स्टालिन ने केन्द्र के इस निर्णय की आलोचना करते हुये, इसे राज्य के लोकतांत्रिक अधिकारों तथा उसके विद्यार्थियों की आकांक्षाओं पर हमले की संज्ञा दी। उन्होंने जोर देते हुये कहा कि विधानसभा द्वारा दो बार सर्वसम्मति से पारित किया गया यह विधेयक सेवानिवृत्त जस्टिस ए.के. राजन की अध्यक्षता वाली कमेटी की सिफारिशों पर आधारित था तथा इसमें केन्द्रीय मंत्रालयों द्वारा चाहे गये विस्तृत स्पष्टीकरण शामिल थे।

स्टालिन ने कहा, "चाही गई सभी बातें पूरी करने तथा सभी पूछताछों का जवाब देने के बावजूद, केन्द्र सरकार ने तमिलनाडु की लंबे समय से चली आ रही माँग को निरंकुशतापूर्वक खारिज कर दिया है। यह घोर अन्याय तथा सहकारी संघवाद पर सीधा हमला है।"

स्टालिन ने मैडिकल एडमीशन में सामाजिक न्याय को प्राथमिकता देने के तमिलनाडु के इतिहास पर जोर दिया। उन्होंने 2006 में तत्कालीन मुख्यमंत्री एम. करूणानिधि द्वारा राज्य में शुरू की गई मैडिकल एडमीशन की व्यवस्था का जिक्र किया। इस व्यवस्था में, मैडिकल में प्रवेश, प्रवेश परीक्षा के बजाय स्कूली परफॉर्मेंस पर आधारित थे। उन्होंने कहा कि इस नीति से ग्रामीण तथा आर्थिक रूप से पिछड़ी पृष्ठभूमि वाले विद्यार्थियों की मैडिकल शिक्षा तक समान पहुँच सुनिश्चित हो गई थी। स्टालिन ने कहा, लेकिन जब से नीट की अनिवार्यता हुई है, ग्रामीण क्षेत्रों तथा कम आय वाले परिवारों के बच्चे उन शहरी बच्चों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर पा रहे, जो महँगी कोचिंग कक्षाओं का खर्च वहन कर सकते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे अनारक्षित क्षेत्रों में डॉक्टरों की कमी हो जायेगी तथा राज्य की चिकित्सा-व्यवस्था प्रभावित होगी।

लोकसभा व राज्यसभा में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कपिल सिब्बल जो कि सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भी है, ने राज्यसभा में बोलते हुए कहा, "आपके हिंदू मंदिरों के पास भी बहुत प्रॉपर्टी है आप वहां क्या कर रहे हैं।"

उन्होंने कहा, "वक्फ बोर्ड के पास देश भर में कितनी जमीन है उस पर बहुत चर्चा हो रही है पर चार राज्यों में हिंदू मंदिरों के पास दस लाख एकड़ जमीन है।"

सिब्बल ने कहा, वक्फ बोर्ड सरकारी निकाय है और अधिकांश सदस्य सरकार द्वारा मनोनीत है। उन्होंने कहा उसमें सांसद, सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के जज और नौकरशाह हैं।

उन्होंने कहा, अगर ये नियुक्तियां सरकारी हैं तो कौन गलत काम कर रहा है। आपने इसे सुपरसीड क्यों किया? आप यह प्रावधान क्यों लाए? अगर गलती हो रही थी तो यह मुतवल्ली (वक्फ का अधीक्षक) द्वारा हो रही थी। मुतवल्ली वक्फ में अंदर ही अंदर सौदेबाजी करता है जिसे जिससे सारा कुप्रबंधन होता है आपको उसे ठीक करना चाहिए था।"

सिब्बल ने वक्फ प्रॉपर्टीज़ पर लिमिटेशन एक्ट 1963 लगाने पर भी आपत्ति की। बिल 1995 के अधिनियम का भाग 107 को हटा देता है जो वक्फ बोर्ड को कब्जा की गई प्रॉपर्टी पर दोबारा दावा करने के लिए 12 साल की सीमित अवधि से छूट देता था।

उन्होंने कहा, आप अतिक्रमण करने वाले के साथ हैं यह कैसा प्रावधान है? आप वक्फ सम्पत्ति की रक्षा कर रहे है या अतिक्रमण की? इसके अतिरिक्त विधेयक कहता है कि यदि यह सवाल उठता है कि वक्फ की कोई प्रॉपर्टी सरकारी प्रॉपर्टी है या नहीं तो राज्य सरकार कलैक्टर से ऊपर के अधिकारी को जांच करने व निर्णय लेने के लिए नामित कर सकती है। सिब्बल ने कहा, जब वो यह तय कर लेता है कि वह सम्पत्ति वक्फ की नहीं है तो उसे अंतिम निर्णय आने तक चुनौती नहीं दी जा सकती है। तब तक उस सम्पत्ति से डील नहीं कर सकते।

सिब्बल ने सरकार के इस तर्क को भी चुनौती दी वक्फ ट्रिब्यूनल का निर्णय अंतिम होगा इसके खिलाफ अपील नहीं की जा सकेगी।

उन्होंने कहा जब वक्फ ट्रिब्यूनल का निर्णय अंतिम है तो सिविल कोर्ट इसे चुनौती देने का अधिकार नहीं है। यह बात हिंदू एंडोमैंट्स एक्ट में भी मौजूद है और यह प्रबंधन के निर्णय को अंतिम बनाता है। उन्होंने कहा कि अगर हिंदू एन्डाओमैंट्स एक्ट में मैनेजमेंट का निर्णय फाइनल है तो आपको कोई आपत्ति नहीं, पर अगर वक्फ के मामले में ट्रिब्यूनल का फैसला अंतिम है तो आपको आपत्ति है।

हावड़ा में रामनवमी शोभायात्रा के लिए हाईकोर्ट ने मंजूरी दी

कोलकाता, 04 अप्रैल। रामनवमी का त्योहार जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, पश्चिम बंगाल में तनाव बढ़ता जा रहा है। बीजेपी ने कहा है कि राज्य में रामनवमी पर करीब डेढ़ करोड़ लोग शोभा यात्राओं में शामिल होंगे। वहीं, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोगों से शांतिपूर्वक रामनवमी का त्योहार मानने की अपील की है। इस बीच कलकत्ता हाई कोर्ट ने कोलकाता से सटे हाबड़ा में रामनवमी का जुलूस निकालने की इजाजत दे दी है। रामनवमी छह अप्रैल को मनाई जाएगी।

हाई कोर्ट ने हावड़ा में रामनवमी का जुलूस निकालने की इजाजत देते हुए कहा है कि इसमें हथियारों की इजाजत नहीं रहेगी। अदालत ने बाइक रैली निकालने या डीजे बजाने पर भी पाबंदी लगाई है। अदालत ने अंजनी पुत्र सेना, विश्व हिंदू परिषद और दुर्गा वाहिनी को रैली को निकालन की इजाजत दी है।

- **लेकिन, कोर्ट ने बाइक रैली निकालने व डीजे पर रोक लगाई है तथा 500 लोगों को ही शोभायात्रा में शामिल होने की इजाज़त दी है।**
- **बंगाल में भाजपा वृहद् स्तर पर रामनवमी पर्व का आयोजन करने जा रही है। पार्टी का दावा है कि डेढ़ करोड़ लोग शोभायात्राओं में शामिल होंगे।**

अदालत ने रैली में 500 लोगों को ही शामिल होने की इजाजत दी है। अदालत ने कहा है कि सभी जुलूस जीटी रोड के एक ही मार्ग से होकर पर निकलेंगे। इसके साथ ही अदालत ने पुलिस को हालात पर नजर बनाए रखने को कहा है। दरअसल, हावड़ा में रामनवमी पर शोभायात्राएं निकालने की परंपरा है। इस दौरान विवाद भी होते रहे हैं। पुलिस ने इस साल सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जीटी रोड के रास्ते पिछले 15 सालों से चली आ रही पारंपरिक रामनवमी शोभायात्रा की इजाजत देने से इनकार कर दिया था। पुलिस के इस आदेश के खिलाफ अंजनी पुत्र सेना नामक हिंदूवादी संगठन ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद, कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा ने फौरन आदेश जारी कर दिया। इसमें कहा गया कि रामनवमी के जुलूस में कोई भी हथियार लेकर नहीं निकलेगा। भाजपा के सियासी रूप से मजबूत गढ़ उत्तर बंगाल के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पहाड़ी जिलों में ज्यादा फोर्स लगाई गई है।

ट्रम्प की टैरिफ घोषणाओं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गिरावट देखी गई है। दोनों बेंचमार्क, सेंसेक्स और एनएसई में गिरावट आई है, उन्होंने ट्रंप के टैरिफ का असर अपेक्षाकृत हल्के रुप में झेला है।

उम्मीद की जा रही है कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था के वर्तमान संकट से लाभ उठा सकता है, खासकर अमरिका और अन्य देशों के बाजारों में बड़ी हिस्सेदारी हासिल करने के लिए। भारतीय बाजार फिर से अंतर्राष्ट्रीय संस्थागत निवेशकों को आकर्षित कर सकता है क्योंकि यहां निवेश के अवसर मौजूद हैं। पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन ने एक साक्षात्कार में कहा था कि भारत के पास ऐसा अवसर है जो कई सालों में आता है। अमेरिकन टैरिफ के जवाब में, चीन ने अमेरिका से आयात पर कठोर टैरिफ लगाए हैं। उसने अमेरिका को दुर्लभ पृथ्वी खनिजों के निर्यात से लेकर कुछ चीनी तकनीकी उत्पादों तक के लिए निर्यात पर प्रतिबंध भी लगाए हैं। चीन की प्रतिक्रिया पर जवाब देते हुए डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि चीन ने अमेरिकी आयात पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगाकर "घबराहट" में यह कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि यह अंतिम चीज थी जिसे वे वहन कर सकते थे।

दूसरी ओर, यूरोप ने अमेरिकी आयात पर नए टैरिफ लगाने की धमकी दी है, लेकिन अभी तक अमेरिका के खिलाफ नए टैरिफ की घोषणा नहीं की है। एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर आने वाला है। अमेरिका का केन्द्रीय बैंक, फैडरल रिज़र्व, अपनी नई मौद्रिक नीति की घोषणा करने वाला है और बाजार को पूरा विश्वास है कि वह ब्याज दरों में कटौती करेगा यह वर्तमान अंधियारे के बीच रोशनी की किरण साबित होगा। भारतीय केन्द्रीय बैंक के अधिकारी भी सोमवार से शुरु होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक में मौद्रिक नीति पर विचार करेंगे। उम्मीद की जा रही है कि भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) निवेशकों की मनोवृत्ति को प्रोत्साहित करने के लिए ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। हालांकि इसे तेज़ी से बढ़ती मुद्रास्फीति के जोखिमों के साथ संतुलित करना होगा।

विख्यात अभिनेता मनोज कुमार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक, मनोज कुमार ने सुबह 3:30बजे अंतिम सांस ली। उनके निधन की वजह दिल का दौरा बताई गई। रिपोर्ट ने यह भी पुष्टि की गई कि मनोज कुमार पिछले कुछ महीनों से डीकंपेंसेटेड लिवर सिरोसिस से जूझ रहे थे। उनकी हालत बिगड़ने के बाद उन्हें 21 फरवरी, 2025 को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

भारतीय सिनेमा में मनोज कुमार के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था। उनके नाम एक राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और अलग-अलग श्रेणियों में सात फिल्मफेयर पुरस्कार शामिल हैं। भारतीय कला में उनके अपार योगदान के सम्मान में सरकार ने उन्हें 1992 में पद्मश्री से सम्मानित किया। उन्हें 2015 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 24 जुलाई 1937 को पाकिस्तान के एबटाबाद में जन्मे हरिकिशन गिरि गोस्वामी, विभाजन के बाद भारत आ गए थे। बचपन से ही उन्हें एक्टिंग का काफी शौक रहा। वह अशोक कुमार, दिलीप कुमार और कामिनी कौशल के बहुत बड़े फैन थे। उनकी हर फिल्म देखना वह काफी पसंद करते थे और उनकी फिल्मों से प्रभावित होकर ही उन्होंने अपना नाम हरिकिशन से बदलकर मनोज कुमार कर लिया था।

लाल बहादुर शास्त्री से मनोज कुमार के करीबी रिश्ते थे। शास्त्री जी के नारे "जय जवान- जय किसान" को चरितार्थ करने के लिए उन्होंने "उपकार" फिल्म बनाई थी जो बड़ी हिट साबित हुई।

'अंतरर्राष्ट्रीय व्यापार में, उथल-पुथल व अराजकता प्रथम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्वर्ण आभूषणों में भारत के सामने कठिन चुनौती है। इस क्षेत्र के मिडिल ईस्ट के प्रतिस्पर्धी 17 प्रतिशत ड्यूटी के साथ बेहतर स्थिति में हैं। इसके विपरीत, भारत को चांदी और हीरे के आभूषणों में थाईलैण्ड पर 10 प्रतिशत टैरिफ लाभ है, क्योंकि थाईलैण्ड पर 37 प्रतिशत रैसिप्रोकल टैरिफ लगाया गया है। यह एक ऊँचे दांव वाली व्यवस्था है। एक तरफ, भारत के कार्पेट निर्यात तुर्की के कार्पेट निर्यात के सामने भारी नुकसान झेल सकते हैं, क्योंकि तुर्की के कार्पेट निर्यात पर केवल 10 प्रतिशत ड्यूटी है। दूसरी ओर, अमेरिका के आयातकों को भारत से जूते, वस्त्र और प्लास्टिक का सामान आयात करना अधिक लाभकर है, क्योंकि चीन और वियतनाम से आने वाले उत्पाद अब महंगे हो गए हैं।

एक अधिकारी, जो वर्तमान वार्ताओं में शामिल हैं, ने कहा, "वैश्विक व्यापार तुलनात्मक होता है। यह इस बारे में नहीं है कि आपका टैरिफ कितना ऊँचा है- यह इस बारे में है कि आपके प्रतिस्पर्धी का टैरिफ कितना बुरा हो सकता है।"

भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय का रुख सावधानीपूर्ण और आशावादी है। एक अधिकारिक बयान में मंत्रालय ने कहा कि विभाग, राष्ट्रपति ट्रंप की घोषणाओं के निहितार्थों की "सावधानी से जाँच पड़ताल" का रहा है और "सभी हितधारकों, जिसमें भारतीय उद्योग और निर्यातक शामिल हैं, के साथ जुड़ा हुआ है। मंत्रालय ने इस संबंध में यह भी कहा कि बदलते व्यापार परिदृश्य से "नए अवसर" पैदा हो सकते हैं। फैडरेशन ऑफ इण्डियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइज़ेशन (एफ.आई.ई.ओ.) के डॉयरेक्टर जनरल, अजय सहाय ने कहा, "उच्च टैरिफ वैश्विक व्यापार विकास को धीमा करेगा। भारत पर असर पड़ेगा, लेकिन काफी कम हद तक। अब हमें द्विपक्षीय व्यापार समझौता वार्ताओं का उपयोग करना चाहिए, ताकि, हमारे संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा की जा सके और मजबूत क्षेत्रों को बढ़ावा दिया जा सके।"

कहा जा रहा है कि भारत और यू.एस. व्यापार टीमों के बीच वार्ता तेजी से आगे बढ़ रही है। दोनों एक व्यापक, बहु क्षेत्रीय बाइलेटरल ट्रेड एग्रीमैंट (बी.टी.ए.) पर बातचीत कर रहे हैं, जिसमें टैरिफ और गैर टैरिफ बाधाओं, डिजिटल व्यापार ओर सप्लाई चेन लचीलापन शामिल हैं।

एक भारतीय वार्ताकार ने कहा, "दोनों पक्ष एकमत हैं। अमेरिका ने इस रैसिप्रोकल (प्रतिशोधी) टैरिफ के लिए 57 देशों की सूची बनाई है, जिसमें, भारत की तुलना में 33 देशों को अधिक कड़ी सजा का सामना करना पड़ रहा है।

लेकिन आगामी सप्ताह यह बताएंगे कि क्या दिल्ली इस टैरिफ अशांति को, व्यापार में एक महत्वपूर्ण सफलता में बदल सकती है। लेकिन ऐसे विश्व में, जहाँ संरक्षणवाद बढ़ रहा है और गठजोड़ बदल रहे हैं, भारत के पास शायद पर्याप्त प्रभाव और सही समय है, जिससे वो स्थिति को अपने पक्ष में झुका सके।

भजनलाल ने प्रधानमंत्री,...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संपत्तियों को लेकर वर्षों से चली आ रही अनियमितताओं और अपारदर्शिता को समाप्त करने के लिए यह संशोधन आवश्यक था। यह वक्फ प्रशासन में पारदर्शी, जवाबदेह एवं निष्पक्ष व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ-साथ, गरीब व जरूरतमंदों को सशक्त भी बनाएगा। उन्होंने कहा कि इससे सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा होगी और किसी भी प्रकार के अनुचित विशेषाधिकार या भेदभाव को समाप्त किया जा सकेगा। शर्मा ने कहा कि मोदी सरकार ने बिना भेदभाव के सभी समाजों, खासकर गरीब और पिछड़े मुस्लिमों के लिए बड़े फैसले लिए हैं। तीन तलाक समाप्त करके मुस्लिम बहनों को न्याय दिलाया गया है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908